एसआईआर के नाम पर मुस्लिम... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

पर्दे पर हाउसवाइफ का किरदार.. 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 308 | गाजियाबाद / सोमवार 09 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रुपए

ट्रेनिंग विमान में क्रैश दोनों पायलट घायल

विजयपुरा (एजेंसी)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बालेश्वर तालुक के मंगलुरु गांव में रविवार दोपहर एक प्राइवेट ट्रेनिंग विमान खुले मैदान में क्रैश हो गया। इस हादसे में विमान में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, रेड बर्ड कंपनी का यह दो-सीटर ट्रेनिंग विमान था। क्रैश से ठीक पहले दोनों पायलट विमान से बाहर निकलने में सफल रहे। टक्कर के बाद विमान तीन हिस्सों में टूट गया। हादसे में दोनों को चोटें आई हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गांव में बिखरे मलबे को सुरक्षित करते हुए प्रारंभिक जांच शुरू कर दी। जांच अधिकारियों ने बताया कि यह रेड बर्ड एविएशन का एक निजी विमान था, जो कलबुर्गी से बेलगावी जाते समय इंजन में खराबी के कारण हादसे का शिकार हो गया।

गोमती की लहरों पर उतरेगा 'लखनऊ क्रूज'

लखनऊ (एजेंसी)। नवाबों का शहर लखनऊ की पहचान में जल्द ही एक और पर्यटन आकर्षण जुड़ने जा रहा है। गोमती नदी में अत्याधुनिक टूरिस्ट क्रूज का संचालन शुरू होने जा रहा है, जिसमें एक साथ 200 लोग नदी की सैर का आनंद ले सकेंगे। वहीं, कॉन्फ्रेंस हॉल, वीआईपी लाउंज, डिजिटल स्क्रीन और ओपन रेस्टोरेंट जैसी सुविधाओं से लैस यह क्रूज गोमती रिवर फ्रंट को नई पहचान देगा। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने रविवार को हनुमान सेतु के पास रिवर फ्रंट क्षेत्र में निमार्णाधीन क्रूज परियोजना का स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि क्रूज का निर्माण कार्य पांच महीने के भीतर पूरा कर संचालन शुरू किया जाए।

सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक भारत दौरे पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी रविवार को दिल्ली पहुंचे। हवाई अड्डे पर केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उनका स्वागत किया। हर्मिनी इससे पहले मुंबई और चेन्नई में आयोजित कुछ बिजनेस इवेंट्स में शामिल होने गए थे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर तस्वीरों संग इसकी जानकारी दी। उन्होंने बतायाः "सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी चेन्नई और मुंबई में अहम कार्यक्रमों को संपन्न कर यहां पहुंचे। वहां उन्होंने शासन, उद्योग, तटीय प्रबंधन और स्वास्थ्य क्षेत्र सहित अहम स्टेकहोल्डर्स से मुलाकात की।" उन्होंने आगे कहा, "एयरपोर्ट पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने उनका गर्मजोशी से विधिवत स्वागत किया।

मणिपुरः सुरक्षा बलों ने पांच आतंकियों को किया गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों में भारत-म्यांमार सीमा के पास के इलाकों से अलग-अलग उग्रवादी संगठनों से जुड़े पांच कट्टर आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। आतंकियों के पास से कई मोर्टार और दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मोर्टार और आईईडी तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में भारत-म्यांमार सीमा के पास यांगौबुंग इलाके से बरामद किए गए। बाद में बम निरोधक दस्ते ने इन विस्फोटकों को नष्ट कर दिया। मणिपुर की म्यांमार के साथ 398 किलोमीटर की बिना बाड़ वाली सीमा है, जो भारत में ड्रग्स, खासकर हेरोइन और मेथामफेटामाइन टैबलेट, के साथ-साथ हथियार, गोला-बारूद और अन्य प्रतिबंधित सामानों की तस्करी के लिए एक मुख्य ट्रांजिट रूट का काम करती है। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच उग्रवादी पीपल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक, कांगलेई यावोल कन्ना लुप और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के थे।

100 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट स्कैम का पर्दाफाश, दो लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच क्राइम ब्रांच की साइबर सेल को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम में शामिल दो मुख्य आरोपियों, अनिश सिंह और मणि सिंह, को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लोगों को डर, मानसिक दबाव और फर्जी कानूनी कार्रवाई के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी करता था।

जांच में सामने आया है कि आरोपियों से जुड़े बैंक खातों में करीब 100 करोड़ रुपये की संदिग्ध रकम का लेनदेन हुआ है और इनके खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर 190 शिकायतें/एफआईआर दर्ज हैं। यह मामला ऑनलाइन माध्यम से मानसिक कैद और मनोवैज्ञानिक प्रताड़ना का एक गंभीर उदाहरण है। पीड़िता को एक साइबर ठग ने खुद को मुंबई साइबर क्राइम के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी राघव मित्तल बताकर कॉल किया और आधार से जुड़े कथित आपराधिक मामले में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद कॉल एक महिला अधिकारी को ट्रांसफर किया गया।

भारत-मलेशिया के बीच द्विपक्षीय वार्ताः दस्तावेज और समझौतों का किया गया आदान-प्रदान

11 महत्वपूर्ण समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

> सेमीकंडक्टर से डिजिटल पेमेंट और एआई तक...

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2026 की पहली विदेश यात्रा भारत और मलेशिया के बीच 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली साबित हुई है। प्रधानमंत्री मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम के बीच रविवार को पुत्राजाया स्थित पदार्ना पुत्र परिसर में प्रतिनिधिमंडल स्तर की सार्थक वार्ता हुई।

वार्ता के बाद दोनों नेताओं की मौजूदगी में कुल 11 महत्वपूर्ण दस्तावेज और समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इनमें डिजिटल भुगतान और सुरक्षा सहयोग, सेमी कंडक्टर विकास और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, भ्रष्टाचार निवारण और आपदा प्रबंधन, भारतीय कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तथा तकनीकी शिक्षा और मलेशिया का अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस में शामिल होना है।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का आज मलेशिया के प्रधानमंत्री महामहिम दातो सेरी अनवर इब्राहिम ने पदार्ना पुत्र परिसर में औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद, दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के आधिकारिक आवास सेरी पदार्ना में सीमित और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की । नेताओं ने व्यापक चर्चा की और 2024 में दोनों देशों के बीच स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

उन्होंने साझेदारी की नींव रखने वाले भारत-मलेशिया के सदियों पुराने संबंधों और घनिष्ठ जन-संबंधों को याद किया। नेताओं ने व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, समुद्री क्षेत्र, स्वच्छ ऊर्जा, अवसंरचना, स्टार्टअप, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुर्वेद, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण परिदृश्य की समीक्षा की।

दूतावास के खुलने से वाणिज्यिक और जन-संबंधों को मिलेगी मजबूती

मोदी ने कहा कि मलेशिया में भारत के पहले वाणिज्य दूतावास के खुलने से वाणिज्यिक और जन-संबंधों को मजबूती मिलेगी। दोनों नेताओं ने वैश्विक शासन सुधार, हिंद-प्रशांत क्षेत्र और भारत-आसियान साझेदारी में वृद्धि सहित पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। प्रधानमंत्री ने एआईटीआईजीए की समीक्षा को जल्द से जल्द पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने 2025 में आसियान की सफल अध्यक्षता के लिए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को बधाई भी दी। पीएम अनवर इब्राहिम ने 2026 में ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता के लिए अपनी शुभकामनाएं और समर्थन व्यक्त किया।

पीएम मोदी ने की पहलगाम आतंकी हमले और लाल किले विस्फोट की निंदा

प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले और लाल किले विस्फोट की कड़ी निंदा के लिए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को धन्यवाद दिया और आतंकवाद विरोधी प्रयासों में निरंतर घनिष्ठ सहयोग का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा को "दो पुराने मित्रों का मिलन" बताते हुए प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मित्र देशों का समर्थन : मोदी

पुत्राजाया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मलेशिया दौरे के दूसरे दिन कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मित्र देशों का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और मलेशिया दोनों मानते हैं कि दोनों देशों की समृद्धि एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और वैश्विक अस्थिरता के मौजूदा माहौल में दोनों समुद्री पड़ोसी देशों को अपने द्विपक्षीय संबंधों की पूरी क्षमता का उपयोग करना चाहिए।

मलेशिया की प्रशासनिक और न्यायिक राजधानी पुत्राजाया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। बैठक के बाद संयुक्त बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशियाई नेतृत्व और सरकार द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मलेशिया की उनकी यह यात्रा भारत-मलेशिया संबंधों को नए स्तर पर ले जाने के संकल्प को दशार्ती है। बीते वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में उल्लेखनीय गति और गहराई आई है, जिसमें कृषि, विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, कौशल विकास और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। रक्षा और सुरक्षा सहयोग में भी निरंतर विस्तार हो रहा है।

सीएम धामी ने खटीमा में लोगों की सुनी समस्याएं

खटीमा (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उधम सिंह नगर जनपद के खटीमा भ्रमण के दूसरे दिन रविवार को कैंप कार्यालय लोहियाहेड एवं हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और आम जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

इसके उपरांत मुख्यमंत्री ग्राम भगचुरी पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय निवासी मलकीत सिंह राणा के निधन और वीरेंद्र मौर्य की माता सुन्दरी देवी (92) के निधन पर उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, नगर पालिका खटीमा के अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर नितिन सिंह भदौरिया, जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी कौस्तूभ मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर, उप जिलाधिकारी तुषार सैनी सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने डॉ. जाकिर हुसैन को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को देश के तीसरे राष्ट्रपति रहे डॉ. जाकिर हुसैन की जयंती के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने डॉ. जाकिर हुसैन के योगदान को स्मरण किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

डॉ. जाकिर हुसैन का जन्म 08 फरवरी 1897 को हुआ था। वे भारत के तीसरे राष्ट्रपति थे और देश के पहले ऐसे राष्ट्रपति रहे जो शिक्षाविद् पृष्ठभूमि से आए थे। वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति और जामिया मिलिया इस्लामिया के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। डॉ. जाकिर हुसैन को शिक्षा को सामाजिक बदलाव का सबसे सशक्त माध्यम मानने के लिए जाना जाता है। उन्हें वर्ष 1963 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उनका कार्यकाल सादगी, नैतिक मूल्यों और शैक्षणिक दृष्टि के लिए स्मरण किया जाता है।

सावरकर को भारत रत्न मिला तो पुरस्कार की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी : मोहन भागवत

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) को भारत रत्न दिया जाता है, तो यह सम्मान खुद इस पुरस्कार की गरिमा को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि सावरकर को किसी पुरस्कार की जरूरत नहीं है, क्योंकि वे पहले ही देशवासियों के दिलों में स्थान बना चुके हैं। मुंबई में आयोजित 'संघ यात्रा के 100 साल : नए क्षितिज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने भारत रत्न दिए जाने में हो रही देरी पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "मैं उस समिति का हिस्सा नहीं हूं जो इस पर फैसला करती है, लेकिन अगर किसी से मुलाकात होगी तो जरूर पूछूंगा कि इसमें देरी क्यों हो रही है। अगर सावरकर को भारत रत्न दिया जाता है तो यह पुरस्कार के लिए ही सम्मान होगा और उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। बिना किसी सम्मान के भी सावरकर जनता के दिलों पर राज करते हैं।"

दिल्ली में डीटीसी पेंशनभोगियों के लिए 1,100 करोड़ रुपए जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीटीसी के लिए 1,200 करोड़ रुपए के अनुदान को मंजूरी दी है। दिल्ली सरकार के इस कदम से हजारों सेवारत कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलेगी और सार्वजनिक परिवहन में प्रौद्योगिकी के समावेश को बढ़ावा मिलेगा। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अनुदान से दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) को राजधानी में ट्रैफिक मैनेजमेंट और अर्बन मोबिलिटी को बेहतर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी आधारित पहलों को मजबूत करने में भी मदद मिलने की संभावना है। वित्त विभाग द्वारा जारी कुल आवंटन में से 1,100 करोड़ रुपए डीटीसी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, पेंशन और अन्य वैधानिक देय राशियों के भुगतान के लिए निर्धारित किए गए हैं। शेष 100 करोड़ रुपए परिवहन आधुनिकीकरण और एडवांस टेक्नोलॉजी को अपनाने के लिए आवंटित किए गए हैं ताकि ट्रैफिक फ्लो सुनिश्चित किया जा सके और सतत गतिशीलता को बढ़ावा दिया जा सके।

दिल्ली की सड़कों पर दौड़ेंगी 500 नई ई-बसें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन तंत्र को और अधिक सशक्त, आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। शनिवार को रामलीला मैदान से 500 नई इलेक्ट्रिक (ईवी) बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस ऐतिहासिक पहल ने दिल्ली को स्वच्छ और हरित परिवहन मॉडल की ओर एक और मुकाम दिला दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संयुक्त रूप से इन बसों को फ्लैग ऑफ किया। इनके संचालन से न केवल सार्वजनिक परिवहन को मजबूती मिलेगी, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण में भी बड़ी राहत मिलेगी। राजधानी में इलेक्ट्रिक बसों के बढ़ते बेड़े ने दिल्ली को देश के अग्रणी स्वच्छ परिवहन शहरों में शामिल कर दिया है।

ईवी बसें पूरी तरह शोररहित, प्रदूषण मुक्त और यात्रियों के लिए आरामदायक हैं। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली-पानीपत इंटर-स्टेट बस सेवा का भी लोकार्पण किया गया। यह सेवा एनसीआर और हरियाणा के बीच यात्रियों की आवाजाही को और सुगम बनाएगी।

यूपी बजट सत्र 2026 : कल से शुरू होगा महाअभियान

11 फरवरी को पेश होगा 9 लाख करोड़ का मेगा बजट!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति और शासन व्यवस्था के लिए इस हफ्ते का आगाज बेहद अहम होने जा रहा है। विधानमंडल का बजट सत्र कल से शुरू हो रहा है और 11 फरवरी को योगी सरकार अपना अब तक का सबसे बड़ा–करीब 9 लाख करोड़ रुपये का मेगा बजट पेश करेगी। इस बार सरकार का फोकस विकास, आम जनता की सुविधाओं और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर रहने वाला है। अनुमानित आवंटन इस प्रकार हो सकता है, 25% – सड़क, पुल, एक्सप्रेसवे, शहरी विकास व बड़े इंफ्रा प्रोजेक्ट्स, 15% – शिक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण और नई योजनाओं पर, 12% – कृषि और किसान-केंद्रित योजनाओं पर, 8% – स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने पर, 5% – सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर, सरकार युवाओं के रोजगार, किसानों की मदद, गरीब व जरूरतमंद वर्ग की योजनाओं, स्कूलझ्अस्पतालों के सुधार और कानून-व्यवस्था को और मजबूती देने पर बड़ा दांव खेलने जा रही है।

सत्र को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तैयारियों की गहन समीक्षा की।

> विकास, युवाओं, किसानों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर होगा सबसे बड़ा फोकस

मुख्य प्रबंध क्यूआरटी (क्विक रिस्पॉन्स टीम) की विशेष तैनाती, एंटी-एक्सप्लोसिव व एंटी-सबोटाज जांच व्यवस्था सभी प्रवेश द्वारों पर सख्त सुरक्षा, विधायकों के साथ आने वाले सुरक्षा कर्मियों के बैठने की पूरी व्यवस्था, ट्रैफिक और विधानसभा परिसर में निर्बाध आवाजाही, महाना ने कहा कि लोकतांत्रिक गरिमा और संसदीय परंपराओं की रक्षा के लिए सुरक्षा और सुविधा दोनों का बेहतरीन संतुलन जरूरी है। इस समीक्षा में पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर, प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे सहित कई अफसर मौजूद रहे।

पिछले वित्तीय वर्ष में यूपी का बजट 8.08 लाख करोड़ था, जो अब करीब 9 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। यानी स्पष्ट है कि इस बार सरकार विकास की रफ्तार और तेज करने वाली है।

सीईएस का चतुर्थ विद्या उत्सव सम्पन्नः कक्षा से आगे बढ़कर कौशल और अनुभव आधारित शिक्षा पर जोर

नई दिल्ली (शिखर समाचार) चाइल्ड एजुकेशन सोसायटी द्वारा आयोजित चतुर्थ विद्या उत्सव 2026 का भव्य आयोजन राजधानी में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। बाल भारती पब्लिक स्कूल समूह की शीर्ष संस्था के इस वार्षिक शैक्षिक महोत्सव में शिक्षा को व्यवहारिक जीवन, कौशल विकास और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में देशभर की शाखाओं से जुड़े विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक प्रत्यक्ष तथा ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। उद्घाटन अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एवं बाल भारती विद्यालयों के चेयरमैन निखिल चानना ने कहा कि यह आयोजन शिक्षा जगत के लिए प्रेरक मंच है, जहाँ विद्यार्थियों और शिक्षकों की रचनात्मकता, प्रतिभा और नवाचार को सम्मान मिलता है। उन्होंने बताया कि संस्था के अंतर्गत देश के विभिन्न हिस्सों में संचालित 26 विद्यालयों में लगभग 37 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिन्हें 2500 समर्पित शिक्षक शिक्षित कर रहे हैं। विद्या उत्सव को उन्होंने ज्ञान, संस्कार और नवचिंतन का संयुक्त पर्व बताया। विद्या उत्सव की परंपरा वर्ष 2023 में स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर शुरू हुई थी और तब से यह निरंतर आयोजित हो रहा है। इस वर्ष का आयोजन दो अलग-अलग सत्रों में विभाजित रहा। पहले सत्र में शिक्षा मंत्रालय के शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से जुड़े भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजय कुमार ने कक्षाओं से इतर भविष्य निमार्णः वास्तविक संसार के कौशलों के दृष्टिकोण से अनुभव आधारित शिक्षा विषय पर विस्तृत विचार रखे। उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रमुख पक्षों को सरल शब्दों में समझाते हुए कहा कि आज शिक्षा केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित

नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी कौशल और अनुभव से जोड़ना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि शिक्षक यदि नीति के मुख्य बिंदुओं को समझकर उन्हें व्यवहार में उतारें, तो छात्र अधिक प्रभावी ढंग से सीख सकते हैं। उनके अनुसार आज का विद्यार्थी केवल पाठ याद करने वाला नहीं, बल्कि खोज करने वाला शिक्षार्थी होना चाहिए। इसी सत्र में शिक्षा, कौशल और तकनीकी परिवर्तन पर एक उच्च स्तरीय परिचर्चा भी आयोजित हुई। परिचर्चा का संचालन संस्था के सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार शरद अरोड़ा ने किया। इसमें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा अनुवादिनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता परियोजना के मुख्य समन्वयक बुद्ध चंद्रशेखर, सार्वजनिक नीति और कौशल विषय की विशेषज्ञ लक्ष्मी कौल, शिक्षा और उद्योग क्षेत्र की विशेषज्ञ विन्नी जौहरी तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में कौशल शिक्षा एवं प्रशिक्षण निदेशक बिस्वजीत साहा ने अपने विचार साझा किए। विशेषज्ञों ने बदलते शैक्षिक परिवेश में कौशल आधारित और बहु-विषयी शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया।

दूसरे सत्र में फिल्म, दूरदर्शन और रंगमंच से जुड़े अभिनेता आशुतोष राणा मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने ह्लविद्या, विवेक, विकासह्व विषय पर प्रेरक उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल सूचना प्राप्त करना नहीं, बल्कि संवेदना और समझ विकसित करना भी है। उन्होंने परीक्षा आधारित व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को रटकर आगे बढ़ने के बजाय अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार ज्ञान अर्जित करने का अवसर मिलना चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी अपनी पसंद के क्षेत्र को ही अपना व्यवसाय बनाना चाहता है, तो उसे पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर गहराई से अध्ययन करना होगा। उन्होंने बाल भारती विद्यालय समूह की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ आधुनिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति और परंपरा का संतुलित समावेश किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थी अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं। शिक्षक समुदाय की भूमिका को उन्होंने राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। समारोह में दिल्ली और आसपास की शाखाओं के प्रधानाचार्य, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी और प्रबंधन पदाधिकारी सहित लगभग 850 विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। अन्य शाखाओं के विद्यार्थी, अभिभावक और कर्मचारी बड़ी संख्या में ऑनलाइन माध्यम से जुड़े। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ। समापन संयुक्त सचिव लक्षवीर सहगल के धन्यवाद वक्तव्य और राष्ट्रगान के साथ किया गया। पूरा आयोजन ज्ञान, कौशल और संस्कार के समन्वित उत्सव के रूप में सराहा गया।

दिल्ली में गीजर में विस्फोट से आग लगने के कारण एक व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणपूर्वी दिल्ली में एक इलेक्ट्रिक गीजर में विस्फोट के कारण घर में आग लगने से 50 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसकी पत्नी घायल हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह घटना शनिवार शाम पांच बजे हजरत निजामुद्दीन इलाके में हुई। इसने बताया कि पुलिस को एक घर में भीषण आग लगने की सूचना मिली और एक टीम तुरंत मौके पर भेजी गई। पुलिस को घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला और वह दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ''बचाव अभियान के दौरान बाथरूम में मकान मालिक मोहम्मद सैयद निज़ामी और उनकी पत्नी फिदा निज़ामी (45) धुएं के कारण अचेत अवस्था में मिले।'' परिवार के बाकी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारी ने बताया कि दोनों को तुरंत मूलचंद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने निजामी को मृत घोषित कर दिया, जबकि उनकी पत्नी को होश आ गया और उनका उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

जनकपुरी हादसे के बाद फरार मजदूर योगेश एटा से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी जिला पुलिस ने हादसे के बाद मौके से फरार हुए मजदूर/गार्ड योगेश को एटा उप्र से गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की एक टीम आरोपित को लेकर दिल्ली रवाना हो चुकी है। पुलिस के अनुसार, योगेश हादसे के समय मौके पर मौजूद था और घटना के बाद वह वहां से भाग गया था। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दाराडे शरद भास्कर ने रविवार को बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपित ने दावा किया है कि उसने हादसे की जानकारी ठेकेदार को फोन पर दे दी थी। इसके बाद वह सो गया था। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना के तुरंत बाद योगेश एटा फरार हो गया था और शुरुआत से ही उसकी लोकेशन एटा में ट्रेस हो रही थी। आरोपित की लोकेशन मिलने के बाद दिल्ली पुलिस की टीम शनिवार देर शाम एटा के लिए रवाना हुई। तड़के पुलिस ने दबिश देकर योगेश को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपित को दिल्ली लाकर औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया जाएगा, जिसके बाद उससे विस्तृत पूछताछ की जाएगी। वहीं दूसरी ओर, इस मामले में पहले से गिरफ्तार किए गए राजेश प्रजापति को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा। वहीं मजिस्ट्रेट ने आगे की जांच के लिए आरोपित राजेश प्रजापत को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों और इसमें लापरवाही की भूमिका को लेकर जांच जारी है। पूछताछ के बाद मामले में और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं।

वसंत विहार में नौकर निकला चोर, बिहार से पकड़ा गया साथी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत विहार इलाके में घर से सोने-चांदी के गहने चोरी होने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी के गहने भी बरामद किए। पकड़े गए आरोपितों में एक घरेलू नौकर है, जबकि दूसरा उसका साथी बिहार का रहने वाला है। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि 2 फरवरी को वसंत विहार थाने में चोरी की शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता भवदीन ने बताया था कि उनकी पत्नी के सोने-चांदी के गहने घर से चोरी हो गए हैं। मामले की जांच शुरू की गई तो पुलिस को शक घर में काम करने वाले नौकर नरेश सिंह पर हुआ, जो उसी परिसर में रहता था। लंबी पूछताछ के दौरान नरेश सिंह टूट गया और उसने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर दो जोड़ी चांदी के बिछुए बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में नरेश ने बताया कि चोरी किए गए बाकी गहने उसने अपने साथी राजू साह को दे दिए थे। आरोपित की जानकारी पर पुलिस ने तकनीकी निगरानी और गुप्त सूचना के आधार पर बिहार के सीतामढ़ी जिले के रामनगर गांव में छापा मारा। वहां से सह-आरोपित राजू साह को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर चोरी का पूरा माल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपितों के पास से एक सोने का हार, चार सोने के कंगन, चांदी की पायल, बिछुए, चांदी का कमरबंद और चांदी की ईंटें बरामद की हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक बरामद गहनों की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। मामले को सुलझाने के लिए वसंत विहार थाने की टीम ने इंस्पेक्टर राकेश कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की।

1200 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी में दो कंपनी निदेशक भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक विशेष अदालत ने दिल्ली स्थित वैश्विक चावल ब्रांड कंपनी 'अमीरा प्योर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड' (एपीएफएल) के दो निदेशकों को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया है। दोनों की 123 करोड़ की संपत्ति जब्त करने का आदेश भी दिया गया है। यह मामला 1200 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़ा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। बताया कि सीबीआई ने 2022 में एपीएफएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक करण ए चनाना व पूर्णकालिक निदेशक अनीता डैंग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोप है कि उन्होंने केनरा बैंक के नेतृत्व वाले बैंक समूह को 1205.85 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। ईडी इस मामले में धनशोधन जांच कर रही है। विशेष न्यायाधीश राजेश मलिक की अदालत में अधिकारियों ने बताया कि चनाना लंबे समय से यूके में, जबकि डैंग दुबई में रह रही हैं। दोनों ने ही मुकदमे से बचने के लिए भारत छोड़ दिया है। इसके चलते एजेंसियां कई कोशिश के बावजूद भी उन्हें कार्रवाई में जुड़ने नोटिस नहीं दे पा रही हैं। ईडी ने यह भी बताया कि एपीएफएल वैश्विक चावल ब्रांड है, जिसका कारोबार अमेरिका, यूके, यूएई, जर्मनी, मॉरीशस आदि देशों में है। अदालत ने इस मामले में चनाना और डैंग को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। इसके साथ ही अदालत ने आरोपियों की 123 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का भी निर्देश दिया है।

मंत्री सूद की शिकायत पर आप प्रत्याशी के खिलाफ जांच के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। द्वारका जिला अदालत ने मंत्री आशीष सूद की शिकायत पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी प्रवीण कुमार के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश दिए हैं। सूद ने आरोप लगाया कि प्रवीण ने 2025 दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर उनके और उनके परिवार के खिलाफ झूठी, भ्रामक और मानहानिकारक सामग्री साझा की। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी हरजोत सिंह औजला ने कहा कि आरोपों की प्रकृति ऐसी है, जिसकी प्रभावी जांच केवल पुलिस के जरिए संभव है। अदालत ने स्पष्ट किया कि संदेशों की उत्पत्ति की पहचान, डिजिटल कंटेंट का सत्यापन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच और सामग्री के प्रसार की जांच जरूरी है। यह मामला सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए चुनावी प्रक्रिया में गलत सूचना फैलाने से जुड़ा है, जिसका लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सीधा असर पड़ता है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 175 के तहत चुनाव से संबंधित झूठा बयान देने का प्रथम दृष्टया मामला बनता है। इसके बावजूद अदालत ने निष्पक्ष, स्वतंत्र और त्वरित जांच के निर्देश दिए। पुलिस को आदेशित किया गया है कि वह जांच पूरी कर 21 अप्रैल 2026 तक स्थिति रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे।

मृतक एएसआई के परिजनों को एक करोड़ से अधिक मुआवजे का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 08 फरवरी (वेब वार्ता)। तीस हजारी स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने ड्यूटी पर सड़क हादसे में जान गंवाने वाले दिल्ली पुलिस के एएसआई के परिवार को 1,00,67,590 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने हादसे के लिए कार चालक को पूरी जिम्मेदारी ठहराते हुए वाहन मालिक और चालक को संयुक्त रूप से भुगतान करने का निर्देश दिया। यह हादसा 22-23 मार्च 2020 की रात मुंडका इलाके में हुआ। एएसआई दिनेश कुमार तलदार क्रेन बुलाकर सड़क जाम हटाने की प्रक्रिया में लगे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही कार ने उन्हें टक्कर मार दी। सिर और शरीर में गंभीर चोट लगने से उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। एमएसीटी के पीठासीन अधिकारी मुकेश कुमार ने जांच दस्तावेजों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तय किया कि दुर्घटना चालक की लापरवाही से हुई। अदालत ने मृतक की उम्र, वेतन और भविष्य की आय संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मुआवजा राशि तय की। अदेश में यह भी कहा गया कि मुआवजा राशि पर 9 फीसदी वार्षिक ब्याज लगेगा। यदि 30 दिन में भुगतान नहीं होता है तो 12 फीसदी ब्याज देना होगा। वाहन हादसे के समय बीमित नहीं था, इसलिए चालक और मालिक जिम्मेदार होंगे।

बजट 2026-27 शक्ति निर्माण का दस्तावेज़, लोकलुभावनता से आगे की सोचः हंसराज सुमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाने-माने शिक्षाविद हंसराज सुमन ने कहा कि बजट 2026-27 को केवल आय-व्यय का गणितीय लेखा मानना उसके साथ अन्याय होगा। उनके अनुसार यह बजट उस वैचारिक बदलाव का संकेत है, जिसमें भारतीय राज्य स्वयं को कल्याणकारी प्रबंधक से आगे बढ़ाकर रणनीतिक राष्ट्र-निर्माता के रूप में स्थापित करना चाहता है। बजट में भावनात्मक घोषणाओं या तात्कालिक राजनीतिक संतुष्टि के बजाय संरचनात्मक शक्ति निर्माण पर जोर स्पष्ट दिखता है।

सुमन ने कहा कि इस बजट का केंद्रीय सूत्र ÷एक्शन ओवर एम्बिवेलेंस÷ है, यानी अब नीति-घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस क्रियान्वयन पर फोकस किया गया है। शिक्षा, रक्षा, वित्तीय अनुशासन और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय-हर क्षेत्र में खर्च बढ़ाने से अधिक क्षमता गढ़ने की प्राथमिकता दिखाई देती है। वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में लगभग 7 प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य, मध्यम मुद्रास्फीति और नियंत्रित राजकोषीय घाटा एक परिपक्व आर्थिक नीति का संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि 2026-27 के लिए 4.3 प्रतिशत राजकोषीय घाटे का लक्ष्य केवल संख्या नहीं, बल्कि आर्थिक-राजनीतिक संदेश है। ऋण-जीडीपी अनुपात को 2030 तक 50 प्रतिशत के आसपास लाने का उद्देश्य यह दर्शाता है कि सरकार लोकप्रियता से अधिक स्थिरता को महत्व दे रही है, ताकि शिक्षा और रक्षा जैसे सामाजिक क्षेत्रों को दीर्घकालिक नुकसान से बचाया जा सके।

शिक्षा बजट पर टिप्पणी करते हुए सुमन ने कहा कि इस बार शिक्षा को सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्पादकता का आधार माना गया है। विश्वविद्यालय टाउनशिप, औद्योगिक गलियारों से शोध का जुड़ाव, स्टेम संस्थानों में छात्राओं के लिए छात्रावास और डिजिटल नॉलेज ग्रिड जैसी पहलें मानव पूंजी निवेश की सोच को दर्शाती हैं। साथ ही ÷एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट एंड एंटरप्राइज÷ समिति का गठन डिग्रीधारी बेरोज़गारी की समस्या को स्वीकार कर समाधान की दिशा में कदम है।

रक्षा बजट को उन्होंने इस दस्तावेज़ का सबसे रणनीतिक हिस्सा बताया। लगभग छह लाख करोड़ रुपये का व्यय केवल सैन्य तैयारी नहीं, बल्कि औद्योगिक नीति का विस्तार है। आयात निर्भरता घटाकर घरेलू विनिर्माण, अनुसंधान और उच्च-कौशल रोज़गार को बढ़ावा देना राष्ट्रीय संप्रभुता और रणनीतिक स्वायत्तता से जुड़ा कदम है। शिक्षा और रक्षा के संयुक्त दृष्टिकोण से यह बजट बौद्धिक-सैन्य पारिस्थितिकी की नींव रखता है।

अंत में सुमन ने कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय-अवसंरचना, रेल गलियारे, जलमार्ग और ऊर्जा सुरक्षा-इस पूरी रणनीति का आधार है। उनके मुताबिक बजट 2026-27 गरीबी प्रबंधन का नहीं, बल्कि शक्ति निर्माण का दस्तावेज़ है, जो भारत को केवल अस्तित्व से आगे बढ़ाकर नेतृत्व की ऐतिहासिक दिशा में ले जाने का संकेत देता है।

बनारस धर्म, विद्या, कला और सह-अस्तित्व की भूमि है: उप सभापति हरिवंश

नई दिल्ली (एजेंसी) राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि बनारस केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म, विद्या, कला और सह-अस्तित्व की भूमि है। हरिवंश ने यह बात नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित पुस्तक काशीस्थ के लोकार्पण पर कही। पुस्तक में काशी पर एकाग्र 13 प्रसिद्ध साहित्यकारों के 17 लेख शामिल हैं। पुस्तक का सम्पादन व्योमेश शुक्ल ने किया है। मुख्य वक्ता के रूप में हरिवंश ने काशी नागरी प्रचारिणी सभा पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि बनारस, काशी या वाराणसी केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म, विद्या, कला, संगीत और मानवीय सहअस्तित्व की भूमि है। काशी पर अब तक जितनी भी पुस्तकें लिखी गई हैं, यह पुस्तक उन सबसे भिन्न है, क्योंकि यह काशी को केवल विषय के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभूति के रूप में प्रस्तुत करती है। इसकी गलियां, घाट, स्मृतियां और बौद्धिक परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा, "मैं मानता हूं कि तकनीक कितनी भी सशक्त हो जाए, वह पुस्तक का स्थान नहीं ले सकती। परम्परा को नए संदर्भों में आगे बढ़ाना ही बौद्धिक कर्म है। यह पुस्तक औचित्य, भाव, भाषा और दर्शन, हर स्तर पर पाठक को समृद्ध करती है। मुझे विश्वास है कि ऐसे प्रयास हिन्दी के बौद्धिक संसार को और अधिक सशक्त एवं समृद्ध करेंगे।" आईजीएनसीए के सदस्य सचिव सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि ह्यकाशीस्थह्न काशी की परम्परा को समग्रता में समझने का एक सशक्त प्रयास है, जो अकादमिक जगत के साथ-साथ सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने कहा, काशी आपको पकड़ कर रखती है, उसमें गजब का सम्मोहन है। काशी को बहुत सारी उपमाएं दी गई हैं लेकिन यह एक शहर नहीं, बल्कि संज्ञा है। यह एक जगह नहीं, कई जगह विद्यमान है। काशीमय हो जाना अपने आप में एक बड़ी संज्ञा है, एक बड़ा विशेषण है। काशी में एक तेज है और हमेशा रहेगा। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीसीआर) के सदस्य सचिव प्रो. धनंजय सिंह ने काशी को भारतीय ज्ञान-परंपरा का जीवंत केंद्र बताते हुए कहा कि काशीस्थ जैसी कृतियां हमारी सांस्कृतिक स्मृति को सुदृढ़ करती हैं और परंपरा व आधुनिकता के बीच सेतु का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा, यह पुस्तक सिर्फ एक शहर का नहीं, सभ्यता का इतिहास है। काशी की जो प्रवृत्ति है, वह हमें सकारात्मक वृत्ति प्रदान करती है। श्री व्योमेश शुक्ल ने बताया कि 'काशीस्थ' में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के अप्रकाशित लेख सहित 13 विद्वानों के 17 लेखों को संकलित किया गया है। यह पुस्तक काशी के अध्यात्म, चिंतन, भूगोल और परम्परा की पड़ताल करती है।

कैंसर के विरुद्ध एकजुट हुई दिल्ली, 'वॉक फॉर लाइफ' में उमड़ा जनसैलाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर तथा अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को उपशामक देखभाल उपलब्ध कराने वाली अग्रणी गैर-लाभकारी संस्था कैंसपोर्ट ने विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में अपनी 19वीं 'वॉक फॉर लाइफ - स्ट्राइड अगेंस्ट कैंसर' का सफल आयोजन किया। इस कैंसर जागरूकता वॉकथॉन में कैंसर सर्वाइवर्स, देखभालकर्ता, डॉक्टर, छात्र और कॉरपोरेट जगत के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न वर्गों के हजारों लोगों ने भाग लिया और कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने तथा पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की। वर्ष

2008 में शुरू हुई यह पहल आज दिल्ली की सबसे बड़ी कैंसर जागरूकता पदयात्रा बन चुकी है। प्रतिभागियों ने आशा, साहस और समय पर जांच के महत्व से जुड़े संदेशों वाले बैनरों के साथ पूरे उत्साह से कदम बढ़ाए। कैंसपोर्ट की संस्थापक-अध्यक्ष हरमाला गुप्ता ने कहा कि समय पर पहचान होने पर कैंसर का इलाज संभव है और समाज का सहयोग इस दिशा में बेहद अहम है। इस वर्ष 6,000 से अधिक लोगों की भागीदारी ने इस मुहिम को और मजबूती दी। रॉयल मैवरिक्स और रेड फोर्ट हार्ले राइडर्स के सदस्यों की सहभागिता ने मरीजों का हौसला बढ़ाया, जबकि म्यूज़िक फैक्ट्री, आई कैन डू इट थिएटर ग्रुप और साईं एरोबिक्स की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में ऊर्जा और उत्साह भर दिया।

ऑनलाइन खेल की लत बनी मुसीबतः नीट अभ्यर्थी छात्र पिता की डांट के बाद घर से लापता, दो सप्ताह से खोज जारी

हापुड़ (शिखर समाचार) पिलखुवा क्षेत्र से एक किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार नीट की तैयारी कर रहे छात्र को मोबाइल पर ऑनलाइन खेल खेलते देख पिता ने फटकार लगाई थी, जिसके बाद वह नाराज होकर घर से चला गया और पिछले दो सप्ताह से उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। चिंतित पिता ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर बेटे की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है।

मिली जानकारी के अनुसार पिलखुवा थाना क्षेत्र के नौरंगपुरी पबला रोड निवासी योगेंद्र सिंह संपत्ति क्रय विक्रय का कार्य करते हैं। परिवार में दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। छोटा बेटा हिमालय इंटर उत्तीर्ण करने के बाद गाजियाबाद के एक शिक्षण संस्थान में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। परिजनों का कहना है कि उसे मोबाइल पर फ्री फायर नामक ऑनलाइन खेल खेलने की आदत पड़ गई थी और वह कई महीनों से पढ़ाई से अधिक समय इसी में लगा रहा था। इस बात को लेकर घर में पहले भी समझाइश और नाराजगी जताई जाती रही थी।

बताया गया कि 24 जनवरी को पिता ने उसे फिर मोबाइल पर खेलते देख डांटा और पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा। इसके बाद वह घर से बिना बताए चला गया। परिजनों ने रिश्तेदारों, परिचितों और आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। किशोर का मोबाइल फोन भी लगातार बंद आ रहा है, जिससे परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है।

परिवार की ओर से पिलखुवा कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई है। परिजनों का आरोप है कि सूचना देने के बाद भी अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया। पिता का कहना है कि ऑनलाइन खेलों की लत बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर रही है और इस पर सख्त नियंत्रण होना चाहिए।

क्षेत्राधिकारी अनीता चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की दो टीमें छात्र की तलाश में लगाई गई हैं और संभावित स्थानों पर जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही किशोर को सकुशल खोज लेने की उम्मीद है। पीड़ित पिता ने पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह से मिलकर मामले में शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध भी किया है।

एक साल की नाकामी पर जश्न शर्मनाक : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार दिल्ली में सत्ता का एक वर्ष पूरा होने का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है, जबकि राजधानी बदहाली, ध्वस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक लापरवाही से जूझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि टूटी सड़कों, खुले गड्ढों, गंदगी, प्रदूषण और निर्माण स्थलों पर सुरक्षा के अभाव के कारण बीते समय में करीब 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं जनवरी माह में 807 लोग-जिनमें अधिकांश महिलाएं और लड़कियां हैं-लापता हुए, फिर भी सरकार जश्न की तैयारी में लगी है। यादव ने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में खुदाई के बाद गड्ढे बिना बैरिकेडिंग छोड़े गए हैं, जो जानलेवा साबित हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कमल ध्यानी की मौत समेत कई घटनाएं सरकारी विभागों की लापरवाही का नतीजा हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की कि जश्न मनाने से पहले सरकार को भ्रष्टाचार, प्रदूषण, दूषित पेयजल, कमजोर कानून व्यवस्था और जनता की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ठोस कदम उठाने चाहिए।

कमल ध्यानी मौत मामला : सरकार जवाबदेही से नहीं बच सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। राम नगर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष कुलदीप भाटी ने कहा है कि राजधानी में दिल्ली जल बोर्ड की घोर लापरवाही से हुई कमल ध्यानी की मौत की जिम्मेदारी से ट्रिपल इंजन की सरकार नहीं बच सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि जनकपुरी इलाके में बीच सड़क खोदे गए गहरे गड्ढे पर न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए और न ही रोशनी का पर्याप्त इंतजाम किया गया, जिसके कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। भाटी ने कहा कि इससे पहले नोएडा में हुए ऐसे ही हादसे के बाद दिशा-निर्देश बने थे, लेकिन उन पर अमल नहीं हुआ, जिससे साफ है कि सिस्टम ने कोई सबक नहीं लिया। उन्होंने कहा कि कमल ध्यानी के परिजन रातभर थाने-दर-थाने भटकते रहे, जबकि युवक गहरे गड्ढे में पड़ा रहा, जो पूरे प्रशासनिक तंत्र की संवेदनहीनता को दर्शाता है। भाटी ने यह भी सवाल उठाया कि नोएडा में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में गठित एसआईटी की रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक क्यों नहीं हुई और क्या कमल ध्यानी के मामले में भी कुछ दिनों बाद सब कुछ भुला दिया जाएगा।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजीत पवार की अस्थियों का जालंधर से कीरतपुर साहिब में विसर्जन, श्रद्धांजलि सभा आयोजित

जालंधर (शिखर समाचार) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नाम पर आयोजित अस्थि कलश विसर्जन कार्यक्रम के क्रम में जालंधर में एक विस्तृत श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और शहर के गणमान्य लोगों ने पहुंचकर श्रद्धा व्यक्त की और दिवंगत बताए जा रहे नेता के योगदान को याद किया। नई दिल्ली से अस्थि कलश जालंधर पहुंचने पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के जिला कार्यालय में विधिवत श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया। आयोजन धीरज शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पंजाब चंडीगढ़ प्रेक्षक मतीन कामले अपनी पत्नी राइसा कामले के साथ मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष लकी संधू के कार्यालय में पूजा अर्चना के साथ कलश स्थापित किया गया और पुष्प अर्पित कर नमन किया गया।

सभा में लकी संधू, सोनिया और प्रदेश महासचिव चंद्रशेखर ने कहा कि अजीत पवार ने संगठन और जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई और

कार्यकताओं को हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ललित कोहली, चलचित्र हास्य कलाकार और अभिनेता दीपक राजा, पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सरबजीत सिंह गोल्डी, युवा जिला अध्यक्ष सरभजीत सहित अनेक पदाधिकारी और महिला प्रतिनिधि शामिल हुए। वक्ताओं ने उनके राजनीतिक जीवन और संगठनात्मक कार्यों का उल्लेख किया। श्रद्धांजलि सभा के बाद पदाधिकारियों का दल अस्थि कलश को लेकर कीरतपुर साहिब गुरुद्वारा पहुंचा, जहां धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार अस्थियों का विसर्जन किया गया और अरदास कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर हलका प्रभारी चंदेश्वर गिल, मोहाली जिला प्रधान ज्योतिषाचार्य प्रोफेसर सरदार बख्शीश सिंह बावा, पंजाब उपप्रधान सभरवाल, सुरेंद्र सिंह बीटा समेत कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और महिला पदाधिकारी मौजूद रहे। स्मृति में भोग कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

आईटीएस मोहन नगर और नैसकॉम के बीच समझौता, विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर जोर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोहन नगर स्थित आईटीएस संस्थान और नैसकॉम के बीच विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर आयोजित औपचारिक कार्यक्रम में शिक्षा और उद्योग जगत के बीच मजबूत साझेदारी की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाना, पाठ्यक्रमों को उद्योगोन्मुख बनाना तथा नई तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करना रहा।
आईटीएस एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने कहा कि इस प्रकार के समझौते शिक्षा और उद्योग के बीच की दूरी को कम करते हैं। नैसकॉम जैसे अग्रणी उद्योग संगठन के सहयोग से छात्रों को व्यवहारिक प्रशिक्षण, प्रासंगिक कौशल और मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र मिलेंगे, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकेंगे।
निदेशक सुनील कुमार पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि तेजी से बदल रहे तकनीकी परिवेश में निरंतर पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन अनिवार्य हो गया है। ऐसे समझौते विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी उद्योग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से अद्यतन रहने का अवसर देते हैं। यूजी परिसर की प्राचार्या नैन्सी शर्मा ने कहा कि यह सहयोग अकादमिक शिक्षा को उद्योग की जरूरतों से सीधे जोड़ेगा। इसके माध्यम से छात्रों को नई और उभरती तकनीकों में प्रमाणन पाठ्यक्रम, उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम और विशेषज्ञों द्वारा करियर उन्मुख सत्रों का लाभ मिलेगा। समझौता पत्र का औपचारिक आदान-प्रदान अर्पित चड्ढा और नैसकॉम आईटी-आईटीईएस कौशल परिषद के मुख्य परिचालन अधिकारी उपमित सिंह के बीच हुआ। इस दौरान सुनील कुमार पांडे, नैन्सी शर्मा और कामना जैन मौजूद रहीं। उपमित सिंह ने कहा कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के इस दौर में शिक्षा संस्थानों और उद्योग के बीच सक्रिय सहयोग बेहद जरूरी है। यह पहल संरचित कौशल विकास, उन्नत तकनीकी प्रमाणन और विशेषज्ञ सहभागिता के जरिए कौशल अंतर को कम करेगी। छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ पेशेवर कार्य अनुभव देना भी उतना ही आवश्यक है।
समझौते के तहत उद्योग संगत प्रशिक्षण, प्रमाणन, इंटर्नशिप और संयुक्त कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। लक्ष्य स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को नवीन तकनीकों में प्रशिक्षित कर उद्योग के लिए तैयार करना है। साथ ही शिक्षक विकास कार्यक्रमों के जरिए संकाय सदस्यों की क्षमता भी बढ़ाई जाएगी। कार्यक्रम के अंत में कामना जैन ने फ्यूचर स्किल्स पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न निःशुल्क प्रमाणन पाठ्यक्रमों की जानकारी देते हुए छात्रों से पंजीकरण करने का आह्वान किया। समारोह में एमसीए विभागाध्यक्ष पूजा धर, समन्वयक स्मिता कंसल, बीबीए विभागाध्यक्ष आदिल खान सहित अन्य शिक्षक और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

जसोला में विशाल हिंदू परिचय सम्मेलन आयोजित, सामाजिक एकता और संस्कार जागरण पर जोर

नई दिल्ली (शिखर समाचार) दक्षिणी दिल्ली के जसोला क्षेत्र स्थित डीएवी विद्यालय परिसर रविवार को सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना के संदेश से गूंज उठा, जहां एक भव्य हिंदू परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदू परिवारों ने सहभागिता कर आपसी परिचय, संवाद और संगठन की भावना को मजबूत किया। आयोजन का आरंभ राष्ट्र की सुरक्षा, लोककल्याण और विश्व शांति की प्रार्थना के साथ वैदिक विधि से संपन्न पंचकुंडीय यज्ञ द्वारा हुआ, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम संचालन का दायित्व सृष्टि त्यागी ने निभाया। उन्होंने उपस्थित लोगों को नागरिक दायित्वों, सामाजिक अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के पालन की सामूहिक शपथ भी दिलाई। सम्मेलन की अध्यक्षता सेवानिवृत कमांडर हरिंदर सिंह सिक्का ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विज्ञानानंद ने अपने प्रेरक संबोधन में हिंदू समाज के बौद्धिक पुनर्जागरण, आत्मचिंतन और कर्तव्यबोध को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता और जागरूकता में निहित है, और जाति, भाषा, प्रांत जैसे विभाजनकारी तत्वों से ऊपर उठकर संगठित प्रयास ही राष्ट्र को मजबूत बना सकते हैं। सम्मेलन के विचार सत्र में पंच परिवर्तन के सूत्र स्व बोध, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य पालन, सामाजिक समरसता और परिवार प्रबोधन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान डॉ. सुधीर त्यागी, विनय त्रिपाठी और डॉ. चंचल पाल ने व्यावहारिक जीवन में इन मूल्यों को अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और इसे समाज के दीर्घकालिक सुदृढ़ीकरण का आधार बताया। आयोजन को सफल बनाने में संरक्षक अनंज त्यागी, कोष व्यवस्था का दायित्व संभाल रहे डॉ. एस. के. पाल तथा समिति के अनेक सक्रिय सदस्यों का विशेष योगदान रहा। सहयोग देने वालों में कुलदीप गर्ग, डॉ. शारदा शर्मा, मोहन चंद्रा, ललित कौशिक, शैलेश कुमार, शोभित श्रीवास्तव, भारती देशमुख, यश भरारा, डॉ. प्रदीप चंपावत, घनश्याम सिंह, जी.पी. द्विवेदी, तमाल मुखर्जी, उमेश दुबे, जे.जी. अबरोल, राजीव चड्ढा और सुरेंद्र गुप्ता सहित अनेक परिवार शामिल रहे। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण युवा गायिका अभिलिप्सा पांडा की भक्ति संगीत प्रस्तुति रही। उनके मधुर भजनों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया और कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। समापन अवसर पर आयोजन समिति के सचिव देव बंसल ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और सहभागी परिवारों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी ऐसे संवादात्मक और संस्कार आधारित आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

केंद्रीय बजट विकसित भारत की दिशा में ठोस पहल, उद्योग, पर्यटन और कौशल से बढ़ेंगे रोजगार: प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल

भूपेंद्र कुमार शर्मा
गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़(शिखर समाचार) प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री तथा जनपद हापुड़ के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने केंद्रीय बजट को देश की दीर्घकालिक प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि यह बजट आने वाले वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मजबूत कदम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय रूपरेखा केवल आय व्यय का ब्योरा नहीं बल्कि समावेशी और संतुलित विकास का स्पष्ट खाका प्रस्तुत करती है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखा गया है। सिंचाई विभाग के अतिथि गृह में आयोजित बैठक के दौरान मंत्री ने कार्यकताओं और नागरिकों से जुड़े मुद्दों को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत आयोजित संवाददाता वार्ता में उन्होंने विस्तार से बजट की विशेषताएं बताईं। मंत्री ने कहा कि इस बजट में कृषि, सिंचाई, शहरी ढांचा, लघु एवं मध्यम उद्योग, पर्यटन और सेवा क्षेत्र को विशेष बल दिया गया है, जिससे

स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और नए काम के अवसर उत्पन्न होंगे। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से आधुनिक सिंचाई योजनाओं का विस्तार, जल संरक्षण तंत्र की मजबूती और कृषि आधारभूत संरचना के विकास के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। इससे खेती की लागत कम होगी और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने युवाओं के संदर्भ में कहा कि कौशल विकास अभियानों को गति देने, स्वयं रोजगार योजनाओं को बढ़ावा देने, नवाचार आधारित उद्यमों को सहयोग देने और नए उद्यम स्थापित करने वालों को प्रोत्साहन देने की दिशा में बजट में कई प्रभावी प्रावधान शामिल हैं। इससे पढ़े-लिखे युवाओं के लिए स्वरोजगार और निजी क्षेत्र में अवसर बढ़ेंगे। महिला सशक्तिकरण, पोषण योजनाओं, स्वच्छ पेयजल, आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को भी बजट में प्राथमिकता दी गई है, ताकि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंच सके। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, गढ़ विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया, जिलाध्यक्ष कविता माधरे, पूर्व जिलाध्यक्ष नरेश तोमर, पुनीत गोयल, राजीव सिरोही, प्रमोद, प्रशांत, दीपक भाटी, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. पायल गुप्ता, राजेश शर्मा, सुभाष प्रधान, राजीव शर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फिल्मों और वेब श्रृंखलाओं में जाति सूचक शब्दों पर रोक की मांग, पूर्व राज्य मंत्री सुनील भराला ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा पत्र

हापुड़ (शिखर समाचार) पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री सुनील भराला ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर फिल्मों और वेब श्रृंखलाओं में जाति आधारित अपमानजनक शब्दों के प्रयोग पर रोक लगाने की मांग उठाई है। इस संबंध में उन्होंने एक औपचारिक पत्र सौंपते हुए कहा कि हाल के समय में कुछ फिल्मी और डिजिटल मंचों पर प्रसारित सामग्री में विशेष समाज और जाति को नकारात्मक तथा आपराधिक छवि में दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जो सामाजिक संतुलन और सौहार्द के लिए हानिकारक है। सुनील भराला ने कहा कि सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के उद्देश्य से कुछ निमार्ता आपत्तिजनक संवाद और शब्दावली का उपयोग कर रहे हैं। ह्घूसखोर पंडितह्व जैसे शब्दों का प्रयोग न केवल अनुचित है बल्कि इससे समाज के एक वर्ग की गरिमा को ठेस पहुँचती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की अभिव्यक्ति से सामाजिक विभाजन को बढ़ावा मिलता है और आपसी विश्वास कमजोर होता है। उन्होंने अपने पत्र

में उल्लेख किया कि ब्राह्मण समाज का राष्ट्र जीवन, शिक्षा और स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मंगल पांडे द्वारा स्वतंत्रता संग्राम की शुरूआत, चंद्रशेखर आजाद का बलिदान और मदन मोहन मालवीय का शैक्षिक योगदान देश के इतिहास का अहम हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन में भी विभिन्न विद्वानों और शिक्षकों का सहयोग रहा, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पूर्व राज्य मंत्री ने मांग की कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा फिल्मों और वेब सामग्री की समीक्षा और अधिक गंभीरता से की जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों और प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष को निर्देश जारी कर ऐसे आपत्तिजनक कंटेंट पर रोक लगाने और जिम्मेदार निमार्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी समाज और वर्ग की प्रतिष्ठा सुरक्षित रह सके।

पूर्व सैनिक के घर छापा, 42 प्रतिबंधित कारतूस बरामद, पत्नी की सूचना पर खुला मामला

मोदीनगर (शिखर समाचार) नगर की राधा कुंज कॉलोनी में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर एक पूर्व सैनिक के मकान पर देर रात दबिश देकर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कारतूस बरामद किए। कार्रवाई के दौरान आरोपी व्यक्ति घर से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के लिए अलग अलग दल बनाकर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार राधा कुंज कॉलोनी निवासी आदेश कुमार अपने परिवार के साथ रह रहा था। वह वर्ष 2009 में सेना की सेवा से सेवानिवृत हुआ था। इसके बाद उसने करीब चार वर्ष तक रक्षा सुरक्षा कोर में भी कार्य किया। परिवार के भीतर चल रहे विवाद के चलते यह मामला सामने आया। बताया गया है कि लगभग एक सप्ताह पूर्व घरेलू कहासुनी के दौरान आदेश कुमार ने अपनी पत्नी कविता के साथ मारपीट की थी और बेल्ट से पिटाई की थी। इस घटना की शिकायत स्थानीय स्तर पर की गई, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई न होने से मामला आगे नहीं बढ़ पाया। इसके बाद कविता ने उच्च पुलिस अधिकारियों

को अलग से सूचना दी कि उसके पति ने घर में अवैध और प्रतिबंधित कारतूस छिपाकर रखे हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने जांच योजना बनाई और रात में मकान पर छापा मार दिया। तलाशी के दौरान घर से कुल 42 कारतूस बरामद किए गए। इनमें 7.62 मिलीमीटर के 35 तथा 9 मिलीमीटर के 5 कारतूस शामिल बताए गए हैं, जबकि शेष कारतूसों का मिलान और परीक्षण कराया जा रहा है। दबिश के समय आदेश कुमार मौके से निकल भागा। पुलिस टीम को घर से कारतूसों के अलावा कुछ अन्य संदिग्ध सामग्री भी मिली है, जिसकी जांच चल रही है। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि शुरूआती पड़ताल में यह संकेत मिले हैं कि बरामद कारतूस सेना की सेवा अवधि के दौरान अवैध रूप से अपने पास रखे गए हो सकते हैं, हालांकि वास्तविक स्थिति आरोपी से पूछताछ और अभिलेखों के मिलान के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है और आसपास के क्षेत्रों में भी सूचना भेजी गई है। अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद पूरे मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

मोदीनगर के गुरुधाम मंदिर में रंगों से सजी आस्था, प्रथम ड्राइंग प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई अद्भुत सृजन क्षमता

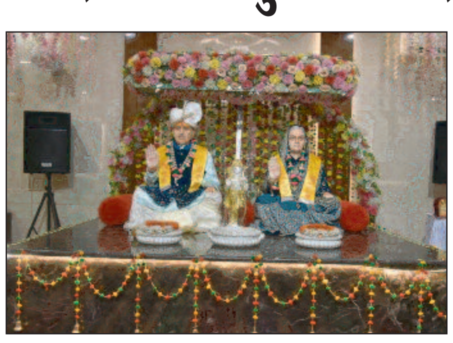

मोदीनगर (शिखर समाचार) नगर के गुरुधाम मंदिर परिसर में 8 फरवरी 2026 का दिन कला, संस्कार और आध्यात्मिक वातावरण के अनोखे संगम का साक्षी बना, जब मंदिर प्रांगण में पहली बार विशाल प्रथम ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह आयोजन ब्रह्मलीन बड़े गुरुजी पंडित बृजमोहन शर्मा के आशीर्वाद तथा छोटे गुरुजी महाराज पंडित सुनील शर्मा और संजय गौड़ के सानिध्य में संपन्न हुआ। पूरे दिन मंदिर परिसर रंगों, कल्पनाओं और बच्चों की रचनात्मक ऊर्जा से सराबोर रहा। ड्राइंग प्रतियोगिता में नगर और आसपास के क्षेत्रों के अनेक विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपनी चित्रकृतियों के माध्यम से धर्म, प्रकृति, राष्ट्रभावना और नैतिक मूल्यों को कागज पर जीवंत कर दिया। सुबह से ही मंदिर परिसर में विद्यार्थियों और अभिभावकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। पंजीकरण के बाद बच्चों ने निर्धारित विषयों पर चित्र बनाना शुरू किया। किसी ने भारतीय संस्कृति को रंगों में उकेरा तो किसी ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कई चित्रों में आध्यात्मिक प्रतीक, सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाओं की झलक स्पष्ट दिखाई दी। निर्णायक मंडल ने बच्चों की कल्पनाशक्ति, रंग संयोजन, विषय प्रस्तुति और भाव अभिव्यक्ति को आधार बनाकर मूल्यांकन किया। स्पर्धा में दयावती मोदी पब्लिक विद्यालय, मॉडर्न अकादमी, टीआरएम विद्यालय, छाया पब्लिक विद्यालय, डैफोडिल्स विद्यालय, डॉल्फिन विद्यालय और समरफील्ड विद्यालय सहित कई शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे पुस्तकीय शिक्षा के साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति भी सीखते हैं। आयोजन का मूल उद्देश्य नई पीढ़ी को कला के माध्यम से आध्यात्मिक चेतना और नैतिक जीवन मूल्यों से जोड़ना रहा। मंदिर परिसर में आयोजित इस गतिविधि ने बच्चों को अनुशासन, एकाग्रता और सकारात्मक सोच का व्यावहारिक अनुभव भी कराया। अभिभावकों ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं।
कार्यक्रम में क्षेत्र की जनप्रतिनिधि मोदीनगर विधायक डॉ मंजू शिवाच, नगर पालिका मोदीनगर के चैयरमेन विनोद वैशाली, मोदीनगर कोतवाली के थाना प्रभारी अमित कुमार मिश्रा और ब्लॉक प्रमुख सुचिता ने उपस्थित होकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों की चित्रकृतियों का अवलोकन किया और कहा कि कला समाज को संवेदनशील और जागरूक बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने आयोजकों की इस पहल को सराहनीय बताया। इस अवसर पर छोटे गुरुजी महाराज पंडित सुनील शर्मा जी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को मंच देना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि जब बाल मन रंगों और सृजन के माध्यम से ईश्वर, संस्कृति और सदाचार से जुड़ता है तो उसका व्यक्तित्व स्वतः ही उज्ज्वल दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने सभी विद्यालयों, अभिभावकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के संस्कारपरक आयोजन निरंतर जारी रखने की घोषणा की। पूरे कार्यक्रम के संचालन और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाने में संजय गौड़, संदीप शर्मा, अभिषेक गुप्ता, नितिन माहेश्वरी, संदीप माहेश्वरी, अमित शर्मा, चिराग, नानू, दीपक गुप्ता, उदित अरोड़ा, दीपक, डॉक्टर अनिरुद्ध शर्मा, पवन और अतुल का विशेष योगदान रहा। आयोजन समिति ने सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से ही इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन सफल हो पाते हैं।

विराट हिन्दू सम्मेलन के समर्थन में मुरादनगर में निकली विशाल मोटरसाइकिल रैली, युवाओं में दिखा जोश

मुरादनगर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न स्थानों पर हिन्दू सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में मुरादनगर के रामलीला मैदान चुंगी नंबर 3 पर 10 फरवरी को प्रस्तावित विराट हिन्दू सम्मेलन के समर्थन में नगर में एक विशाल मोटरसाइकिल रैली निकाली गई, जिसमें युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाई। हिंदू सम्मेलन समिति के नेतृत्व में आयोजित यह रैली रैपिड रेल स्टेशन परिसर से शुरू हुई। सैकड़ों युवाओं ने मोटरसाइकिल और ट्रैक्टरों के साथ अनुशासित पंक्तियों में नगर भ्रमण किया। रैली रैपिड स्टेशन से बस अड्डा, मुख्य मार्ग और प्रमुख बाजारों से गुजरती हुई चुंगी नंबर 3 स्थित रामलीला मैदान पर पहुंचकर समाप्त हुई। पूरे मार्ग में केसरिया ध्वज और जयघोष के साथ वातावरण धार्मिक उत्साह से ओतप्रोत दिखाई दिया। रैली के दौरान आयोजकों ने नगरवासियों से आह्वान किया कि वे 10 फरवरी को होने वाले विराट हिन्दू सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्दू धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समाज में आपसी भाईचारा, सहयोग, समरसता और स्वाभिमान की भावना को मजबूत करना है। रैली में चंद्रपाल सिंह, वीरेंद्र गुप्ता, मोहित कौशिक, रवि प्रजापति, उमाशंकर, गोपाल अग्रवाल, कुलदीप त्यागी, अंकुर शर्मा, अरविंद सिंघल, अनुभव पंडित, गुरुदत्त शर्मा, अशोक खटीक, विश्रांत कौशिक, रजनीश गुप्ता, आशीष गर्ग, दीपक मित्तल, मोहित मुंडे, नीरज शर्मा, नितिन गोयल, प्रदीप गोयल, अंशुल रस्तोगी, अक्षय सिंघल, राजीव गोयल, कन्हैया, नितिन शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहें।

जहरीला पदार्थ प्रकरण में नया खुलासा: किशोरी की मौत के पीछे प्रेम संबंध का एंगल, युवक पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) ग्राम तेलीपुरा में चार दिन पहले जहरीला पदार्थ खाने से हुई 15 वर्षीय किशोरी की मौत के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। मृतका के पिता ने पड़ोस के युवक पर प्रेम संबंध के चलते बेटी को आत्मघाती कदम उठाने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। पुलिस को दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। थाना क्षेत्र के नारायणपुर रामजी उर्फ तेलीपुरा गांव निवासी संजीव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी 15 वर्षीय पुत्री जिया धर्मपुरा स्थित अनुराधा इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा थी। कुछ समय से जिया का पड़ोस में रहने वाले सुरेन्द्र उर्फ मूला से बातचीत का सिलसिला चल रहा था। परिवार को जानकारी मिलने पर दोनों को समझाया गया, लेकिन इसके बावजूद संपर्क बना रहा। शिकायत के अनुसार दोनों एक साथ जीने मरने की बातें करते थे। आरोप है कि युवक लगातार किशोरी पर शादी या फिर जान देने का दबाव बना रहा था। पिता का कहना है कि 4 फरवरी को युवक ने जिया को घर के पास खेतों की ओर बुलाया, जहां उसे छोटे भाई अनिल ने भी देखा था। आरोप है कि वहीं युवक ने उसे जहरीला पदार्थ देकर यह कहकर उकसाया कि जब परिवार साथ रहने नहीं देगा तो जीवन समाप्त कर लेना ही बेहतर है। घर लौटने के बाद किशोरी ने बिना किसी को बताए जहर खा लिया। रात में तबीयत बिगड़ने पर मामला सामने आया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और उसकी मृत्यु हो गई। पीड़ित पिता ने आरोपी युवक के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी तथ्यों की गहन जांच की जा रही है।

बाजार जा रहे बाइक सवार पर बंदरों के झुंड का हमला, सड़क पर गिराकर किया घायल

हापुड़ (शिखर समाचार) शहर में बंदरों और आवारा कुत्तों का बढ़ता आतंक अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगा है। नगर पालिका परिषद की लापरवाही के कारण मोहल्लों और बाजार क्षेत्रों में बंदरों के झुंड खुलेआम घूम रहे हैं और राहगीरों पर हमला कर रहे हैं। रविवार सुबह रेलवे पार्क के सामने बाजार जा रहे एक बाइक सवार पर बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह बंदरों को भगाकर घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार असौड़ा निवासी अरशद रविवार सुबह फ्री गंज रोड से बाइक द्वारा बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक बंदरों का झुंड उन पर टूट पड़ा। बंदरों के हमले से बाइक असंतुलित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़े। हमले के दौरान उन्हें चोटें आईं और अफरा तफरी मच गई। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े और समाजसेवी राजकुमार शर्मा तथा गौरव गोयल ने साहस दिखाते हुए बंदरों को खदेड़ा और घायल को सुरक्षित बाहर निकाला।

शहर के कई इलाकों में बढ़ा खतरा–स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब किसी व्यक्ति को बंदर काटकर या हमला कर घायल न कर रहे हों। आर्य नगर, राधापुरी, श्रीनगर, जवाहर गंज, सरस्वती क्षेत्र, शिवपुरी, मोदीनगर रोड, मेरठ रोड और बुलंदशहर रोड सहित कई बस्तियां इस समस्या से जूझ रही हैं। नागरिकों का आरोप है कि बंदरों को पकड़ने के लिए कई बार लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई।
रोज सैकड़ों लोग लगवा रहे रैबीज टीका–स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इन दिनों बंदरों और सड़क पर घूमने वाले कुत्तों का व्यवहार अधिक आक्रामक हो जाता है। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रतिदिन लगभग 300 से 350 लोग रैबीज से बचाव का टीका लगवाने पहुंच रहे हैं। पिछले पंद्रह दिनों में दो हजार से अधिक मरीज एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवा चुके हैं।
हमले की स्थिति में तुरंत कराएं उपचार–चिकित्सकों का कहना है कि कुत्ते या बंदर के काटने पर रैबीज का खतरा बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में देरी करना खतरनाक हो सकता है। घाव को तुरंत साफ कराकर नजदीकी अस्पताल में जाकर एंटी रैबीज टीकाकरण कराना जरूरी है। विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि झुंड में दिखने वाले जानवरों से दूरी बनाए रखें और प्रशासन भी इस समस्या पर शीघ्र प्रभावी कदम उठाए।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

काशी में मूर्तियां खंडित होती है तो खून खौलता है

सुप्रिया श्रीनेत को पीएम, सी.एम पर हमला, खेड़ा बोले- मोदी को श्राप लग रहा है

वाराणसी (एजेंसी)। संविधान संवाद रैली में कांग्रेसियों ने पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला। राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा- पिछले कई महीने से नरेंद्र मोदी पर जो संकट के बादल छाए हुए हैं वह काशी की देन है, मणिकर्णिका की देन है। वो उन लाशों की देन है जो मां गंगा के आंचल में बह रही थीं। मां गंगा के आंसू बह रहे थे। लेकिन नरेंद्र मोदी जी को नहीं दिख रहे थे। ये श्राप यहीं से जा रहा है। जिसने काशी को धोखा दिया, वो मुझे और आपको क्या छोड़ेगा। जो मां गंगा के नाम से यहां आया, उसने मां गंगा को धोखा दिया। वो मुझे और आपको क्या मानेगा। जबकि सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री जब यहां मूर्तियां तोड़वाते हैं तो खून खौल उठता है। काशी एक जीती-जागती सभ्यता है। मुझे उस समय सुखद अनुभूति हुई थी, जब 2024 के

चुनाव परिणाम सामने आ रहे थे और राउंड-दर-राउंड नरेंद्र मोदी हार रहे थे। इसके लिए मैं काशी की जनता को धन्यवाद देती हूं। सांसद इमरान मसूद ने कहा- जिस प्रधानमंत्री की जान को खतरा संसद के अंदर हो गया, तो फिर उस प्रधानमंत्री को सबसे पहले इस्तीफा देना चाहिए। जब आपके हाथों आपकी जान सुरक्षित नहीं तो देश कैसे सुरक्षित रहेगा। रविवार को रैली में सांसद किशोरी लाल, उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय समेत पार्टी के 20 से अधिक वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। मंच पर नेताओं ने एक-दूसरे का हाथ थामकर एकजुटता का संदेश दिया। वहीं, कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद के नारे लगाए। रैली में 15 मिनट की डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। इसमें बनारस के विकास कार्यों पर सवाल उठाए गए। विकास के नाम पर सनातन विरासत और परंपराओं से खिलवाड़ का आरोप लगाया। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का प्रयागराज में अपमान और काशी के ज्वलंत मुद्दों पर शहर के शास्त्री घाट पर रैली भी निकली। रैली में पूर्वांचल के जिलों से कांग्रेसी कार्यकर्ता जुटे हैं। इमरान मसूद बोले- मुकाबला करने चले हो, नेहरू जी से, इंदिरा जी, गांधी जी से और सदन में आकर आंसू बहाते हुए कहते हो- मेरे बारे में उल्टी-सीधी बात होती है। प्रधानमंत्री की जान को खतरा संसद के अंदर हो गया तो फिर तो प्रधानमंत्री जी सबसे पहले इस्तीफा दे दीजिए। आपके हाथों आपकी जान सुरक्षित नहीं, देश कैसे सुरक्षित रहेगा। इस्तीफा देना चाहिए। गजब तमाशा देश के अंदर चल रहा है। हमारी बहन नारे लगाते हुए आगे चली गई तो प्रधानमंत्री जी को इतना डर लगा कि पार्लियामेंट छोड़कर भाग गए। और कहते हैं कि प्रधानमंत्री की जान को खतरा है। अरे शर्म करोप्रधानमंत्री की जान को नहीं, देश की आत्मा को खतरा है। इस देश के संविधान को खतरा है। आप मुकाबला करो, हम खुलेआम चुनौती देते हैं। आओ मंच सजाओ। हम नेहरू जी-इंदिरा जी पर बोलेंगे। तुम किस पर बोलोगे। तुम्हारे पास तो विरासत भी नहीं है। उनको नाम लेते हो, जिनसे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं। आजादी की लड़ाई में क्या योगदान था आपका। देश आजाद कराया कांग्रेस ने। देश आजाद कराया उन लोगों ने, जो लोग महात्मा गांधी के विचारों को मानते थे। जिस महात्मा गांधी की एक आवाज से दंगा शांत हो गया हो, तो तुमसे बर्दाश्त नहीं हुआ।

मथुरा में आधी रात बवाल, बाइक सवारों पर पत्थर फेंके

मथुरा (एजेंसी)। शनिवार देर रात एक युवक ने सड़क पर चलती गाड़ियों पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। युवक ने सबसे पहले चलती बाइक पर पथराव किया। कई बाइक सवार गिरते-गिरते बचे। इसके बाद उसने कार और बड़ी गाड़ियों के सामने आकर बवाल किया। युवक ने कार पर पत्थर मारे। उनकी हेडलाइट्स और शीशे तोड़ दिए। यह देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के घरों में रहने वाले लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में दिख रहा है कि युवक काफी देर तक सड़क पर हंगामा करता रहा। वह आने-जाने वाले वाहनों को रोकने की कोशिश कर रहा था। अचानक पत्थरबाजी करने लगा। कई वाहन चालकों ने डर के कारण अपनी गाड़ियां रोक दीं या रास्ता बदल लिया। इसी दौरान युवक ने तेज रफ्तार में आ रही रोडवेज बस पर पत्थर मारने की कोशिश की। अचानक उसके सामने आ गया। बस ड्राइवर ने ब्रेक लगाया, लेकिन तब तक बस युवक के ऊपर चढ़ चुकी थी। युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बस ड्राइवर ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस

को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल भिजवाया। जहां उसका इलाज चल रहा है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि युवक का नाम महेश है। आगरा का रहने वाला है। उसकी दिमागी हालत ठीक नहीं है। शराब के नशे में उसने हंगामा किया। महेश मथुरा कैसे पहुंचा, उसके घरवाले कहा है, पुलिस जांच कर रही है। घटना थाना सदर बाजार क्षेत्र की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महेश शनिवार को घूमते हुए रात 12 बजे के करीब पुलिस लाइन गेट के सामने पहुंचा। वह शराब के नशे में था। उसने हाथ में ईंट-पत्थर ले रखे थे। रास्ते में जो भी लोग उसके पास से गुजर रहे थे। वह पत्थर लेकर उन्हें मारने के लिए दौड़ रहा था। उसने स्कूटी से गुजर रहे दंपति पर पत्थर फेंके।

सोना पकड़ने ई-रिक्शा से पहुंचे थे जीएसटी अफसर

संभल (एजेंसी)। 4 फरवरी को GST अफसरों ने ज्वेलर के यहां छापा मारकर 33 करोड़ का सोना-चांदी और डायमंड जब्त किया। इस छापेमारी को अंजाम देने के लिए अफसरों ने पूरी प्लानिंग की। मार्केट में किसी को छापेमारी की भनक न लगे, इसलिए अफसरों ने अपनी गाड़ियां दुकान से करीब एक किलोमीटर पहले ही छोड़ दीं। इसके बाद 2 टीमों में बंटकर अफसर दो ई-रिक्शे पर बैठकर मार्केट पहुंचे। कस्टमर बनकर मोंटू ज्वैलर की शॉप में एंट्री की। उसके बाद छानबीन शुरू की। 2 घंटे तक न कोई दुकान से बाहर आया, न अंदर गया। 2 घंटे बाद जब टीम की 4 गाड़ियां और पुलिस फोर्स ज्वैलरी शॉप पर पहुंची, तब छापेमारी की खबर फैली। बता दें, चंदौसी के महाजन बिसौली गेट में रहने वाले हिमांशु अग्रवाल के मोंटू ज्वेलर्स पर जीएसटी विभाग ने 21 घंटे तक छापेमारी की। इसमें 33 करोड़ का सोना, चांदी और हीरे

बरामद किए गए। जिसका हिसाब करोबारी नहीं सके। विभाग ने ज्वेलर से 1.20 करोड़ का जुमार्ना भी वसूला है।मुरादाबाद के GST विभाग के एक अफसर ने बताया- हमारी टीम ने शहर के नामी ज्वेलर हिमांशु अग्रवाल की मोंटू ज्वेलर्स शॉप की एक महीने तक रेकी की। पुख्ता जानकारी के बाद 4 फरवरी को 10 अधिकारी चंदौसी पहुंचे। उन्होंने अपनी 4 गाड़ियां शहर के बाहर छोड़ दीं। फिर दोपहर 1 बजे ई-रिक्शा से सराफा बाजार पहुंचे। 21 घंटे चली इस कार्रवाई में 16 किलो 638 ग्राम सोना, 875 किलो चांदी की ज्वेलरी और 34.43 कैरेट हीरे बरामद किए गए। ये ज्वेलरी स्टॉक रजिस्टर में दर्ज नहीं थी। स्टॉक रजिस्टर में केवल 439 ग्राम सोना और 120 किलोग्राम चांदी की ज्वेलरी का हिसाब मिला। बरामद ज्वेलरी का मूल्य करीब 33 करोड़ रुपए आंका गया। सूत्रों के अनुसार, GST विभाग को ज्वेलर के पास 300 करोड़ रुपए से अधिक की सोने-चांदी की ज्वेलरी होने की जानकारी मिली थी। हालांकि, पूरी रात चली कार्रवाई के बाद विभाग केवल 33 करोड़ रुपए की ज्वेलरी ही बरामद कर सका। बताया जाता है कि हिमांशु अग्रवाल प्रॉपर्टी कारोबार में भी निवेश करते हैं। उनके पास करोड़ों की जमीनें हैं। उनका कारोबार काफी समय से बाजार और पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ था। वह थोक का काम करते थे। छोटे दुकानदार उन्हीं से सोने-चांदी की ज्वेलरी लेते थे। एक GST अफसर ने बताया- एक महीने से संभल के सरार्फा कारोबारियों पर नजर रखी जा रही थी। इसके लिए 15 से 20 अफसर अलग-अलग टीम में मुरादाबाद से संभल आते। कस्टमर बनकर ज्वेलरी के शोरूम में जाते। रेट और कितना सोना है, ये पता करते। कुछ चौकीदार बनकर आने-जाने वाले माल पर नजर रखते। बीते दिनों जैसे ही सोने और चांदी के रेट अचानक कम हुए, कारोबारियों ने ज्यादा गहने खरीदने शुरू किए। चंदौसी के बड़ा बजार में मोंटू ज्वैलर्स के मालिक हिमांशु अग्रवाल ने जैसे स्टॉक बढ़ाया, टीम ने छापा मार दियी। छापेमारी के दौरान बड़ा बाजार के अन्य व्यापारियों ने कार्रवाई के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया था।

दो बाइकों की भिड़ंत:बिरालसी मार्ग पर एक महिला गंभीर घायल

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। के चरथावल थाना क्षेत्र में बिरालसी नहर पर पीपलहेड़ा गांव के पास देर रात एक सड़क हादसा हुआ। यहां अंधेरे में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि कुछ अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आईं। जानकारी के मुताबिक, अटेरणा निवासी एक युवक अपनी पत्नी के साथ सहारनपुर से अपने गांव लौट रहा था। पीपलहेड़ा के पास पहुंचने पर उसकी बाइक की टक्कर लालू खेड़ी की ओर से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से हो गई। बताया गया है कि दूसरी बाइक पर पीछे की ओर मिक्सर मशीन लदी थी, जो अंधेरे के कारण स्पष्ट दिखाई नहीं दे सकी। इसी कारण दोनों बाइकें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान वहां से गुजर रहे भारतीय किसान यूनियन के नेता विकास शर्मा ने घायलों की मदद की।

मंत्री कपिल देव ने बजट को बताया किसान हितैषी

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। विधानसभा क्षेत्र के कूकड़ा मंडल के ग्राम मखियाली में जन चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें मंत्री कपिल देव ने बजट 2026-27 को किसान हितैषी बताया। उन्होंने कृषि क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि सरकार का लक्ष्य "हर खेत को पानी" अभियान को गति देना है। मंत्री ने बताया कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं को बढ़ावा देने और लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए विशेष धनराशि का प्रावधान किया गया है। उन्नत व प्रमाणित बीजों की उपलब्धता, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन, मृदा स्वास्थ्य सुधार और उर्वरक सब्सिडी के माध्यम से खेती की लागत घटाने के ठोस कदम उठाए गए हैं।कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन तकनीक, डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन, प्रिसिजन फार्मिंग और कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा देकर युवाओं को खेती से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के

बढ़ते योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। अक आधारित फसल सलाह, मौसम पूवार्नुमान, रोग पहचान, मिट्टी विश्लेषण और स्मार्ट सिंचाई प्रबंधन जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे किसानों को सही समय पर सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी, जिससे उत्पादन बढ़ेगा और लागत कम होगी। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने के लिए आधुनिक वेयरहाउस, कोल्ड-चेन, भंडारण क्षमता विस्तार और मजबूत कृषि विपणन अवसंरचना विकसित करने पर बजट में विशेष जोर दिया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड का दायरा बढ़ाया जाएगा और सस्ती दरों पर कृषि ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। ब्याज अनुदान और फसल बीमा योजनाओं को और प्रभावी बनाया जाएगा, ताकि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में किसानों को त्वरित राहत मिल सके। पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन और मधुमक्खी पालन को आय के वैकल्पिक स्रोत के रूप में विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान ग्राम मखियाली और चांदपुर से आए नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देशित किया गया। अपने संबोधन के समापन में मंत्री ने कहा कि किसानों की समृद्धि, क्षेत्र का समग्र विकास और हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर आंचल तोमर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, वीरपाल जी, संदीप प्रधान, योगेश प्रधान, शीशपाल, ओमपाल कटारिया , राकेश बीडीसी, जयनंद कश्यप, रामकुमार शर्मा, जयवीर, करण बाबा, कल्लू बाबा, प्रमोद, परमिंदर, प्रमोद राठी चेयरमैन, संजीव उर्फ कल्लू प्रधान कुकड़ा, मोनू, दिनेश बिलासपुर, अमित रोडवेज, अनुजमखियाली से आंचल तोमर जी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, वीरपाल जी, संदीप प्रधान जी, योगेश प्रधान जी, शीशपाल जी, ओमपाल कटारिया जी, जयनंद कश्यप जी, रामकुमार शर्मा जी, जयवीर जी, करण बाबा जी, कल्लू बाबा जी, प्रमोद जी, परमिंदर जी, प्रमोद राठी जी चेयरमैन, संजीव उर्फ कल्लू प्रधान जी कुकड़ा , मोनू जी, दिनेश बिलासपुर जी, अमित जी रोडवेज, अनुज जी, सुनील प्रधान चांदपुर, सुधीर आर्य जी, अरविंद कश्यप जी, विक्की जी चांदपुर,

मंत्री को घेरने वाले विधायक के पिता बोले–मैं धृतराष्ट्र नहीं

महोबा (एजेंसी)। जलशक्ति मंत्री को बंधक बनाने के बाद चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भैया को भाजपा ने नोटिस भेजा है। इसके बाद विधायक के पिता और पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत भी बेटे के समर्थन में उतर आए हैं। 30 जनवरी को महोबा जिले में भाजपा विधायक और मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के बीच टकराव हुआ था। विधायक ने 100 से अधिक प्रधानों के साथ मंत्री का काफिला रोक लिया था। आरोप लगाया था कि सड़कें खोद कर रख दी गई हैं। काम नहीं हो रहा। इसके बाद मंत्री और विधायक के बीच जमकर नोकझोंक हुई थी। करीब 30 मिनट बाद हंगामा शांत हुआ था। पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत ने कहा- अधिकारी जमीनी हकीकत को छिपाकर गलत रिपोर्ट पेश करते हैं। लेकिन, विधायक जनता के बीच रहता है। उसे ही चुनाव में

जनता का सामना करना है। इसलिए मंत्री को बेटे की बात मानकर मौके जाकर जमीनी हकीकत देखनी चाहिए थी। स्वतंत्र देव सिंह के विधायक का करियर बर्बाद होने की बात पर गंगाचरण ने कहा- लोकतंत्र में करियर जनता बनाती है। किसी राजा के पेट से नेता पैदा नहीं होते। जिस कार्यक्रम में मंत्री आए, वहां एमएलसी को मंच से नीचे बैठाया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष को मंच से नीचे बैठाया गया। ये भी अनुशानहीनता है। उन्हें नहीं पता कि प्रोटोकॉल में एमएलसी और जिला पंचायत अध्यक्ष ऊपर बैठता है। सबसे बड़े अनुशासनहीन तो खुद स्वतंत्र देव सिंह हैं। उनके खिलाफ नोटिस जारी होना चाहिए। मंत्री जिले में किसके बुलाने पर आए थे? न सदर के विधायक ने बुलाया, न चरखारी के विधायक को पार्टी ने बुलावा भेजा। जिस कार्यक्रम में वो आए, उस शख्स का टिकट क्लियर नहीं हुआ। लेकिन, वो किसी को विधायक बनाने के लिए प्रचार कर रहे हैं। सीएम को घेरने वाली बात जोश में बोली मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'घेराव' वाले बयान पर गंगाचरण ने कहा- बेटा नौजवान है। जोश में उसकी जुबान फिसल गई। इसलिए उसने मुख्यमंत्री को घेरने वाली बात बोल दी। उसका मतलब था कि इस विषय को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाएंगे। इसके लिए मैं और मेरा बेटा खुद मुख्यमंत्री से माफी मांग लेगा। पूर्व सांसद ने कहा- गुड्डू 25 साल से लड़ रहे हैं। उसने बुंदेलखंड अधिकार सेना बनाई। उसने अपने बल पर 10-10 हजार आदमी अपने साथ इकट्ठा किए। उरई में एक बार पूरे दिन हाईवे जाम रखा। उस समय मुख्यमंत्री अखिलेश यादव थे। मैंने उनसे कहा था कि बेटे को गिरफ्तार कर लो। वो नहीं मानता, तो रात में उठवा लो। इस पर अखिलेश ने कहा था कि वो राजनीति कर रहा है। उसे सीखने दो। उसने पूरे दिन हाईवे जाम रखा। कहीं बल प्रयोग नहीं किया गया। वो में अवैध खनन, बिजली-पानी के लिए लड़ाई लड़ता है। उस समय केंद्रीय मंत्री प्रदीप आदित्य जैन के घर का घेराव कर धरना दिया था। तब उन्होंने प्रधानमंत्री से उसकी बात कराई थी। मुलाकात कराई थी। इसे ही लोकतंत्र कहते हैं। मेरे बेटे के साथ पूरा बुंदेलखंड खड़ा है गंगाचरण राजपूत ने कहा- मैं धृतराष्ट्र नहीं हूं, जो बेटे की गलती पर पट्टी बांध लूं। लेकिन जो बेटा सत्य, न्याय और बुंदेलखंड के प्यासे लोगों के लिए लड़ रहा है, उस पर मुझे गर्व है। पानी की कोई जाति नहीं होती। इस लड़ाई में पूरा बुंदेलखंड विधायक के साथ खड़ा है। 30 जनवरी को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह महोबा में पहुंचे थे। दोपहर करीब 3:30 बजे बीजेपी विधायक बृजभूषण राजपूत ने 100 से अधिक प्रधानों और लोगों के साथ मंत्री का काफिला रोक दिया था। 30 कार और 20 बाइकें सामने खड़ी कर दी थी विधायक ने मंत्री से अपनी विधानसभा के 100 गांवों में पानी न पहुंचने और पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत न होने पर नाराजगी जताई थी। कहा था- जिले के 90 प्रतिशत गांवों के लोग मुझसे पूछते हैं। मैं क्या जवाब दूं? इस दौरान विधायक के समर्थकों की सीओ सदर और कोतवाल से भी झड़प हो गई थी। लोगों से घिरे स्वतंत्र देव सिंह ने विधायक से कहा था- मैं 40 गांव चलने को तैयार हूं। पानी दिलाना हमारा काम है। अफसर मेरे साथ हैं। अगर कहीं सड़कें खुदी हैं और पानी नहीं मिल रहा है तो अफसरों को सस्पेंड कर दूंगा। इसके बाद स्वतंत्र देव अपनी गाड़ी में बैठ गए। गाड़ी के अंदर भी विधायक और मंत्री के बीच बहस हुई। करीब आधे घंटे हंगामे के बाद विधायक को अपनी गाड़ी में बिठाकर डीएम ऑफिस ले गए।

संक्षिप्त डायरी

स्कूल छात्राओं से छेड़छाड़, सिरफिरा आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। स्कूल छात्राओं से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पेंट उतारकर अश्लील हरकतें करने का आरोप है। पुलिस ने शिकायत के बाद कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से 5 किलोग्राम गांजा भी बरामद किया है। अब पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। यह घटना बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के बुढ़ाना कस्बे की है। आरोपी की पहचान सरफराज उर्फ मोनू के रूप में हुई है, जो कस्बे में एक दुकान पर ट्रैक्टर मिस्त्री का काम करता है। आरोप है कि उसकी दुकान के पास स्थित एक निजी स्कूल की नाबालिग छात्राओं के साथ वह छेड़छाड़ करता था और पेंट उतारकर अश्लील हरकतें करता था। एक छात्रा ने घर जाकर परिजनों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद परिवार ने थाने में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किए। शनिवार को पुलिस ने कांधला मार्ग पर चेकिंग के दौरान सरफराज उर्फ मोनू को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 5 किलोग्राम गांजा भी बरामद हुआ। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। बुढ़ाना के सीओ गजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि 6 फरवरी को बुढ़ाना थाना के चौकी इंचार्ज कस्बा पुलिस बल के साथ कांधला मार्ग पर चेकिंग कर रहे थे। शनिवार देर शाम उन्हें एक मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति विझाना की ओर जा रहा है, जिसके बाद यह गिरफ्तारी हुई। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास की गहनता से जांच कर रही है ताकि उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

गोरखपुर में चाईनीज मांझा के खिलाफ छापेमारी

गोरखपुर (एजेंसी)। चाइनीज मांझे से हो रहे हादसों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के सख्त निदेर्शों के बाद अब गोरखपुर पुलिस भी पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। गोरखपुर पुलिस ने चाइनीज मांझा बेचने वालों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शहर के कई इलाकों में दुकानों पर छापेमारी की गई। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद पतंग और मांझा बेचने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया है। पुलिस लगातार दुकानों की जांच कर रही है। इस मामले में सीओ कोतवाली ओंकार दत्त तिवारी ने बताया कि फिलहाल चल रहे सर्च ऑपरेशन में अभी तक चाइनीज मांझा बरामद नहीं हुआ है सादा धागा ही मिला जांच के दौरान दुकानों पर केवल पतंग उड़ाने में इस्तेमाल होने वाला सादा धागा ही मिला है। उन्होंने बताया कि दुकानदार पहले से ही जागरूक हैं और उन्हें पता है कि चाइनीज मांझा बेचने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की ओर से दुकानदारों को लगातार चेतावनी और जागरूकता संदेश भी दिया जा रहा है। सीओ ने आगे कहा कि- अभी तक कोई चाइनीज मांझा नहीं मिला, पतंग उड़ाने वाला सेंपल सादा धागा मिला। दुकानदार पहले से ही जागरूक हैं, उन्हें पता है कि चाइनीज मांझा बेचने पर कार्रवाई होगी। उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है कि चाइनीज मांझा बेचने पर अगर उससे कोई हादसा होता है तो इसे हादसा नहीं बल्कि षड्यंत्र माना जाएगा और उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।" घटना 6 फरवरी दोपहर करीब एक बजे की है। आलोक दुबे दोहरीघाट से सामान लेकर बड़हलगंज स्थित अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह दोहरीघाट पुल पार कर रहे थे, अचानक उनके चेहरे पर कुछ चुभने जैसा महसूस हुआ। जब तक उन्होंने हाथ लगाया, तब तक चाइनीज मांझे से चेहरा बुरी तरह कट चुका था। चाइनीज मांझे पर रोक की मांग घटना के बाद अर्पित शाही, डॉ. शिवेंद्र सिंह, डॉ. प्रशांत सिंह, राजेश पाल और आदर्श चौबे सहित कई लोगों ने चिंता जताई। उनका कहना है कि- योगी ने 5 फरवरी को कहा था कि अब अगर चाइनीज मांझे से किसी की जान जाती है तो हत्या का केस दर्ज कर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। चाइनीज मांझे की जब्ती के लिए पूरे प्रदेश में यूपी पुलिस सघनता से अभियान चलाएगी CM ने साफ किया कि चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध है। इसकी बिक्री और इस्तेमाल किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। योगी ने पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिया कि इस अवैध नेटवर्क की पहचान करें। तत्काल छापेमारी कर दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें।

बॉयफ्रेंड से नाराज लड़की सुसाइड करने रेलवे स्टेशन पहुंची

गोरखपुर (एजेंसी)। रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक 22 साल की लड़की बॉयफ्रेंड से नाराज होकर सुसाइड करने पहुंच गई। यह सूचना लखनऊ कंट्रोल रूम से जीआरपी थाने की पुलिस को मिली। इसके बाद

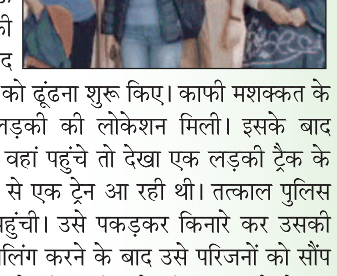

स्टेशन पर पुलिस कर्मी लड़की को ढूंढना शुरू किए। काफी मशक्कत के बाद प्लेटफार्म नंबर 3 पर लड़की की लोकेशन मिली। इसके बाद जीआरपी के जवान दौड़ते हुए वहां पहुंचे तो देखा एक लड़की ट्रैक के बीच में खड़ी है, उसके सामने से एक ट्रेन आ रही थी। तत्काल पुलिस दौड़ लगाते हुए लड़की तक पहुंची। उसे पकड़कर किनारे कर उसकी जान बचाई। लड़की की काउंसलिंग करने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया। लखनऊ कंट्रोल रूम से जीआरपी थाने की पुलिस को दोपहर करीब 1 बजे सूचना मिली कि एक लड़की गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर सुसाइड करने पहुंची है। इसके बाद पुलिस जल्दी-जल्दी लड़की की तलाश शुरू की। काफी देर तक सर्च करने के बाद भी लड़की स्टेशन पर कहीं नहीं मिली। पुलिस ने कंट्रोल रूम से लड़की का मोबाइल नंबर प्राप्त किया। इसके बाद हाइटेक तकनीक से नंबर ट्रैक करना शुरू किया। तभी उसकी लोकेशन 3 प्लेटफार्म पर मिला। वहां जब पुलिस पहुंची तो एक जींस और जैकेट पहने लड़की रेलवे ट्रैक के बीचो बची खड़ी दिखी। उसी समय उस ट्रैक पर एक ट्रेन भी आ रही थी। पहले दूर से ही पुलिस ने चिल्लाकर उसे हटाना चाहा, लेकिन लड़की ने अनसुना कर दिया। इसके बाद दौड़ते हुए पुलिसकर्मी समय रहते लड़की के पास पहुंच गए, उसे ट्रेन आने से पहले ट्रैक से हटाकर उसकी जान बचाई।

'बारादरी' में गोविंद गुलशन के गजल संग्रह 'कल न कल तो तेरे...' का लोकार्पण, अदबी दुनिया ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

गाजियाबाद (शिखर समाचार) नेहरू नगर स्थित सिल्वर लाइन प्रेस्टिज विद्यालय में आयोजित महफिल-ए-बारादरी में प्रख्यात शायर और बारादरी संस्था के अध्यक्ष रहे गोविंद गुलशन की स्मृति को समर्पित भव्य साहित्यिक आयोजन सम्पन्न हुआ। देश के विभिन्न हिस्सों से आए कवि, शायर और साहित्य प्रेमियों ने गुलशन के व्यक्तित्व, कृतित्व और उनके मार्गदर्शन से जुड़े अनुभव साझा किए। इस अवसर पर उनके नवीन गजल संकलन ह्यकल न कल तो तेरे...' का औपचारिक लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र सिंघल ने की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जहाँ उस्ताद शागिर्द परंपरा धीरे धीरे कमजोर पड़ रही है, वहीं बारादरी इस परंपरा को जीवित रखने का सशक्त माध्यम बनी हुई है। गोविंद गुलशन के सान्निध्य में अनेक नए शायरों ने अपनी पहचान बनाई और एक मजबूत साहित्यिक परिवार खड़ा हुआ।

प्रख्यात शायर इकबाल अशहर ने कहा कि गुलशन द्वारा खड़ी की गई अदबी बिरादरी को सहेजना और आगे बढ़ाना सभी साथियों का दायित्व है। उन्होंने अपने शेरों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महान रचनाकार अपनी रचनाओं और विचारों में सदैव जीवित रहते हैं।

आयोजन दो चरणों में हुआ। प्रथम चरण में गजल संग्रह का विमोचन और गोविंद गुलशन के साहित्यिक योगदान पर विचार विमर्श हुआ। दूसरे चरण में काव्य पाठ और नज्मों के जरिए श्रद्धांजलि दी गई। संस्था की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. माला कपूर 'गौहर' ने कहा कि बारादरी एक ऐसी साहित्यिक बगिया है जिसकी सुगंध देशभर में फैल रही है। उन्होंने अपनी पंक्तियों के माध्यम से गुलशन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

संरक्षिका डॉ. उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी' ने दोहों के माध्यम से अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए कहा कि गुलशन ने शब्दों की खुशबू से साहित्य जगत को समृद्ध किया और उनकी विरासत को जीवित रखना सभी का कर्तव्य है। मुख्य अतिथि कृष्ण कुमार ह्यनाजह्न ने उन्हें मार्गदर्शक और आत्मीय साथी बताते हुए कहा कि उनकी स्मृतियाँ साहित्य साधकों को निरंतर प्रेरित करती रहेंगी। प्रकाशक अलका मिश्रा ने कहा कि गुलशन के मार्गदर्शन से ही उन्होंने गजल की बारीक समझ विकसित की और नए रचनाकारों को प्रोत्साहन देने की उनकी शैली अद्वितीय थी।

इस अवसर पर शायर बी.के. वर्मा 'शैदी' ने अपनी नज्म से वातावरण को भावुक कर दिया। शायर असलम राशिद को बारादरी सृजन सम्मान से अलंकृत किया गया। उन्होंने कहा कि गोविंद गुलशन ने परंपरागत गजल की गरिमा को बनाए रखते हुए आधुनिक स्वर भी अपनाया और अदब व तहजीब को जीवन में उतारा।

कार्यक्रम में खुशबू सक्सेना सहित अनेक रचनाकारों ने काव्य पाठ कर श्रद्धांजलि दी। पंडित सत्यनारायण शर्मा, कमलेश त्रिवेदी फरुर्खाबादी, योगेंद्र दत्त शर्मा, जगदीश पंकज, वी.के. शेखर, तारा गुप्ता, अनिमेष शर्मा 'आतिश', राजमणि, रवि पाराशर, तूलिका सेठ, प्रदीप भट्ट, सुरेंद्र शर्मा, अमर पंकज, हशमत भारद्वाज, इकरा अम्बर, संजीव निगम, मनीषा जोशी, वागीश शर्मा, आशीष मित्तल, यश शर्मा सहित अनेक साहित्यकारों और श्रोताओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम ने गजल और अदब के प्रति गहरी प्रतिबद्धता और आत्मीयता का वातावरण निर्मित किया।

नकली दवाओं का जाल टूटा: मुरादनगर में बड़ी कार्रवाई, पांच दबोचे गए, पचास हजार गोलियां व पैकेज सामग्री जब्त

मुरादनगर (शिखर समाचार) थाना मुरादनगर पुलिस और ग्रामीण जोन की स्वॉट टीम ने संयुक्त अभियान चलाकर नकली दवाओं के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा किया है। छापेमारी के दौरान एक संगठित गिरोह का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से लिव-52 नाम से बेची जा रही पचास हजार संदिग्ध गोलियां, भारी मात्रा में पैकेज सामग्री और एक कार बरामद की गई है। गिरोह से जुड़े अन्य छह लोगों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायतकर्ता की ओर से दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि एनपी ट्रेडिंग के नाम से संचालित कारोबार के जरिए फर्जी जीएसटी नंबर, नकली औषधि अनुज्ञापत्र और जालसाजी से तैयार दस्तावेजों के सहारे नामी कंपनी के नाम पर नकली दवाओं का निर्माण और वितरण किया जा रहा है। मामले को गंभीर मानते हुए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम तथा कॉपीराइट कानून की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर

विशेष टीमों का गठन किया गया। सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने घेराबंदी कर पांच आरोपियों मयंक अग्रवाल निवासी मोदीनगर, अनुप गर्ग निवासी उत्तम नगर दिल्ली, तुषार ठाकुर, आकाश ठाकुर निवासी नंदग्राम गाजियाबाद और नितिन त्यागी निवासी ग्राम निवाड़ी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान 500 रेपर शीट, 1200 हरे ढक्कन, 1200 सफेद प्लास्टिक डिब्बियां और दस पारदर्शी थैलियों में भरी कुल पचास हजार गोलियां बरामद हुईं।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि पैकेज सामग्री मेरठ के एक प्लास्टिक उद्योग से तैयार कराई जाती थी, जबकि रेपर की छपाई भी मेरठ क्षेत्र के एक मुद्रण प्रतिष्ठान में कराई जाती थी। डिब्बियों और ढक्कनों की ढलाई के लिए अलग से डाई तैयार करवाई गई थी। नकली गोलियां सोनीपत स्थित एक प्रयोगशाला से बनवाई जाती थीं। इसके बाद तैयार माल को एकत्र कर एनपी ट्रेडिंग के नाम से बाजार में उतारा जाता था। फर्जी बिल और जीएसटी कागजात बनाकर विभिन्न कंपनियों को आपूर्ति दिखाई जाती थी और भुगतान एक ही खाते में मंगाकर आपस में बांट लिया जाता था। पुलिस का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क का मुख्य संचालक अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं। जब्त नमूनों की जांच कराई जा रही है और गिरोह के आपराधिक इतिहास तथा आर्थिक लेनदेन की भी पड़ताल शुरू कर दी गई है।

नई दिल्ली में आयोजित पाँचवीं वाको इंडिया ओपन किक मुक्केबाजी स्पर्धा 2026 में मेरठ के उज्जवल पाल ने दो पदक जीतकर बढ़ाया प्रदेश और देश का मान

मेरठ/नई दिल्ली (शिखर समाचार) नई दिल्ली में आयोजित पाँचवीं वाको इंडिया ओपन किक मुक्केबाजी स्पर्धा कप 2026 में इस बार देश और विदेश के खिलाड़ियों का व्यापक जमावड़ा देखने को मिला, जहाँ भारत के तेईस से अधिक राज्यों के प्रतिभागियों के साथ दस अन्य देशों से आए खिलाड़ियों ने भी अपनी ताकत, तकनीक और संतुलन का प्रदर्शन किया। कई दिनों तक चले मुकाबलों में अलग अलग भार वर्गों में कड़े संघर्ष हुए और हर मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा। इसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के जिला मेरठ के ग्राम बटजेवरा निवासी अंतरराष्ट्रीय किक मुक्केबाज प्रदीप पाल के पुत्र मास्टर उज्जवल पाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो अलग अलग भार वर्गों में पदक हासिल कर अपने परिवार, क्षेत्र, समाज और देश का नाम ऊँचा किया। उज्जवल पाल ने माइनस 32 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक पर कब्जा जमाया, जबकि माइनस 37 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर अपनी बहुमुखी तैयारी और दमदार खेल क्षमता का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के दौरान उज्जवल ने कई कठिन मुकाबलों में संयम, फुर्ती और आक्रमण रक्षा के संतुलित कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे निर्णायकों और दर्शकों पर गहरी छाप पड़ी। कम आयु में इतने बड़े मंच पर दो पदक जीतना उनकी नियमित साधना, कठोर अभ्यास और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। इस उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश किक मुक्केबाजी महासंघ के महासचिव अरविंद शेरवालिया ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उज्जवल जैसे खिलाड़ी प्रदेश की खेल प्रतिभा को नई दिशा दे रहे हैं और आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। प्रशिक्षक उदयवीर सिंह ने बताया कि उज्जवल लगातार अभ्यास, अनुशासन और तकनीकी सुधार पर ध्यान देता है, यही कारण है कि वह अलग अलग भार वर्गों में भी सफल प्रदर्शन कर सका। भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदेश फौजी ने भी उज्जवल पाल को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतना बड़ी उपलब्धि है और यह अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उज्जवल की इस सफलता से मेरठ जनपद और आसपास के क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है तथा स्थानीय खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने इसे क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि बताया है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी प्रकार प्रशिक्षण और अवसर मिलते रहे तो उज्जवल पाल भविष्य में देश के लिए और बड़े सम्मान हासिल कर सकता है।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में 57वें प्राण प्रतिष्ठा उत्सव पर भव्य ध्वजारोहण, भक्तिमय माहौल में गूंजे भजन

हापुड़ (शिखर समाचार) सिद्धपीठ दक्षिणमुखी संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के 57वें वार्षिकोत्सव का आयोजन तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के साथ अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजित इस उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूजा अर्चना और अनुष्ठानों में सहभागिता की। उत्सव की शुरूआत 6 फरवरी को वेदी पूजन और हवन से हुई, जिसमें वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। इसके अगले दिन 7 फरवरी को विमल सरीन के परिवार द्वारा रामचरितमानस का अखंड पाठ आयोजित किया गया, जो निरंतर चला और श्रद्धालुओं ने बैठकर पाठ का श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। समापन दिवस 8 फरवरी को मंदिर परिसर में ध्वजा पूजन और ध्वजारोहण का मुख्य आयोजन हुआ। किशन गोपाल चुग (भगत परिवार) ने पूरे विधि विधान और गहरी आस्था के साथ ध्वजा पूजन कर आरती उतारी और उसके बाद मंदिर शिखर पर ध्वजा स्थापित की। ध्वज चढ़ते ही श्रद्धालुओं ने जयकारों से पूरा परिसर गुंजायमान कर दिया। ध्वजारोहण के उपरांत भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें गोविंद नरूला, अक्षय मल्होत्रा और ललित ग्रोवर ने भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। लहर लहर लहराए रे झंडा बजरंग बली का भजन पर उपस्थित भक्त झूम उठे और पूरा वातावरण हनुमान भक्ति में डूब गया। कार्यक्रम के अंत में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सुभाष सहगल ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों और व्यवस्थापकों का आभार व्यक्त किया तथा उत्सव के सफल और निर्विघ्न आयोजन पर सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अश्वनी छाबड़ा, मनोज चुग, मुकेश सहगल, मोहन चुग, दिनेश चुग, संदीप खरबंदा, चिराग नरूला, बलदेव राज चुग, पिंटू खरबंदा, रचित चुग, राजू चुग सहित अनेक भक्तजन मौजूद रहे।

मोदीनगर में राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता के पांचवें दिन महिला खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

मोदीनगर (शिखर समाचार) नगर में चल रही 12 दिवसीय राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता के पांचवें दिन महिला 63 किलोग्राम वर्ग के मुकाबलों ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया। युवा, कनिष्ठ और वरिष्ठ श्रेणियों में आयोजित स्पधार्ओं में प्रतिभागियों ने सशक्त तकनीक, संतुलन और आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को बागपत मोदीनगर संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली तथा ओलंपिक खिलाड़ी संदीप कुमार ने पदक प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान खेल जगत से जुड़े अनेक गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित प्रशिक्षक विजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 63 किलोग्राम युवा महिला वर्ग में आंध्र प्रदेश की करागी थागनी ने कुल 182 किलोग्राम भार उठाकर प्रथम स्थान हासिल किया। एसएससीबी की लूना सोनवाल ने 177 किलोग्राम के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि महाराष्ट्र की शाददी चौधरी ने 172 किलोग्राम वजन उठाकर तीसरा स्थान अपने नाम किया। इसी तरह 63 किलोग्राम कनिष्ठ महिला वर्ग में उड़ीसा की बिंदु स्मिता बोई ने 206 किलोग्राम भार उठाकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया और प्रतियोगिता में अपनी मजबूत दावेदारी सिद्ध की। इस अवसर पर सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किसी भी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय होता है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा देखने और सीखने का अवसर मिलता है तथा खेल संस्कृति को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के बड़े खेल आयोजनों की कामना की।

प्लॉट पर काम कर रही महिला पर फावड़े के बट से जानलेवा हमला, दो आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार) जारचा कोतवाली क्षेत्र के उपरालसी गांव में प्लॉट पर काम कर रही एक महिला पर फावड़े के बट से जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने गांव के ही दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार उपरालसी गांव निवासी सुनील कुमार का परिवार गांव में रहता है। चार फरवरी की सुबह उनकी माता संतोष देवी अपने प्लॉट पर काम कर रही थीं। इसी दौरान गांव के ही बबली और ललित वहां पहुंच गए और उन्हें काम करने से रोकने लगे। विरोध करने पर दोनों ने हमला कर दिया। आरोप है कि जान से मारने की नीयत से फावड़े के बट से वार किया गया, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के दौरान महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे, जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में चार स्थानों पर विराट हिंदू सम्मेलन, हजारों लोगों की भागीदारी से सामाजिक चेतना का संदेश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी वर्ष पूर्णता के अवसर पर देशभर में चल रहे आयोजनों की श्रृंखला के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र में भी कई स्थानों पर विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। एक मूर्ति चौक के आसपास चार अलग अलग केंद्रों पर संपन्न इन सम्मेलनों में बड़ी संख्या में स्थानीय परिवारों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाजिक एकजुटता का परिचय दिया। कार्यक्रमों की शुरूआत वैदिक विधि से यज्ञ अनुष्ठान द्वारा हुई, जिसके बाद अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर किया गया और मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलन संपन्न हुआ। महिला मंडलियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई तथा बाल प्रतिभाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय और ऊजार्वान बना दिया।

इन आयोजनों का प्रमुख उद्देश्य हिंदू समाज में संगठन भावना, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति सजगता को मजबूत करना बताया गया। विशेष आकर्षण बच्चों की प्रस्तुतियां रहीं, जिन्होंने देवी देवताओं और राष्ट्रनायकों की वेशभूषा में मंच पर मनोहारी प्रदर्शन किए। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया और नई पीढ़ी में परंपरा व संस्कृति के प्रति आत्मगौरव का संदेश दिया।

सेक्टर 16 बी स्थित गुरु गोविंद सिंह बस्ती क्षेत्र में निराला एस्पायर के सामने एसकेएस वर्ल्ड स्कूल परिसर में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि सुशील पंडित ने अपने संबोधन में समाज को संगठित रहने का आह्वान किया। उन्होंने गुरु गोविंद सिंह के त्याग और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन साहस, धर्मरक्षा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है, जो आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है। इस आयोजन में निराला एस्पायर, ला सोलारा, कासा ग्रीन्स, विक्ट्री अमायरा, गुलशन बेलिना, सुपरटेक इको विलेज 3, रॉयल कोर्ट, पंचशील ग्रीन्स 2, अजनारा ली गार्डन सहित आसपास की आवासीय सोसाइटियों से लगभग 1600 लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई।

वीर कुँवर सिंह बस्ती, सेक्टर 16 बी स्थित अजनारा होम्स में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि स्वामी प्रेमानंद (बगलामुखी आश्रम, हस्तिनापुर) ने समाज में एकता और जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में अलंकार, सह जिला बौद्धिक प्रमुख, गौतम बुद्ध नगर ने संघ की सौ वर्ष की यात्रा, उसके कार्य और विस्तार पर विस्तार से प्रकाश डाला। यहां एसकेए ग्रीनआर्च, आरजी लक्जरी होम्स, फ्रेंच अपार्टमेंट्स, राधा स्काई गार्डन और अजनारा होम्स से लगभग 1500 लोगों ने सहभागिता की।

टेकजोन 4 स्थित भाऊराव देवरस बस्ती क्षेत्र में स्प्रिंग मेडोज के निकट तिकोना पार्क में हुए सम्मेलन में पीठाधीश्वर पंडित कृष्णा महाराज, श्री परिवार पीताम्बर पीठ ने धर्म, संस्कृति, सामाजिक बंधुता और स्वाभिमान के संरक्षण पर अपने विचार रखे। मुख्य वक्ता राजेश, प्रांत शारीरिक प्रमुख ने पंच परिवर्तन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में स्प्रिंग मेडोज, ला रेसिडेंसिया, निराला एस्टेट, पटेल निओ टाउन, आम्रपाली सेंचुरियन पार्क और आसपास के क्षेत्रों से करीब 1000 लोगों ने भाग लिया।

चंद्रशेखर आजाद बस्ती की ओर से इटेडा क्षेत्र स्थित भव्य बैंक्वेट परिसर में भी विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि विनोद बंसल ने हिंदुत्व के व्यापक आयामों पर प्रकाश डाला। दिनेश कांडपाल, संपादक, इंडिया टीवी ने सामाजिक समरसता के आधार पर सकारात्मक परिवर्तन लाकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का आह्वान किया। अनुज ने भी पंच परिवर्तन विषय पर विचार रखे। इस आयोजन में इटेडा, गौर सौंदर्यम और आसपास की सोसाइटियों से लगभग 1000 लोगों की उपस्थिति रही। अंत में बस्ती प्रमुख अशोक शर्मा ने सभी अतिथियों और सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय गणित दिवस पर पंचशील बालक इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय गणित मॉडल प्रदर्शनी, विद्यार्थियों ने दिखाया तर्क और नवाचार का कौशल

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) सेक्टर 91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय गणित मॉडल प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी गणितीय प्रतिभा और रचनात्मक सोच का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी तथा जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में हुआ, जबकि जिला विज्ञान क्लब की जिला समन्वयक अर्चना शिरोमणि के मार्गदर्शन में पूरी प्रदर्शनी सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराई गई। विद्यालय की समन्वयक कविता सक्सेना ने बताया कि प्रदर्शनी में नोएडा क्षेत्र के चार शिक्षण संस्थानों के छात्र छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई।

कार्यक्रम का उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी और पूर्व भारतीय जूडो टीम के प्रशिक्षक रविंद्र दहिया तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जूडो और एथलेटिक्स में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ी मनीष मान सहित आमंत्रित अतिथियों ने दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद अतिथियों और निर्णायक मंडल ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न गणितीय मॉडलों का अवलोकन किया और उनसे संबंधित अवधारणाओं की जानकारी भी ली। निर्णायक दल में जीएनआईओटी शिक्षण संस्थान के प्राध्यापक डॉ. अरुण कुमार सिंह और गणित शिक्षिका वंदना कौशिक शामिल रहीं। प्रदर्शनी में प्रस्तुत मॉडलों के माध्यम से विद्यार्थियों ने गणित के सिद्धांतों को दैनिक जीवन से जोड़ते हुए सरल और उपयोगी रूप में समझाने का प्रयास किया। कहीं ज्यामिति के सिद्धांतों का व्यावहारिक उपयोग दिखाया गया तो कहीं गणना पद्धति और गणित के इतिहास को रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया गया। आयोजन के दौरान गणित क्यों आवश्यक है विषय पर संवाद सत्र भी रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों ने प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से उत्तर प्राप्त किए। इससे बच्चों में तार्किक क्षमता और विषय के प्रति जिज्ञासा और अधिक प्रबल होती दिखाई दी।

प्रतियोगिता परिणामों में मंथन स्कूल की छात्रा दिव्या सिंह को उनके मैथ क्वेस्ट मॉडल के लिए प्रथम स्थान मिला। द्वितीय स्थान पंचशील बालक इंटर कॉलेज के छात्र अर्णव गुप्ता ने प्राप्त किया, जिन्होंने गणित के विकास क्रम को सृजनात्मक रूप में प्रस्तुत किया। तृतीय स्थान जेपी स्कूल के छात्र विशाल सिंह को मिला, जिनका मॉडल कोणों के प्रकार और समानांतर रेखाओं की संरचना पर आधारित था। डायमंड पब्लिक स्कूल के छात्र हिमांशु और आदित्य को सांत्वना सम्मान प्रदान किया गया। विजेताओं को ट्रॉफी, नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

आयोजन में लघु एवं मध्यम उद्योगों के विश्व संगठन से जुड़े रमेश कुमार और शिक्षा विभाग से संबद्ध मनीषा श्रीवास्तव की भी उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक प्रयोग बच्चों में खोजी प्रवृत्ति, विश्लेषण कौशल और आत्मविश्वास को सुदृढ़ करते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. नीरज टंडन ने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम से इतर ऐसे आयोजन ही वास्तविक बौद्धिक विकास का आधार बनते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाएँ नीलम रानी, सोनी सिंह, ऋचा और शकीला का विशेष योगदान रहा।

लाजपत क्षेत्र की बस्तियों में गूंजे विराट हिंदू सम्मेलन, हजारों लोगों की उपस्थिति से दिखा सामाजिक एकजुटता का स्वर

नई दिल्ली (शिखर समाचार) दक्षिणी दिल्ली के लाजपत ज़िले की अनेक बस्तियों में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला ने व्यापक जनसहभागिता के साथ सामाजिक चेतना का सशक्त संदेश दिया। विभिन्न स्थानों पर आयोजित इन आयोजनों में कुल मिलाकर 8,500 से अधिक लोगों की मौजूदगी दर्ज की गई। पूरे दिन चले कार्यक्रमों का केंद्र बिंदु सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागृति, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक दायित्व, परिवार व्यवस्था और राष्ट्रहित जैसे विषय रहे।

प्रचार विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार सम्मेलन प्रातः लगभग साढ़े दस बजे शुरू हुए और अलग अलग क्षेत्रों में क्रमवार चलते रहे। जंगपुरा बी, सराय काले खां, अमर कॉलोनी (संत नगर), श्रीनिवासपुरी, कश्यप बस्ती ग्रेटर कैलाश 1, कपूर्री ठाकुर कैंप, पिलंजी, तैमूर नगर, सेवा नगर, कोटला मुबारकपुर, जंगपुरा भोगल तथा लाजपत नगर 1 समेत अनेक इलाकों में सभाएं आयोजित की गईं। हर स्थान पर स्थानीय नागरिकों ने उत्साह के साथ भाग लेकर कार्यक्रमों को जनआंदोलन का रूप दिया।

सम्मेलनों में वक्ताओं ने सामाजिक सौहार्द, भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं की रक्षा और नागरिक कर्तव्यों के पालन पर जोर दिया। अमर कॉलोनी में आयोजित सभा में मुस्लिम मंच से जुड़े अतिथि फैज खान की उपस्थिति विशेष चर्चा का विषय रही, जहां उन्होंने आपसी भाईचारे और सामुदायिक सहयोग का संदेश दिया। कोटला मुबारकपुर क्षेत्र में कार्यक्रम का आरंभ पारंपरिक कलश यात्रा से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और युवाओं ने भाग लिया।

जंगपुरा बी के राधा कृष्ण मंदिर परिसर में हुए सम्मेलन का संचालन स्थानीय सामाजिक कार्यकताओं ने संभाला, जिनमें मनीष गांधी, अजय सचदेव, गीता गांधी और अदिति की सक्रिय भूमिका रही। वीर सावरकर क्षेत्र में आयोजित सभा में महंत सतीश दासी महाराज ने मुख्य वक्ता के रूप में समाज को संगठित रहने और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहने का आह्वान किया। जंगपुरा भोगल के कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता अजय भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और सामाजिक सहभागिता को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया।

आयोजन समिति से जुड़े आनन्द, जनमेजय और हर्षित ने बताया कि इन सम्मेलनों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर संवाद और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। प्रचार विभाग ने कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहयोग देने वाले स्थानीय निवासियों और सामाजिक संगठनों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

संपादकीय

भारत अमेरिका समझौते और रूस के तेल पर निर्भरता: कूटनीति, ऊर्जा और संतुलन की असली परीक्षा

वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच भारत, अमेरिका और रूस के त्रिकोणीय संबंध एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। ऊर्जा सुरक्षा के सवाल ने इस रिश्ते को और जटिल बना दिया है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से विश्व ऊर्जा बाजार में जो उथल-पुथल मची, उसने भारत को सस्ती दरों पर रूसी तेल खरीदने का अवसर दिया, और भारत ने अपनी आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस अवसर का उपयोग भी किया। अब जब भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नए समझौतों की संभावनाएं तेज हो रही हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन संभावित समझौतों का भारत रूस ऊर्जा संबंधों पर क्या प्रभाव पड़ेगा और भारत किस प्रकार अपने दीर्घकालिक हितों का संतुलन बनाए रखेगा।

भारत विश्व के सबसे बड़े ऊर्जा आयातकों में से एक है। उसकी अर्थव्यवस्था की गति सीधे तेल और गैस की उपलब्धता तथा कीमतों पर निर्भर करती है। ऐसे में किसी भी देश के लिए ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण केवल आर्थिक नीति नहीं बल्कि सामरिक नीति भी होता है। रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदकर भारत ने एक व्यावहारिक निर्णय लिया, जिससे घरेलू महंगाई को नियंत्रित रखने और उद्योगों को राहत देने में मदद मिली। पश्चिमी देशों की आपत्तियों के बावजूद भारत ने बार बार स्पष्ट किया कि वह अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर ऊर्जा खरीद के फैसले करेगा। यह रुख भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का संकेत था।

दूसरी ओर अमेरिका के साथ भारत के संबंध पिछले एक दशक में अभूतपूर्व रूप से मजबूत हुए हैं। रक्षा सहयोग, उच्च तकनीक, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, अंतरिक्ष और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी गहरी हुई है। अमेरिका भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखता है। ऐसे में यदि ऊर्जा क्षेत्र में भी कोई बड़ा समझौता या दीर्घकालिक आपूर्ति व्यवस्था बनती है, तो उसका उद्देश्य केवल व्यापार नहीं बल्कि भू-राजनीतिक विश्वास को और मजबूत करना होगा। अमेरिका यह भी चाहता है कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में रूस की निर्भरता कम हो और वैकल्पिक स्त्रोतों को बढ़ावा मिले।

यहीं से भारत के सामने वास्तविक कूटनीतिक चुनौती शुरू होती है। रूस दशकों से भारत का विश्वसनीय रक्षा साझेदार रहा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी दोनों देशों ने अक्सर एक दूसरे का साथ दिया है। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ा सहयोग इस रिश्ते को नई आर्थिक गहराई देता है। यदि भारत अचानक रूसी तेल से दूरी बनाता है, तो इसका संकेत केवल ऊर्जा नीति का बदलाव नहीं बल्कि रणनीतिक झुकाव के रूप में भी देखा जाएगा। भारत ऐसा संदेश देने से बचना चाहेगा कि वह किसी एक खेमे में पूरी तरह खड़ा है।

संभवतः भारत की नीति आगे भी बहु आयामी ही रहेगी। अमेरिका से ऊर्जा सहयोग बढ़ाना और साथ ही रूस से रियायती तेल खरीद जारी रखना यह विरोधाभास नहीं बल्कि व्यावहारिक संतुलन है। भारत पहले भी यह सिद्ध कर चुका है कि वह या तो या की जगह दोनों के साथ की नीति पर चल सकता है। क्वाड समूह का सदस्य होते हुए भी भारत ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन में सक्रिय है। यही संतुलन ऊर्जा कूटनीति में भी दिख सकता है।

अमेरिका के साथ संभावित ऊर्जा समझौते का एक बड़ा प्रभाव स्वच्छ ऊर्जा और नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी दिखाई देगा। यदि सहयोग केवल कच्चे तेल तक सीमित न रहकर हरित हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा निवेश, ऊर्जा भंडारण और स्मार्ट ग्रिड तक जाता है, तो भारत को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। इससे भारत की आयात निर्भरता धीरे धीरे कम हो सकती है। ऐसी स्थिति में रूस से तेल खरीद का मुद्दा अपने आप संतुलित हो जाएगा क्योंकि ऊर्जा मिश्रण बदलने लगेगा।

~ मौलिक चिंतन ~

नियंत्रित लालच, साधारण व्यक्ति को असाधारण बनने का साहस देता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©
विनय संकोची

मेलों में मौत के झूले: खुशी के टिकट पर बिकती ज़िंदगी

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय मेले में झूला टूटने की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हमारे यहाँ मनोरंजन भी जान जोखिम में डालकर ही किया जाता है। जिस मेले को संस्कृति, कला और पर्यटन का उत्सव कहा जाता है, वही मेला एक पल में चीखों, अफरातफरी और मातम में बदल गया। झूले के अचानक टूटकर गिरने से एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई और तेरह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। यह सिर्फ़ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का परिणाम है जहाँ सुरक्षा सबसे आखिरी प्राथमिकता बन चुकी है।

मेलों में झूले हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहे हैं। बच्चों की हँसी, युवाओं का उत्साह और परिवारों की उम्मीदें-सब कुछ इन झूलों से जुड़ा होता है। लेकिन जब यही झूले मौत का कारण बन जाएँ, तो सवाल केवल तकनीकी खराबी का नहीं रहता, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढाँचे की लापरवाही उजागर हो जाती है। सूरजकुंड हादसा अचानक नहीं हुआ। यह उस लापरवाही की परिणति है, जिसे सालों से ह्लचलने दोह्व कहकर नजरअंदाज किया जाता रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसे झूलों की अनुमति कैसे दी जाती है? क्या इनके फिटनेस सर्टिफिकेट की कोई गंभीर जाँच होती है या फिर कुछ कागजों और हस्ताक्षरों से ही सब कुछ ह्लमैनेजह्व कर दिया जाता है? हर बड़े मेले से पहले प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है-ड्यूटी पर पुलिस, एंबुलेंस, दमकल वाहन-लेकिन झूलों की तकनीकी जाँच अक्सर औपचारिकता भर बनकर रह जाती है। जिस मशीन पर दर्जनों ज़िंदगियाँ झूल रही हों, उसकी गुणवत्ता, मेंटेनेंस और ऑपरेटर की ट्रेनिंग पर कोई सख़्त निगरानी क्यों नहीं होती?

यह पहली बार नहीं है जब किसी मेले या मनोरंजन पार्क में झूला गिरने से मौतें हुई हों। देश के अलग-अलग राज्यों में समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहे हैं-कहीं बच्चों की जान गई, कहीं महिलाएँ घायल हुईं, कहीं पूरा परिवार उजड़ गया। हर बार वही कहानी दोहराई जाती है-जाँच के आदेश, मुआवजे की घोषणा और कुछ दिनों का शोर। फिर सब कुछ भुला दिया जाता है, अगली दुर्घटना तक।

सूरजकुंड हादसे में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत होना इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। जो व्यक्ति जनता की सुरक्षा के लिए तैनात था, वही स्वयं व्यवस्था की लापरवाही का शिकार हो गया। यह घटना प्रतीक है उस विडंबना की, जहाँ सुरक्षा देने वाला भी सुरक्षित नहीं है। सवाल यह है कि अगर एक अधिकारी की जान यूँ ही चली गई, तो आम नागरिक की सुरक्षा की क्या गारंटी है?

प्रशासन अक्सर ठेकेदारों पर दोष मढ़कर पल्ला झाड़ लेता है। कहा जाता है कि झूला निजी संचालक का था, मेंटेनेंस उसकी ज़िम्मेदारी थी। लेकिन क्या प्रशासन की ज़िम्मेदारी यहीं खत्म हो जाती है? क्या बिना कड़ी जाँच के किसी भी ठेकेदार को मौत के झूले लगाने की खुली छूट दी जा सकती है? अगर हाँ, तो फिर हादसे के बाद सिर्फ़ ठेकेदार को दोषी ठहराना एक तरह का धोखा ही है।

असल में यह समस्या सिस्टम की है। मेले अस्थायी होते हैं, लेकिन लापरवाही स्थायी। सुरक्षा मानकों को ह्लअतिरिक्त खर्चह्व समझा जाता है और मुनाफे को सबसे ऊपर रखा जाता है। झूले पुराने होते हैं, कई बार दूसरे राज्यों से लाकर बिना समुचित जाँच के लगा दिए जाते हैं। ऑपरेटर अक्सर अप्रशिक्षित होते हैं, जिन्हें न मशीन की तकनीक की समझ होती है और न आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग।

दुखद यह भी है कि हादसे के बाद प्रशासन की संवेदनशीलता केवल मुआवजे की घोषणा तक सीमित रह जाती है। मृतक के परिवार को कुछ लाख रुपये देकर समझ लिया जाता है कि जिम्मेदारी पूरी हो गई। लेकिन क्या किसी की जान की कीमत कुछ लाख रुपये हो सकती है? क्या मुआवजा उस दर्द, उस खालीपन और उस अन्याय की भरपाई कर सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हमारे यहाँ मनोरंजन का मतलब ही जोखिम बन गया है? क्या मेले, झूले और उत्सव आम आदमी के लिए ह्लक आजमानेह्व की जगह बन चुके हैं-जहाँ ज़िंदा लौटना भी किस्मत पर निर्भर हो? यह सोच किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक है।

सूरजकुंड मेला अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। देश-विदेश से लोग यहाँ आते हैं। अगर ऐसे प्रतिष्ठित आयोजन में सुरक्षा का यह हाल है, तो छोटे कस्बों और गाँवों के मेलों की स्थिति का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। वहाँ न जाँच होती है, न एंबुलेंस समय पर पहुँचती है और न ही किसी की जवाबदेही तय होती है। अब जरूरत है केवल संवेदना जताने की नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई की। हर मेले और मनोरंजन आयोजन के लिए सख़्त सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। झूलों की तकनीकी जाँच स्वतंत्र विशेषज्ञों से कराई जाए, न कि औपचारिक समितियों से। ऑपरेटरों की ट्रेनिंग अनिवार्य हो और ज़रा-सी लापरवाही पर लाइसेंस रद्द किया जाए।

सबसे अहम बात-हादसे की स्थिति में सिर्फ़ मुआवजा नहीं, बल्कि आपराधिक ज़िम्मेदारी भी तय की जाए।

आज सूरजकुंड में झूला गिरा है। कल यह किसी और मेले में गिरेगा, अगर हमने अभी भी आँखें मूँदे रखीं। सवाल यह नहीं है कि अगला हादसा कहाँ होगा, सवाल यह है कि क्या हम हर बार मौत के बाद ही जागेंगे? मेलों का मकसद खुशी बाँटना होता है, मौत नहीं। लेकिन जब खुशी के टिकट पर ज़िंदगी बिकने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि यह सिर्फ़ हादसा नहीं, एक अपराध है-और उस अपराध की ज़िम्मेदारी तय करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

(लेखिका पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं)

बोफोर्स से ट्रेड डील तक का सफर और बदलते भारत में कांग्रेस की ठहरी हुई सोच

कांतिलाल मांडोत

संसद के उच्च सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक घंटे अड़तीस मिनट का भाषण केवल एक राजनीतिक जवाब नहीं था, बल्कि वह पिछले सात दशकों की राजनीतिक संस्कृति और बीते ग्यारह वर्षों में बदले भारत के आत्मविश्वास का आईना था। विपक्ष के शोर, नारेबाजी और वॉकआउट के बीच दिया गया यह उद्बोधन इस सवाल को फिर से केंद्र में ले आया कि देश आज किस दिशा में खड़ा है और कौन-सी सोच उसे आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री का ह्लबोफोर्स डील से ट्रेड डील तकह्व का कथन दरअसल एक पूरे युगांतरण का प्रतीक है, जिसमें भारत ने घोटालों, नीतिगत जड़ता और वैश्विक अविश्वास के दौर से निकलकर आत्मनिर्भरता, वैश्विक साझेदारी और आर्थिक महत्वाकांक्षा की राह पकड़ी है।

कांग्रेस की राजनीति लंबे समय से सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानती रही है। आजादी के बाद दशकों तक केंद्र और अनेक राज्यों में शासन करने के बावजूद कांग्रेस देश को वह निर्णायक नेतृत्व नहीं दे पाई, जिसकी जरूरत थी। बोफोर्स घोटाला केवल एक रक्षा सौदे का मामला नहीं था, बल्कि वह उस मानसिकता का प्रतीक था जिसमें सत्ता, परिवार और हितों की गठजोड़ ने राष्ट्रीय हितों को पीछे छोड़ दिया। उसी दौर में भारत वैश्विक मंच पर एक ऐसा देश था, जिससे समझौते करने में दुनिया हिचकती थी और जिसकी अर्थव्यवस्था सहायता और कर्ज. पर टिकी मानी जाती थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा में ठीक ही कहा कि कांग्रेस, टीएमसी या डीएमके जैसी पार्टियां दशकों तक सत्ता में रहीं, फिर भी देश उन्हें किस उपलब्धि से याद करता है, यह प्रश्न आज भी अनुत्तरित है। इसके उलट, बीते ग्यारह वर्षों में भारत की तस्वीर बदली है। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ चुका है, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में उसकी भूमिका मजबूत हुई है और बड़े-बड़े देश भारत के साथ व्यापार समझौतों के लिए उत्सुक हैं। यूरोपीय यूनियन से लेकर अमेरिका तक के साथ हो रही ट्रेड डील्स इस बदले हुए भरोसे का प्रमाण हैं।

कांग्रेस की समस्या केवल नीतियों तक सीमित नहीं है, उसकी भाषा और संस्कार भी सवालों के घेरे में हैं। ह्लमोदी तेरी कब्र खुदेगीह्व जैसे नारे न केवल राजनीतिक असहमति की मयार्दा को तोड़ते हैं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं। प्रधानमंत्री ने सही पूछा कि यह कैसी ह्लमोहब्बत की दुकानह्व है, जिसमें किसी निर्वाचित प्रधानमंत्री की कब्र खोदने की बात की जाती है। यह भाषा बताती है कि कांग्रेस आज भी नकारात्मकता और व्यक्तिगत द्वेष की राजनीति में उलझी हुई है, जबकि देश सकारात्मक एजेंडे और भविष्य की बात करना चाहता है।

कांग्रेस के ह्ययुवराजह्न द्वारा एक सिख सांसद को गद्दार कहने का उल्लेख भी इसी मानसिकता की ओर इशारा करता है। यह केवल एक व्यक्ति पर टिप्पणी नहीं, बल्कि पूरे सिख समुदाय और उनके गुरुओं का अपमान है। जिस पार्टी ने लंबे समय तक खुद को समावेशिता और सेक्युलरिज्म का ठेकेदार बताया, वही आज पहचान की राजनीति और विभाजनकारी बयानबाजी में फंसी दिखती है। प्रधानमंत्री का यह कहना कि यह सिखों और गुरुओं का अपमान है, केवल राजनीतिक आरोप नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी भी है।

विकसित भारत की कल्पना करने वाली सरकार और कांग्रेस की सोच में मूलभूत अंतर है। मोदी सरकार मानती है कि 140 करोड़ भारतीय समस्याएं नहीं, बल्कि संभावनाएं हैं। इसके विपरीत, नेहरू-इंदिरा काल की वह सोच थी जिसमें जनसंख्या को समस्या के रूप में देखा जाता था। यह दृष्टिकोण ही नीति निर्माण को दिशा देता है। जब नेतृत्व जनता पर भरोसा करता है, तो परिणाम जनभागीदारी, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति और बुनियादी ढांचे के तेज विकास के रूप में सामने आते हैं। अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भी इसी निर्णायक नेतृत्व का उदाहरण है। दशकों तक जिसे असंभव बताया गया, उसे राजनीतिक इच्छाशक्ति ने संभव कर दिखाया। यह केवल एक संवैधानिक कदम नहीं था, बल्कि यह संदेश था कि भारत अब साहसिक फैसलों से नहीं हिचकता। कांग्रेस इसे आज भी अपने पुराने चश्मे से देखती है, क्योंकि वह बदलाव की राजनीति को स्वीकार नहीं कर पाई है।

ट्रेड डील के संदर्भ में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं। आयात शुल्क में कटौती, संयुक्त बयान और संभावित हस्ताक्षर केवल आर्थिक आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह उस भरोसे का संकेत हैं जो दुनिया आज भारत पर कर रही है। कभी जिस भारत को समझौतों की मेज पर जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता था, आज वही भारत शर्तें तय करने की स्थिति में है।

कांग्रेस की विडंबना यह है कि वह इस बदलाव को स्वीकार करने के बजाय उसे नकारने में ऊर्जा खर्च कर रही है। प्रधानमंत्री की कुर्सी को अपनी जागीर मानने वाली मानसिकता आज भी उसे परेशान करती है। उसे यह सवाल कचोटता है कि एक साधारण पृष्ठभूमि से आया व्यक्ति देश का नेतृत्व कैसे कर सकता है। यही असहजता उसकी बयानबाजी में झलकती है, चाहे वह ह्लकब्रह्व जैसे शब्द हों या व्यक्तिगत आरोप।

आज का भारत भावनाओं से नहीं, तथ्यों और परिणामों से बात करता है। ग्यारह वर्षों में सड़कों, रेल, डिजिटल भुगतान, रक्षा उत्पादन, अंतरिक्ष और कूटनीति में जो बदलाव आए हैं, वे किसी प्रचार का नहीं, बल्कि नीतिगत निरंतरता और कर्मनिष्ठा का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वसत्ता की ओर भारत को ले जाने का लक्ष्य केवल सपना नहीं, बल्कि स्पष्ट रोडमैप पर आधारित है।

अंततः यह बहस केवल मोदी बनाम कांग्रेस की नहीं है, बल्कि पुरानी और नई सोच की है। एक ओर वह राजनीति है जो अतीत के घोटालों, परिवारवाद और नकारात्मक नारों से बाहर नहीं निकल पा रही, और दूसरी ओर वह नेतृत्व है जो आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा और परिश्रम के बल पर भारत को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहता है। बोफोर्स से ट्रेड डील तक का यह सफर बताता है कि देश ने रास्ता चुन लिया है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस कब अपने भीतर झांककर यह समझेगी कि भारत बदल चुका है, और राजनीति को भी बदलना होगा।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

ललित गर्ग

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए।

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं। गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

शोध से समाज और देश को मिलती है नई दिशा

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय शोध पद्धति कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि शोध के माध्यम से ही समाज और देश को नई दिशा मिलती है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं और शोध की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि जय प्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि ज्ञान से आत्मबोध विकसित होता है और विद्या व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाती है। उन्होंने युवाओं से अपनी बौद्धिक क्षमता का सकारात्मक उपयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रो. राज शरण शाही, प्रो. हरिशंकर, समन्वयक डॉ. संगीता चौहान सहित कई शिक्षक, शोधार्थी और प्रतिभागी उपस्थित रहे।

डेढ़ करोड़ की ठगी में मास्टरमाइंड एजेंट और साथी गिरफ्तार

बाराबंकी, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक की छज्जापुर शाखा टांडा में ग्रामीणों से हुई डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी बीमा एजेंट उमेर अहमद को फुलवरिया तिराहे से और पॉलिसी एडिटर शरद को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने बताया कि चार फरवरी को जनता दर्शन के दौरान रूपवती देवी के साथ करीब 15-16 ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराई थी। ग्रामीणों का आरोप था कि उमेर अहमद ने बैंक कर्मियों के साथ मिलकर एनटीपीसी और एनएचएआई से मिले उनके मुआवजे की रकम को फर्जी पॉलिसी और एफडी के नाम पर हड़प लिया है। सीओ टांडा शुभम कुमार और इंस्पेक्टर दीपक रघुवंशी की जांच में आया कि उमेर वर्ष 2019 से ही लोगों को पैसे दोगुने करने का झांसा देकर ठगी कर रहा था। जांच में तत्कालीन बैंक मैनेजर और दो कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है। उमेर इन कर्मियों को महंगे गैजेट्स और तोहफे देकर अपने प्रभाव में रखता था। पुलिस ने ठगी की कमाई से खरीदी एक अर्टिका कार, एक बुलेट मोटरसाइकिल और एक स्कूटी, एक आईफोनऔर एक सैमसंग मोबाइल जब्त किया है। साथ ही ठगी की रकम से जुड़े 13 बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया है। एसपी के अनुसार बीमा एजेंट उमेर अहमद की बैंक शाखा में बहुत गहरी पैठ थी। वह ग्रामीणों को बैंक परिसर में ही बुलाकर ठगी का शिकार बनाता था। शुरुआत में उसने एक-दो लाख रुपये की पॉलिसी में हेराफेरी की, लेकिन सफलता मिलने पर उसका हौसला बढ़ता गया और उसने बैंक कर्मियों के साथ मिलकर एक बड़ी साजिश रच डाली। ठगी को अंजाम देने के लिए उमेर टांडा के मीरापुर निवासी शरद मौर्य की मदद लेता था। शरद, जो मूल रूप से शादियों की फोटो और वीडियो एडिटिंग का काम करता है, एडिटिंग के जरिए असली जैसे दिखने वाले फर्जी पॉलिसी बांड तैयार करता था। उमेर प्रत्येक फर्जी दस्तावेज तैयार करने के बदले शरद को 2,000 रुपये का भुगतान करता था।

ग्रेटर नोएडा में चल रही थी पार्टी, प्रेमिका ने सिपाही की पिस्टल से खुद को मारी गोली

मेरठ, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-16बी स्थित श्रीराधा स्काई गार्डेन सोसाइटी में गुरुवार रात पार्टी के दौरान हुए विवाद में गोली लगने से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां वह वेंटिलेटर पर है। सेंट्रल नोएडा जोन के एडीसीपी आरके गौतम ने बताया कि युवती ने दिल्ली के कालिंदी कुंज थाने में तैनात हेड कांस्टेबल की लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। बिसरख कोतवाली में युवती के बड़े भाई की तहरीर पर आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन स्थित ऑफिसर सिटी निवासी आरोपी हेड कांस्टेबल आशीष पवार (34) को हिरासत में ले लिया गया है। मेरठ के कंकरखेड़ा निवासी युवती प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करती है। वह टेकजोन-4 स्थित गौड़ सौंदयर्म सोसाइटी में रहती है और पांच साल से आरोपी के संपर्क में है। पांच माह से दोनों सोसाइटी में किराये के फ्लैट में सहमति संबंध में रह रहे हैं। आरोप है कि आशीष ने युवती से शादी का वादा भी किया था। मूलरूप से बागपत के ककड़ीपुर निवासी आशीष का पत्नी से विवाद चल रहा है। वह दो बच्चों के साथ अलग रहती है। आरोपी ने तलाक के लिए कोर्ट में अर्जी लगाई है। बृहस्पतिवार रात युवती के साथ प्रापर्टी डीलिंग का काम करने वाले नीरज ने श्रीराधा स्काई गार्डेन सोसाइटी के टावर नंबर-7 में किराये के फ्लैट में पार्टी आयोजित की थी। इसमें आशीष युवती के साथ पहुंचा। उसके पास लाइसेंसी पिस्टल, रिवॉल्वर और सर्विस रिवॉल्वर थी। आरोपी ने फ्लैट के कमरे में हथियारों को मेज पर रख दिया था।

जिसे समझा कान की बीमारी, वो निकला मस्तिष्क के जाल का जंजाल...

चपेट में कई नौकरशाह-डॉक्टर

लखनऊ, एजेंसी। गर आपको कानों में सीटी, घंटी या मक्खी भिनभिनाने की आवाज आए तो इसे सिर्फ कान से जुड़ी बीमारी न समझें। ये दिमाग के सर्किट में गड़बड़ी यानी टिनिटस के संकेत भी हो सकते हैं। इसकी चपेट में कई नौकरशाह, डॉक्टर, व्यापारी और महिलाएं भी हैं। ये जानकारी सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर) और संजय गांधी पीजीआई के अध्ययन में सामने आई है।

अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय शोधपत्र यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंसेज में जगह मिला है। अब इस बीमारी के इलाज की नई गाइडलाइन बनाई जा रही है। कान में घंटी बजने या शोर आमतौर पर कान में संक्रमण, सुनने में कमी, ब्लड प्रेशर के कारण होती है। दवाएं चलने पर ये ठीक हो जाते हैं लेकिन कुछ मरीजों को लंबे इलाज के बाद भी आराम नहीं मिलता। चिकित्सा संस्थानों में हर महीने ऐसे 10 से 12 मरीज आते हैं।

सीबीएमआर के प्रो. उत्तम कुमार के नेतृत्व में टिनिटस पर अध्ययन किया गया। इसमें सेंटर के डॉ. हिमांशु पांडे, प्रो. नीरज सिन्हा और पीजीआई के हेड एंड नेक सर्जरी के विभागाध्यक्ष प्रो. अमित केशरी शामिल रहे। विशेषज्ञों ने

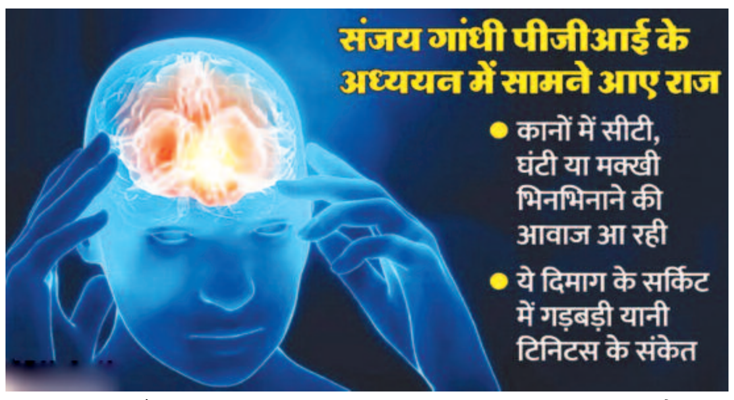

57 टिनिटस और 57 सामान्य मरीज चिह्नित किए। टिनिटस वाले मरीजों पर दवाएं कई साल इलाज के बाद भी बेअसर हो रही थीं।

की गई दिमाग की मैपिंग

सभी के दिमाग की एमआरआई मशीन से मैपिंग की गई। मस्तिष्क के सक्रिय और शांत अवस्था में लिए गए सर्किट रिकॉर्ड का अध्ययन किया गया। पाया गया कि सर्किट में बदलावों के कारण टिनिटस की समस्या हो रही है। सर्किट के अलग-अलग बिंदु आपस में प्रतिक्रिया कर कान में आवाजों का आभास दिलाते हैं।

नेटवर्क असंतुलन से बजती है घंटी

प्रो. उत्तम कुमार के मुताबिक, टिनिटस में सर्किट के कुछ हिस्से जैसे स्मृति, भावना, ध्यान व अग्रभाग से जुड़े नेटवर्क असंतुलित हो जाते हैं। इससे आपसी संवाद कम हो जाता है। वहीं, कुछ हिस्सों में सक्रियता बढ़ जाती है। यही असंतुलन टिनिटस को बनाए रखता है।

अब हो सकेगा सटीक इलाज

प्रो. अमित केसरी का कहना है कि अध्ययन से तय हो गया है कि कैसे लक्षण होने पर मस्तिष्क के किस बिंदु पर लक्ष्य करके थेरेपी देनी है। अब मरीजों को मैग्नेटिक थेरेपी, साइको थेरेपी, योग, प्राणायाम समेत मस्तिष्क को आराम देने वाली दवाएं दी जाएंगी।

केस 1

45 वर्ष के शिक्षक को कान में घंटी की आवाज आती थी। उन्होंने नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ को दिखाया। एमआरआई कराई। दो साल तक दवा लेते रहे लेकिन आराम नहीं मिला। पीजीआई में कुछ दिन इलाज के बाद अब आराम है।

केस 2

52 साल के नौकरशाह को तनाव के बाद टिनिटस शुरू हुआ। ईएनटी विशेषज्ञों को दिखाया। एंजायटी की दवा से नींद बेहतर हुई लेकिन आवाज बनी रही। पीजीआई में थेरेपी से समस्या खत्म हो गई है।

केस 3

58 वर्षीय गृहिणी के दोनों कानों में हमेशा शोर महसूस होता था। हियरिंग टेस्ट सामान्य निकला। कई साल तक दवा खाती रहीं लेकिन आराम नहीं मिला। अब साइकोथेरेपी चल रही है।

हाथों में सुर्ख मेहंदी, घर से सज-संवरकर निकली थी वो; जिस तरह की गई हत्या; कांप उठे लोग

आगरा, एजेंसी। महिला की हत्या के बाद आरोपियों ने कंबल में शव लपेटकर यमुना एक्सप्रेस-वे पर फेंक दिया। शुक्रवार को ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए। मृतका की उम्र करीब 25 वर्ष थी। उसके गले पर निशान थे। शव को कंबल में लपेटने के बाद काला टेप लगाया गया था। मृतका के हाथ और कंधे पर आर-एस लिखा था। एक जगह पर सनी भी लिखा था जिसे मिटाने का प्रयास किया गया मगर वो पूरी तरह नहीं मिटा। पुलिस आसपास के जिलों से लापता महिलाओं की जानकारी जुटा रही है।

शुक्रवार दोपहर 3-30 बजे बकरी चराने पहुंचे ग्रामीणों ने यमुना एक्सप्रेस-वे के माइल स्टोन 148 के पास ग्राम सौरई के समीप नाली में कंबल पड़ा देखा। पास जाने पर दुर्गंध आने लगी तो शक हुआ। उन्होंने एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग कर रहे गार्डों और पुलिस को सूचना दी। आधा घंटे बाद डीसीपी पश्चिमी जोन आदित्य सिंह और एसीपी एत्मादपुर देवेश कुमार, एसओजी टीम, फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वॉड के साथ पहुंच गए। पुलिस ने शव को नाली से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसपास तलाश भी की गई लेकिन मृतका की पहचान से संबंधित कुछ भी नहीं मिला।

डीसीपी आदित्य सिंह ने बताया कि मृतका मेहंदी रंग का सलवार सूट पहने थी। पैरों में बिछुए भी थे। हथेली के पास, हाथ और कंधे पर आर-एस लिखा था। मृतका के गले पर दबाने के निशान थे। गाल पर नीचे चोट का निशान भी था। आशंका है कि हत्या कहीं और की गई, फिर शव को किसी गाड़ी से लाकर एक्सप्रेस-वे पर फेंका गया।

246 अभ्यर्थियों को मिला अप्रेंटिसशिप का मौका

लखनऊ, एजेंसी। अलीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में शुक्रवार को हुई कैंपस ड्राइव में विभिन्न ट्रेड से प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों ने भाग लिया। पानीपत स्थित मारुति सुजुकी कंपनी के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) से जुड़ी जानकारियां दीं। ड्राइव के दौरान लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में कुल 530 अभ्यर्थी शामिल हुए। कंपनी के मानकों पर खरे उतरने वाले 246 युवाओं का अप्रेंटिसशिप के लिए चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी की ओर से 19,500 रुपये तथा सरकार की ओर से 2,500 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही छात्रावास और दोपहर के भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। आईटीआई के प्लेसमेंट अधिकारी एम.ए. खान ने बताया कि कैंपस ड्राइव में मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, मशीनिस्ट, फिटर सहित अन्य ट्रेड के अभ्यर्थी शामिल हुए। चयनित युवाओं को कंपनी में एक वर्ष की अप्रेंटिसशिप कराई जाएगी। अप्रेंटिसशिप पूरी करने के बाद योग्य अभ्यर्थियों को नियमित रोजगार के अवसर भी मिल सकेंगे। कंपनी प्रतिनिधियों ने सामूहिक सत्र के माध्यम से युवाओं को कंपनी के कार्यक्षेत्र, अप्रेंटिसशिप के महत्व और करियर संभावनाओं की जानकारी दी। साथ ही प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर देकर उन्हें भविष्य की तैयारी के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।

8 डिग्री के पारे के साथ बरेली रहा सबसे ठंडा, जारी हुआ तीन दिनों का पूर्वानुमान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में पछुआ हवाओं की रफ्तार में तेजी आई है। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में शुक्रवार को 15 से 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछुआ हवाएं चलीं। इसके असर से तराई समेत प्रदेश भर में कोहरा छंटा है और सुबह शाम हल्की ठंड बनी हुई है। पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिन पछुआ के असर से प्रदेश में दिन में गुनगुनी धूप खिलेगी और दिन के तापमान में विशेष बदलाव के संकेत नहीं हैं।

शनिवार के लिए प्रदेश में कहीं भी घने कोहरे की चेतावनी नहीं है। शुक्रवार को 8.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ बरेली यूपी में सबसे ठंडा रहा। वहीं 26.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ झांसी में सबसे गर्म दिन रहा। इसके बाद आगरा और वाराणसी में 26 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज हुआ।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार पछुआ के असर से प्रदेश में कोहरे से निजात मिलेगी। अगले तीन चार दिन प्रदेश में दिन व रात के तापमान में विशेष परिवर्तन के संकेत नहीं है।

चंद रोज की है गुलाबी सर्दी... फिर बढ़ेगी गर्माहट : राजधानी में चल रहा गुलाबी सर्दी का दौर अब ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार फरवरी की नर्म धूप जल्द तेज गर्माहट में बदल सकती है। फिलहाल पछुआ हवाओं के असर से धूप में नरमी महसूस हो रही है। उधर, सुबह-शाम के वक्त गलन पहले से कम हुई है।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक इस बार फरवरी में सामान्य से अधिक गर्मी पड़ने के संकेत हैं। राजधानी में अभी 15 से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पछुआ चल रही है, जिससे तापमान संतुलित बना हुआ है। अगले तीन दिन दिन और रात के तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने के संकेत नहीं हैं। हवाओं की रफ्तार कम होते ही दिन का तापमान तेजी से बढ़ने लगेगा।

अतुल कुमार ने बताया कि पछुआ के कारण फिलहाल सुबह-शाम हल्की ठंड बनी रहेगी और कोहरे से भी राहत मिली है। शुक्रवार को दिन का तापमान 0.4 डिग्री की बढ़त के साथ 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम पारा 0.5 डिग्री की गिरावट के साथ 9 डिग्री सेल्सियस रहा।

पशु तस्करी के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मऊ में प्रधानपति सहित पांच पर लगा गैंगस्टर एक्ट

वाराणसी, एजेंसी। जिलाधिकारी के अनुमोदन पर दो साल बाद पशु तस्करी और हत्या के मामले में सरायलखंसी थाना के प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह की तहरीर पर प्रधानपति सहित पांच के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट लगाया गया है। मामला 30 अक्तूबर 2023 का है। पुलिस ने पिकअप लदे चार पशुओं को बरामद किया था।

जांच में सामने आया ये सच

पुलिस जांच में पता चला कि सरगना बलिया के नरही थाना क्षेत्र के ईच्छा चौबे का पूरा निवासी मदन मोहन यादव उर्फ डब्लू ने कुल्हड़िया खास निवासी सरवन यादव, हलधरपुर थाना क्षेत्र के भुड़सुरी के प्रधानपति अभिषेक कुमार यादव उर्फ कन्हैया, नरेंद्र यादव और गाजीपुर के करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के डेहमा गांव निवासी अजीत कुमार यादव के साथ मिलकर संगठित गिरोह बनाया है।

यह गैंग बनाकर संरक्षित पशुओं की दूसरे प्रांतों में तस्करी करते हैं। 30 अक्तूबर 2023 को सरवन यादव पिकअप में चार पशुओं को रस्सी से ले जा रहा था। पूछताछ में बताया कि उसके अन्य साथी आगे- आगे स्कॉर्पियों में जा रहे हैं। स्कॉर्पियों में सवार मदन मोहन

यादव उर्फ डब्लू, नरेंद्र यादव, अभिषेक कुमार यादव उर्फ कन्हैया ने बताया कि पिकअप अजीत कुमार यादव की है, वो भी साथ में था। सभी को गिरफ्तार कर पुलिस ने गो हत्या निवारण की धारा में प्राथमिकी दर्ज की थी। विवेचना के बाद 7 दिसंबर 2023 को आरोपपत्र न्यायालय में भेज दिया था, जो हाजिरी में विचाराधीन है। शासन के निर्देशानुसार पशु तस्करों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई करनी है। सभी को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। -संजय सिंह, प्रभारी निरीक्षक, थाना सरायलखंसी

सीएम ने दिए चीनी सामान बेचने वाले नेटवर्क को ध्वस्त करने के निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि यदि प्रदेश में इस कारण कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी सीधे पुलिस और प्रशासन की होगी। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने चीनी मांझे के उत्पादन, बिक्री और उपयोग से जुड़े पूरे नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं और इसके खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया गया है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतें सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या जैसी गंभीर घटनाएं हैं। इसलिए इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी जिलों में थोक विक्रेताओं, गोदामों, परिवहन माध्यमों और ऑनलाइन सप्लायर्स की सघन जांच करने के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। सरकार का साफ लक्ष्य है कि प्रदेश में कहीं भी चीनी मांझे की बिक्री या भंडारण न होने पाए।

मुख्यमंत्री ने हर जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं, जो 24 घंटे इस पूरे मामले पर नजर रखेगा। यह अधिकारी बाजारों के साथ-साथ सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होने वाली अवैध बिक्री पर भी निगरानी करेगा और तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

राज्यपाल के हाथों सम्मानित हुए किसान संजीव

बहराइच, एजेंसी। जिले के एक किसान को शुक्रवार को राजभवन में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में राज्यपाल ने सम्मानित किया। चार अन्य किसानों को सम्मान के लिए चयनित किया गया है।राजभवन परिसर में छह फरवरी को आयोजित प्रादेशिक फल शाक-भाजी व पुष्प प्रदर्शनी के दौरान आकांक्षी जिले के प्रगतिशील किसान संजीव कुमार गौड़ को राज्यपाल ने सम्मानित किया। संजीव को यह सम्मान एकीकृत जीवनाशी प्रबंधन तकनीक से विष मुक्त पपीता की खेती के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रशस्तिपत्र प्रदान किया।

आठ फरवरी तक चलने वाले कार्यक्रम के पहले दिन निर्णायक कमेटी ने जिले की ओर से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। किसान रवि कुमार अग्रवाल को रंगीन शिमला मिर्च (लाल) व जरवेरा (लाल रंग) के लिए प्रथम पुरस्कार, किसान लालता प्रसाद गुप्ता को केला के लिए प्रथम पुरस्कार और शहद के लिए शत्रोहन यादव को द्वितीय व फूलचंद गिरी को तृतीय स्थान प्रदान करने के लिए चयनित किया।

राजभवन में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में जिले के उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी की अगुवाई में वरिष्ठ उद्यान निरीक्षक पंकज वर्मा व प्रगतिशील किसान प्रतिभाग कर रहें हैं। उन्होंने बताया कि चयनित चार किसानों को आठ फरवरी को सम्मानित किया जाएगा।

किसानों को लखनऊ में सम्मान मिलने के बाद डीएम अक्षय त्रिपाठी ने कहा है कि औद्योगिक फसलों में आकांक्षी जिले के किसानों को पुरस्कृत किया जाना गौरव की बात है।

सावधान ! शादी का कार्ड डाउनलोड करना भी पड़ सकता है भारी

मेरठ, एजेंसी। मेरठ सहित पश्चिमी यूपी में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस लोगों को जागरूक कर रही है, लेकिन शातिर अपराधी ठगी के नए नए तरीके इजाद कर रहे हैं। ठगी करने के आरोपियों के तरीके इतने शातिर हैं कि आम आदमी ही नहीं, पढ़ा-लिखा वर्ग भी इनके झांसे में आ रहा है। साइबर ठग फर्जी ई-शॉपिंग साइट से सस्ता सामान खरीदने, ऑनलाइन ट्रेडिंग में मुनाफा, शादी के कार्ड डाउनलोड करने, ई-चालान भरने या सरकारी योजना से जुड़ी जानकारी देने के नाम पर एपीके फाइल भेजते हैं। इस फाइल को इंस्टॉल करते ही मोबाइल में छिपा सॉफ्टवेयर एक्टिव हो जाता है, जो कॉल, मैसेज, बैंकिंग ऐप और ओटीपी तक एक्सेस कर लेता है।

साइबर अपराधी खुद को पुलिस, सीबीआई या किसी सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर कॉल कर रहे हैं। पेंशन बंद होने, मनी लॉन्ड्रिंग, फर्जी खाते या डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर ठगी कर रहे हैं। ठग लोगों को व्हाट्सएप, एसएमएस या ई-मेल के जरिए एपीके फाइल भेजते हैं। जैसे ही फाइल डाउनलोड होती है बिना किसी ओटीपी के ही मोबाइल

का पूरा कंट्रोल साइबर अपराधियों के हाथ में चला जाता है। इसके बाद बैंक खाते से लेकर निजी जानकारी तक सब कुछ लीक हो जाती है। कुछ ही मिनटों में बैंक खाते साफ कर देते हैं।

एक ही नंबर पर निकलवा रहे डुप्लीकेट सिम

कई मामलों में आरोपी ऑनलाइन तरीके से पीड़ित के सिम का डुप्लीकेट निकलवा लेते हैं। इससे बैंक अलर्ट, कॉल और मैसेज के अलावा ओटीपी भी सीधे ठगों के पास पहुंच जाते हैं। इसलिए आरोपियों को ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती है। पीड़ित को भनक तक नहीं लगती। यही वजह है कि खाते से रुपये निकलने के बाद लोग हैरान रह जाते हैं।

केस-एक : बिना ओटीपी आए, खाते से 15 लाख उड़ाए : मेडिकल थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर निवासी बुजुर्ग महिला संतोष कश्यप ने रविवार को साइबर थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि 29 जनवरी को उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आई थी। आरोपी ने खुद को पीएनबी बैंक का अधिकारी बताया था। आरोपी ने उनके खाते को अपडेट करने के लिए कहा था। आरोपी ने उनके मोबाइल पर एक सरकारी योजना की एपीके फाइल भेज थी। फाइल डाउनलोड करते ही उनके खाते से 15 लाख रुपये उड़ गए।

केस-2 : आरोपियों ने किसान की 11.97 लाख की ठगी : दिल्ली रोड स्थित काशी गांव निवासी फिरोज खान ने मंगलवार को थाने प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया कि 14 जनवरी को उसने खाते से 20 हजार रूपये निकाले थे। पैसे निकालने वाले के बाद वह घर चले गए। 30 जनवरी को वह दोबारा से बैंक से 30 हजार रुपये निकालने के लिए गए। कैशियर ने खाते में 13 हजार रुपये होने की बात बताई। साइबर आरोपियों ने किसान योजना से संबंधित एपीके फाइल भेजी थी। साइबर आरोपियों ने उसके खाते से 15 बार में 11.97 लाख रुपये निकाल लिए है।

साइबर अपराध से बचाव के जरूरी उपाय

- अनजान लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड न करें।
- मोबाइल में ऐप केवल प्ले स्टोर या आधिकारिक वेबसाइट से ही लें।
- सिम अचानक बंद हो तो तुरंत टेलीकॉम कंपनी से संपर्क करें।
- डराने या धमकाने वाली कॉल को नजरअंदाज करें। पुलिस ऐसे कॉल नहीं करती।
- कम निवेश पर थोड़े समय में बड़े मुनाफे जैसे लुभावने ऑफर से बचें।
- निवेश संबंधी सलाह लेने से पहले हमेशा वेरिफिकेशन के लिए सेबी या आरबीआई से जारी लाइसेंस मांगें।
- कोई ब्रोकर बार-बार किसी खास निवेश के बारे में बात कर रहा है हो सकता है वह ठगने की कोशिश कर रहा हो।
- अपने मोबाइल में ई स्कैन बोट रिम्युअल एप डाउनलोड करें।
- जिस ईमेल या व्हाटसएप मैसेज पर एपीके लिखा है उसे डाउनलोड न करें।

अगले हफ्ते स्टॉक स्प्लिट, बोनस और डिविडेंड से बाजार में बढ़ेगी हलचल

- कॉरपोरेट एक्शन के चलते निवेशकों की नजर बाजार पर

नई दिल्ली । आने वाला हफ्ता शेयर बाजार के लिहाज से खास रहने वाला है। बाजार भले ही रोजाना उतार-चढ़ाव से गुजरता हो, लेकिन कुछ हफ्ते ऐसे होते हैं जब एक साथ कई बड़ी वजहें निवेशकों का ध्यान खींचती हैं। इस बार भी ऐसा ही माहौल बनता दिख रहा है। स्टॉक स्प्लिट, बोनस इश्यू और डिविडेंड जैसे कॉरपोरेट एक्शन बाजार में नई हलचल पैदा कर सकते हैं। ऐसे में यह हफ्ता न सिर्फ ट्रेडर्स बल्कि लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अगले हफ्ते शेयर बाजार में डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड निवेशकों के रडार पर रहेगी। कंपनी ने अपने शेयर के स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी के स्टॉक स्प्लिट की एक्स-डेट 13 फरवरी 2026 तय की गई है, जबकि रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 रखी गई है। इस स्प्लिट के तहत कंपनी अपने शेयर की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। माना जा रहा है कि इससे शेयर की लिक्विडिटी बढ़ सकती है। अगले हफ्ते दो कंपनियां अपने शेयरधारकों को बोनस इश्यू देने जा रही हैं। पहली कंपनी एक्सिटा कॉटन लिमिटेड है, जिसने 1:10 के अनुपात में बोनस इश्यू घोषित किया है। इसका एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट दोनों 13 फरवरी 2026 तय किया गया है। वहीं दूसरी कंपनी डेल्फी वर्ल्ड मनी लिमिटेड है, जो 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देगी। इसका एक्स-डेट 13 फरवरी और रिकॉर्ड डेट 14 फरवरी 2026 है। इसके अलावा अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां अपने निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही हैं। इस लिस्ट में फार्मा, ऑटो, इंफ्रा, पीएसयू, एफएमसीजी, लॉजिस्टिक्स और टेक्नोलॉजी सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। कुल मिलाकर, आने वाला हफ्ता शेयर बाजार में खबरों और निवेशकों की सक्रियता से भरा रहने वाला है।

शीर्ष आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4.55 लाख करोड़ बढ़ा

- बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन रही

नई दिल्ली । बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल बना। इस तेजी के पीछे बड़ी कंपनियों के मजबूत प्रदर्शन को मुख्य कारण माना जा रहा है। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। लाभ में रहने वाली इन आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 4,55,336.36 करोड़ रुपये बढ़ा।इस सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,41,887.97 करोड़ रुपये बढ़कर 19,63,358.79 करोड़ रुपये हो गया। इसके अलावा एलआईसी का मूल्यांकन 64,926.1 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल 52,516.39 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक 52,476.97 करोड़ रुपये बढ़कर बंद हुआ। हालांकि, इस तेजी के बावजूद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर पीछे रहे। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 88,172.8 करोड़ रुपये घटकर 10,64,242.35 करोड़ रुपये और इंफोसिस का 63,462.66 करोड़ रुपये घटकर 6,26,067.95 करोड़ रुपये रह गया। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का क्रम रहा।

हार्ले-डेविडसन समेत बड़ी बाइक्स होंगी सस्ती, इंपोर्ट ड्यूटी होगी जीरो

- भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत मार्च तक साइन होने की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत सरकार अमेरिका से आने वाली प्रीमियम मोटरसाइकिलों को बड़ी राहत देने जा रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के तहत 800 सीसी से 1,600 सीसी और उससे ज्यादा इंजन क्षमता वाली मोटरसाइकिलों पर इंपोर्ट ड्यूटी पूरी तरह खत्म की जाएगी। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारत और अमेरिका ने इसी दिन एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें अंतरिम व्यापार समझौते का जिक्र किया गया है। उम्मीद है कि यह समझौता मार्च के मध्य तक आधिकारिक रूप से साइन हो जाएगा और इसके लागू होते ही नई ड्यूटी व्यवस्था प्रभाव में आ जाएगी। पिछले साल भारत सरकार ने बड़ी बाइक्स पर इंपोर्ट ड्यूटी कम की थी। 1,600 सीसी तक की पूरी तरह बनी मोटरसाइकिलों पर ड्यूटी 50 फीसदी से घटाकर 40 फीसदी और 1,600 सीसी से ऊपर की बाइक्स पर 30 फीसदी कर दी गई थी। अब नई डील में 800 सीसी से ऊपर की श्रेणी को पूरी तरह ड्यूटी फ्री किया जाएगा। समझौते में अमेरिकी डीजल और पेट्रोल कारों पर ड्यूटी में छूट शामिल है। वहीं अमेरिका भारत से आने वाले कुछ ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ हटाएगा, जबकि कुछ पर 18 फीसदी शुल्क बना रहेगा।

नए साल में भारतीय टू-व्हीलर बाजार में आया जोरदार उछाल

नईदिल्ली । नए साल में भारतीय टू व्हीलर बाजार में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला। बीते महीने जनवरी 2026 में होंडा, हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी और रॉयल एनफील्ड जैसी प्रमुख कंपनियों ने मजबूत बिक्री दर्ज की है। जनवरी में टॉप-6 कंपनियों की घरेलू बिक्री 18,31,853 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 26.39 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 की तुलना में भी 25.03प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। यह आंकड़ा बताता है कि नए साल में उपभोक्ताओं का भरोसा काफी मजबूत हुआ है और बाजार ने रफ्तार पकड़ ली है। हीरो मोटोकॉर्प ने 5,20,208 यूनिट्स की बिक्री के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी। कंपनी ने 26.15प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की और 28.40प्रतिशत मार्केट शेयर हासिल किया।

दूसरी ओर, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने 5,19,579 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो 28.94प्रतिशत की वायओवाय ग्रोथ है। मार्केट शेयर 28.36प्रतिशत रहा। बेहद मामूली अंतर से हीरो आगे रहा, लेकिन ग्रोथ रेट में होंडा ने बढ़त दिखाते हुए आने वाले महीनों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के संकेत दिए। टीवीएस मोटर ने भी शानदार प्रदर्शन किया और 3,83,262 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30.42प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की।

बजाज ऑटो की बिक्री 2,14,727 यूनिट्स रही, जिसमें 25.35प्रतिशत वृद्धि हुई। सुजुकी ने 1,00,296 यूनिट्स और रॉयल एनफील्ड ने 93,781 यूनिट्स बेचे। रॉयल एनफील्ड की बिक्री भले कम हो, लेकिन प्रीमियम सेगमेंट में इसकी पकड़ मजबूत बनी हुई है। कुल मिलाकर, जनवरी 2026 टू-व्हीलर इंडस्ट्री के लिए बेहद सकारात्मक रहा। हीरो और होंडा के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, टीवीएस की तेज ग्रोथ और बजाज की स्थिर परफॉर्मेंस यह संकेत देती है कि आने वाले महीने और भी रोमांचक होने वाले हैं। ग्रामीण बाजारों में बढ़ती मांग, शहरी क्षेत्रों में तेजी से रिकवरी और एक्सपोर्ट्स में सुधार ने मिलकर इस सेक्टर को बड़ी बढ़त दी है।

भारत-यूएस समझौते के बाद रूस से तेल आयात में कटौती की संभावना

- समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे घटा सकता है रूस से कच्चे तेल की खरीद

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को भारत से सभी आयातों पर 25 प्रतिशत शुल्क हटाने का कार्यकारी आदेश जारी किया। इसके पीछे भारत की रूस से तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता मुख्य कारण मानी जा रही है। इस समझौते के तहत भारत धीरे-धीरे रूस से कच्चे तेल की खरीद घटाएगा, जिससे अमेरिकी प्रतिबंधों के साथ तालमेल बैठ सके। सूत्रों के अनुसार अधिकांश भारतीय तेल शोधनशालाएं जैसे इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स रूस से तेल की नई खरीद धीरे-धीरे रोकेंगी।` रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले कुछ हफ्तों में अपनी रूस से खरीदी गई खेप पूरी करने के बाद आयात बंद कर सकती है। नायरा एनर्जी की स्थिति अलग है। रोसनेफ्ट में उसकी 49.13 फीसदी हिस्सेदारी और यूरोपीय एवं ब्रिटिश प्रतिबंधों के कारण कंपनी के पास अन्य विकल्प सीमित हैं। इसलिए नायरा रूस से तेल की खरीद जारी रख सकती है और उसे संभावित छूट भी मिल सकती है। दिसंबर 2025 में भारत का रूस से आयात औसतन 12 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो जनवरी 2026 में घटकर 11 लाख बैरल हो गया। आने वाले महीनों में यह 10 लाख बैरल से नीचे जाने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के साथ समझौते के बाद यह आयात और घटकर लगभग आधा हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 90 फीसदी आयात के जरिए पूरा करता है। रूस के अलावा अमेरिका और वेनेजुएला जैसे देश विकल्प के रूप में मौजूद हैं, जिससे भविष्य में तेल आपूर्ति स्थिर बनाए रखना संभव होगा।

सन फार्मा ऑर्गेनिक ग्रोथ पर कायम, अधिग्रहण में रखेगा अनुशासित रुख

कंपनी का कहना है कि वह बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी

नई दिल्ली । दवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सन फार्मा ने स्पष्ट किया है कि उसका मुख्य ध्यान खुद की मेहनत और संसाधनों से विकास (ऑर्गेनिक ग्रोथ) पर रहेगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह रणनीति शेयरधारकों के लिए निवेश को आकर्षक बनाए रखने के उद्देश्य से अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी बड़े अधिग्रहणों में जल्दबाजी नहीं करेगी। अधिग्रहण पर विचार केवल तब किया जाएगा जब इससे कंपनी की दीर्घकालिक रणनीतिक क्षमता मजबूत हो। अधिकारी ने अमेरिका को कंपनी की रणनीति का प्रमुख केंद्र बताया, खासकर नई और आधुनिक दवाओं के क्षेत्र में। इसके साथ ही कंपनी वैश्विक स्तर पर इन दवाओं की पहुँच बढ़ाने पर जोर दे रही है। भारत जैसे उभरते बाजारों के लिए कंपनी छोटे और रणनीतिक अधिग्रहण (टेक-इन्स) पर ध्यान दे रही है। यह रणनीति मौजूदा कारोबार के साथ एकीकृत करके बाजार में विस्तार करने में मदद करेगी।

अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' पहल में शामिल होने का निमंत्रण दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने भारत को 'पैक्स सिलिका' नामक आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा और नवाचार पहल में शामिल होने का निमंत्रण देकर उत्साह जताया है। अमेरिका ने कहा है कि जल्द ही भारत सरकार के साथ इस पहल पर आधिकारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पैक्स सिलिका दिसंबर 2025 में शुरू की गई एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य सुरक्षित और नवाचार आधारित सिलिकॉन आपूर्ति श्रृंखला तैयार करना है। यह पहल महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा इनपुट, उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, एआई बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक सहित कई क्षेत्रों को कवर करती है। शुरुआत में इसके सदस्य देश ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इज़राइल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, यूएई और ब्रिटेन थे। अमेरिकी आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने कहा कि जनवरी 2026 तक भारत की वैचारिक सहमति बन चुकी थी और अब दोनों देशों के बीच जल्द ही बड़े समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। उन्होंने भारत की युवा और तकनीकी प्रतिभा को चीन के मुकाबले महत्वपूर्ण बताया। अमेरिका के लिए भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत और भरोसेमंद भागीदार है। हेलबर्ग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच शानदार संबंधों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की इस पहल में शामिल होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

एएआई ने सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ किया समझौता

नई दिल्ली । एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने हाल ही में लांच हुई देश की पहली सरकारी कैब सर्विस भारत टैक्सी के साथ एग्रीमेंट (एमओयू) साइन किया है। इसके तहत भारत टैक्सी देश के कई एयरपोर्ट्स पर कैब सेवाएं देगी। एएआई के चेयरमैन विपिन कुमार ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। इस समझौते का मकसद एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को सही किराया, तय दरों और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना है। भारत टैक्सी, सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित एक ड्राइवर-ओनर्ड सेवा है, जिसमें टैक्सी चालक स्वयं कोऑपरेटिव के सदस्य होते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल से एयरपोर्ट पर कैब सेवाओं में पारदर्शिता, किराए की स्पष्टता और यात्री-अनुकूल अनुभव सुनिश्चित होगा। साथ ही, ड्राइवरों को भी संगठित प्लेटफॉर्म के जरिए स्थिर और सम्मानजनक रोजगार मिलेगा। एएआई का कहना है कि यह साझेदारी यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के साथ-साथ समावेशी परिवहन मॉडल को बढ़ावा देगी। आने वाले समय में इस व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से विभिन्न एयरपोर्ट्स पर लागू किया जाएगा।

अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों और तरल माल में तोड़ा रिकॉर्ड

- रो-रो टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए

नई दिल्ली । गुजरात स्थित अदाणी मुंद्रा पोर्ट ने जनवरी 2026 में वाहनों के निर्यात में अब तक का सर्वोच्च मासिक रिकॉर्ड दर्ज किया है। बंदरगाह के अदाणी मुंद्रा कंटेनर टर्मिनल (सीटी2) के समर्पित रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रो-रो) टर्मिनल के माध्यम से इस महीने 25,762 वाहन विदेशों में भेजे गए। यह आंकड़ा मई 2024 में स्थापित पिछले रिकॉर्ड को पार करता है। पोर्ट अधिकारियों के अनुसार, मारुति सुजुकी और टोयोटा जैसे वाहन निर्माताओं ने अफ्रीका, यूरोप, पूर्वी एशिया, ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी देशों के लिए निर्यात में वृद्धि की। इस दौरान एक ही जहाज पर 5,701 वाहनों को लोड किया गया, जो किसी भी पोत पर अब तक की सबसे बड़ी लोडिंग है। अदाणी मुंद्रा का लिक्विड टर्मिनल जनवरी में 11.20 लाख टन तरल माल संभालने में सफल रहा, जो इसका अब तक का सबसे अधिक मासिक रिकॉर्ड है। यह पिछले उच्च स्तर (दिसंबर 2025) से भी अधिक है। इस तरल माल में ऊर्जा उत्पाद, रसायन और औद्योगिक तरल पदार्थ शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा मुंद्रा की बहु-श्रेणी कार्गो प्रबंधन क्षमता को स्पष्ट करता है। ये उपलब्धियाँ भारत में बड़े, एकीकृत बंदरगाहों की वैश्विक व्यापार और निर्यात प्रवाह में बढ़ती भूमिका को दर्शाती हैं। वाहनों और तरल माल दोनों क्षेत्रों में उच्च प्रदर्शन न केवल निर्यातकों के लिए अवसर बढ़ाता है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को भी मजबूत करता है। अदाणी मुंद्रा पोर्ट के ये रिकॉर्ड यह दिखाते हैं कि देश के बंदरगाह अब उच्च मात्रा में माल को तेज़ी से संभालने और वैश्विक मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

इस सप्ताह शेयर बाजार की निगाहें मुद्रास्फीति और तिमाही नतीजों पर रहेगी

- भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा

नई दिल्ली । विश्लेषकों का मानना है कि इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। 12 फरवरी को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार को महंगाई और आरबीआई की मौद्रिक नीतियों के बारे में संकेत देंगे। इसके एक दिन बाद 13 फरवरी को विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े जारी होंगे, जो विदेशी निवेशकों के रुझान और रुपये की स्थिति पर असर डाल सकते हैं। इस सप्ताह कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजे आने वाले हैं। टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अशोक लेलैंड, ओएनजीसी, बजाज इलेक्ट्रिकल्स और आयशर मोटर्स के परिणाम निवेशकों की रुचि का केंद्र होंगे। बाजार के जानकारों के अनुसार, इन नतीजों से न केवल इन कंपनियों के शेयर बल्कि व्यापक बाजार पर भी असर दिखाई देगा। वैश्विक स्तर पर निवेशक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों और नैस्डैक कंपोजिट के हालिया प्रदर्शन पर नजर रखेंगे। इसके साथ ही, भू-राजनीतिक घटनाक्रम और जिंस (कमोडिटी) बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहेगा। भारत और अमेरिका ने हाल ही में एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच कुछ वस्तुओं पर आयात शुल्क में कमी होगी। यह कदम द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ ही बाजार में सकारात्मक संकेत दे सकता है। अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने शनिवार को एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा। इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। बाजार विशेषज्ञ कहते हैं कि भारतीय इक्विटी बाजार सुदृढ़ीकरण चरण में प्रवेश कर चुका है। अब निवेशकों का ध्यान पूंजीगत व्यय और वास्तविक खर्च पर केंद्रित है।

फार्मा से ऑटो तक, अमेरिका में इन सेक्टरों की चमक बढ़ेगी कई गुना

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका ने एक अंतरिम व्यापार ढांचे पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य आने वाले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना है। समझौते के तहत दोनों देशों के उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाई जाएगी। कुछ प्रमुख वस्तुओं पर शुल्क में कटौती होगी और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। प्रारंभ में भारतीय निर्यात पर लगभग 18 फीसदी शुल्क लागू रहेगा, लेकिन बाद में महत्वपूर्ण सेक्टरों में और रियायत संभव है। भारतीय जेनरिक दवाओं और फार्मा सामग्री को अमेरिकी बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी। अमेरिकी समीक्षा के बाद शुल्क में रियायत दी जाएगी। भारत से अमेरिका का फार्मा निर्यात सालाना लगभग 9.78 अरब डॉलर का है। शुल्क कटौती से भारतीय दवाओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और बाजार हिस्सेदारी में सुधार होगा। अमेरिका भारत से आयातित रत्न और गहनों पर शुल्क घटा रहा है। इससे भारतीय निर्यातकों को लाभ मिलेगा, जबकि विमान और विमान पार्ट्स पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कुछ शुल्क हटाए जा रहे हैं। इसके चलते एल्यूमिनियम, स्टील और तांबे के घटकों सहित विमान उद्योग के उत्पादकों को अमेरिकी बाजार में आसान प्रवेश मिलेगा।

तेल-तिलहन बाजार में कारोबारियों की धारणा बिगड़ी, दाम में गिरावट

बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में सामान्य उतार-चढ़ाव देखा गया, लेकिन सप्ताहांत में अमेरिका-भारत अंतरिम व्यापार समझौते की खबर और सोयाबीन तेल के शुल्क मुक्त आयात की अफवाह फैलने से कारोबारी धारणा कमजोर हुई। इस वजह से अधिकांश तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। अच्छी गुणवत्ता वाले मूंगफली तेल और साबुत मूंगफली की बढ़ती मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूत बने रहे। सरसों तेल का कारोबार पहले से कमजोर था, नई फसल आने और अफवाहों के चलते दामों पर दबाव बढ़ा। महाराष्ट्र में सोयाबीन का दाम 6,200 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 5,850 रुपये प्रति क्विंटल और मंडियों में हाजिर भाव 5,750-5,800 रुपये प्रति क्विंटल से गिरकर 5,300-5,400 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। मध्य प्रदेश में दाम एमएसपी से नीचे चले गए। जाड़े की कमजोर मांग और धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन तेल के दाम भी नीचे आए। आगे का रुख मलेशिया एक्सचेंज के खुलने के बाद स्पष्ट होगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये की गिरावट के साथ 6,950-6,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 550 रुपये की गिरावट के साथ 14,250 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 11,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन 50 रुपये सुधरकर 7,000-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये के सुधार के साथ 17,100 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 40 रुपये के सुधार के साथ 2,725-3,025 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

टाटा मोटर्स अगले हफ्तों में बढ़ा सकती है वाहनों की कीमतें

- जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर बना रही है दबाव

नई दिल्ली । टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कंपनी अपने वाहनों की कीमतें आने वाले हफ्तों में बढ़ा सकती है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग एक साल से जिंसों और अन्य कीमती धातुओं की बढ़ती लागत कंपनी पर दबाव बना रही है। अधिकारी के अनुसार इस लागत वृद्धि का असर टीएमपीवीएल के राजस्व में लगभग दो प्रतिशत से अधिक देखने को मिला है। इस बीच मारुति सुजुकी इंडिया मूल्य वृद्धि के लिए स्थिति की समीक्षा कर रही है, जबकि हुंडई मोटर इंडिया ने जनवरी में अपने वेंयू मॉडल की कीमतें पहले ही बढ़ा दी हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी आने वाले हफ्तों में संभावित मूल्य वृद्धि की घोषणा कर सकती है लेकिन उन्होंने अभी विस्तृत संख्या या प्रतिशत साझा नहीं किया है। विश्लेषकों का मानना है कि बढ़ती कच्चे माल की कीमतों के कारण ऑटोमोबाइल क्षेत्र में मूल्य समायोजन की संभावना बढ़ रही है और टाटा मोटर्स इसका पालन करने वाली प्रमुख कंपनियों में से एक है।

टी20 विश्व कप : उलटफेर से बाल बाल-बचा इंग्लैंड, नेपाल के खिलाफ करीबी मुकाबले में दर्ज की जीत

मुंबई (एजेंसी)। दो बार की विश्व चैंपियन इंग्लैंड ने रविवार को यहां टी20 विश्व कप ग्रुप सी के बेहद रोमांचक मुकाबले में नेपाल की चुनौती से निपटते हुए अंत में चार रन की करीबी जीत दर्ज की। नेपाल इस मुकाबले में उलटफेर कर इतिहास रचने के बहुत करीब पहुंच गया था। उसने इंग्लैंड के सात विकेट पर 184 रन के जवाब में छह विकेट पर 180 रन बनाए। लोकेश बाम (20 गेंद में नाबाद 39 रन) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नेपाल की उलटफेर भरी जीत की उम्मीद बनाए रखी, लेकिन आखिरी ओवर में जीत नहीं दिला सके।

आखिरी ओवर में नेपाल को जीत के लिए 10 रन की दरकार थी, लेकिन नेपाल के लिए बाउंड्री नहीं लग सकी। इस तरह बल्ले से उनका शानदार प्रदर्शन करीबी हार से खत्म हो गया। सैम करन ने अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर फेंकीं और नेपाल की टीम सिर्फ पांच रन ही बना पाई। लेकिन फिर भी 17,000 से ज्यादा प्रशंसक वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद थे और उन्होंने नेपाल को अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करते देखा। कप्तान रोहित पौडेल (39), दीपेंद्र सिंह ऐरी (39), कुशाल भुर्तेल (29) और लोकेश बसम (चार चौके, दो छक्के) ने शानदार जज्बा दिखाया लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए।

नेपाल को आखिरी तीन ओवर में 46 रन चाहिए थे तब बाम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। उन्होंने जोफ्रा आर्चर के 18वें ओवर में दो छक्के और 19वें ओवर में ल्यूक वुड पर लगातार दो चौके लगाए। भुर्तेल ने शुरुआत में तेजी से रन जुटाए जबकि पौडेल और ऐरी के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रन की मजबूत साझेदारी ने नेपाल को मजबूती दी। नेपाल ने आसिफ शेख (07) के रूप में शुरुआती विकेट गंवा दिया था लेकिन भुर्तेल ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 29 रन बनाकर लय बनाई। लेकिन छठे ओवर में आउट हो गए।

14वें ओवर में पौडेल ने रन गति बढ़ाकर नेपाल को लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। उन्होंने इंग्लैंड के सबसे सीनियर गेंदबाज राशिद खान के ओवर में छक्का और चौका लगाया। हालांकि ड्रिंक्स ब्रेक के बाद ऐरी और पौडेल की लय टूट गई। ऐरी ने 15वें ओवर में सैम करन की गेंद पर आउट हो गए। इसके तुरंत बाद पौडेल भी लियाम डॉसन की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में डीप मिडविकेट पर फिल साल्ट के हाथों कैच आउट हुए।

इससे पहले इंग्लैंड ने कप्तान हैरी ब्रूक (53 रन) और जैकब बेथेल (55 रन) के अर्धशतकों से सात विकेट पर 184 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज बेथेल ने टी20 विश्व कप पर्दापण में तेज अर्धशतक से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 35 गेंद में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। कप्तान ब्रूक 32 गेंद में चार चौके और तीन छक्के की मदद से एक महत्वपूर्ण पारी खेलने के बाद आउट हो गए। उन्होंने बेथेल के साथ चौथे विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की। नेपाल के गेंदबाजों ने अपनी तरफ से कड़ी चुनौती पेश की।

शेर मल्ला ने अपने दूसरे ओवर की पहली गेंद पर फिल साल्ट (01) को कैच आउट करवाया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। नंदन यादव ने पांचवें ओवर में जोस बटलर (26) का अहम विकेट लिया जो बेथेल के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश कर रहे थे। सातवें ओवर में इंग्लैंड ने तीसरा विकेट टॉम बैंटन के रूप में लिया जो स्पिनर संदीप लामिचाने को रिवर्स स्वीप करने की कोशिश में पगबाधा आउट हुए। इससे पहले बेथेल ने उनकी पहली चार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का लगाया था। फिर बेथेल का साथ निभाने ब्रूक उतरे।

यह वही पिच है जिस पर शनिवार रात को भारत ने 77 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि इंग्लैंड को निश्चित रूप से उस पिच पर बल्लेबाजी करने में कोई परेशानी नहीं हुई जिस पर कुछ गेंद रूककर आ रही थी। इंग्लैंड के बल्लेबाज काफी हद तक अपने शॉट खेलने में सफल रहे। हालांकि कोई भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की तरह पारी नहीं खेल सका।

इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 45 रन बनाए जिसमें विल जैक्स चार छक्के और एक चौका लगाकर 18 गेंद में 39 रन बनाकर नाबाद रहे। मैदान में नेपाल के प्रशंसक भारी संख्या में मौजूद थे जो इंग्लैंड के प्रशंसकों की तुलना में कहीं ज्यादा थे। नेपाल के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और नंदन यादव ने दो दो विकेट झटके। शेर मल्ला और संदीप लामिचाने ने एक एक विकेट प्राप्त किया।

ऑगर-अलियासिमे ने फ्रेंच क्वालिफायर ड्रोगेट को हराकर फाइनल में वापसी की

मोंटपेलियर (एजेंसी)। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने शनिवार को मोंटपेलियर में ओपन ऑक्सिटानी में शानदार फिनिशिंग के साथ फ्रेंच क्वालिफायर टिटुआन ड्रोगेट का शानदार प्रदर्शन खत्म किया। टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन ने डिसाइडिंग सेट में अपना लेवल बढ़ाया और एटीपी 250 सेमीफाइनल में 6-4, 6-7(5), 6-1 से जीत हासिल की। ऑगर-अलियासिमे अपने 21वें टूर-लेवल फ़ाइनल और 13वें इनडोर फ़ाइनल में पहुँच गए हैं। कनाडाई खिलाड़ी के आठ करियर टाइटल में से सात इनडोर रहे हैं, और एटीपी टूर पर इस दशक में इन कंडीशन में उनकी 87 मैच जीत सबसे ज़्यादा हैं। 25 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगा कि दूसरे सेट में भी मेरा मौका आएगा, जो बड़ी सर्विस देने वाले ड्रेगेट के सामने मज़बूती से डटे रहे। यह अच्छा था कि मैंने पहला सेट जीता। इससे मुझे यह समझने का समय मिल रहा था कि उसे कैसे ब्रेक करना है। मुझे लगता है कि मैंने तीसरे सेट में बहुत बेहतर सर्व किया। मुझे लगता है कि मैंने दूसरे सर्व रिटर्न पर भी बेहतर रिटर्न किया। मैं बॉल को ज़्यादा सफाई से मार रहा था और सच में इसे अलग-अलग टारगेट पर अच्छी तरह से मार रहा था।' फ्रेंचमैन आर्थर फिल्स और ड्रोगेट को लगातार हराने के बाद, ऑगर-अलियासिमे का सामना फाइनल में एक और घरेलू उम्मीद एड्रियन मैनारिनो से होगा। मैनारिनो ने 1-6, 6-3, 6-4 से जीत के साथ अमेरिकी क्वालीफायर मार्टिन डैम का सिलसिला खत्म किया। 37 साल के फ्रेंचमैन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने 16वें टूर-लेवल फाइनल और फ्रांस में पहले फाइनल में जगह बनाई। टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज फाइनलिस्ट, मैनारिनो एटीपी लाइव रैंकिंग में 51वें नंबर पर हैं।

भारतीय टीम ग्रुप ए में पहले, वहीं पाक दूसरे नंबर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ 29 रनों से मिली जीत के साथ ही अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी हैं। वहीं पाकिस्तान टीम को अपने पहले ही मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत मिली। फहीम अशरफ की पारी से टीम हालांकि अंतिम ओवर में तीन विकेट से जीती। इस जीत के साथ पाकिस्तान के ग्रुप ए में दो अंक हो गए हैं। टीम का नेट रन रेट प्लस 0.240 है। वहीं भारतीय टीम ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की 84 रनों की शानदार पारी के बाद कसी हुई गेंदबाजों की सहायता से विश्वप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका को 29 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पाकिस्तान को ग्रुप ए की अंक तालिका में पीछे छोड़ दिया है। अब दोनो ही टीमों के दो–दो अंक हैं पर बेहतर रन औसत प्लसे 1.450 के साथ ही भारतीय टीम पहले नंबर पर है। भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी।

सूर्यकुमार विश्वकप में तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ खेली अपनी 84 रनों की नाबाद पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सूर्यकुमार ने 84 रनों की अपनी इस पारी के साथ टी20 विश्वकप कप में अपने 500 रन पूरे किये हैं। अब उनके नाम इस आईसीसी टूर्नामेंट में 18 पारियों में 564 रन हो गए हैं। इसके साथ ही सूर्यकुमार तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं। सूर्या विश्व कप में 500 रन बनाने वाले छठे और सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पहले ये आंकड़ा महेन्द्र सिंह धोनी और युवराज सिंह के अलावा विराट कोहली , रोहित शर्मा, गौतम गंभीर के नाम है।

वहीं सबसे तेजी से 500 रन का आंकड़ा विराट के नाम है। कोहली ने केवल 11 टी20 विश्व कप पारियों में 500 रन बनाये हैं। सूर्या इस सूची में रोहित शर्मा और गौतम गंभीर के बाद तीसरे स्थान पर है। गंभीर और रोहित संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने टी20 विश्व कप की 18 पारियों में 500 टी20 रन पूरे किए, वहीं युवराज ने 22 जबकि धोनी ने 28 पारियों में किया था।

सबसे कम पारियों में 500 रन बनाने वाले भारतीय

11-विराट कोहली
17- गौतम गंभीर
17 - रोहित शर्मा
18 - सूर्यकुमार यादव
22 - युवराज सिंह
28 - महेन्द्र सिंह धोनी

विराट, रोहित पर कोच गंभीर के दबाव बनानें की बातें गलत: सैकिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के मुख्य कोच गौतम गंभीर से कोई मतभेद नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये दोनो ही उस स्तर के खिलाड़ी हैं जिन्हें कोई भी दबाव बनाकर बाहर नहीं कर सकता है। इस प्रकार बोर्ड ने एक प्रकार से कोच गौतम गंभीर के रोहित शर्मा और विराट कोहली से मतभेदों की खबरों को खारिज कर दिया है। सैकिया ने कहा कि पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही है कि गंभीर इन दोनो को बाहर होने के लिए मजबूर कर रहे हैं जो सही नहीं है। इससे पहले कई लोगों का आरोप था कि टी20 विश्वकप 2024 जीतने के बाद रोहित और विराट ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टेस्ट क्रिकेट को भी छोड़ दिया। अब दोनों केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं और इसमें भी उनपर दबाव बनाया जा रहा है।

सैकिया ने कहा कि लोगों की अपनी धारणा हो सकती है पर गंभीर क्या कोई भी विराट और रोहित जैसे खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बना सकता है। उन्होंने कहा, 'ऐसी धारणा हो सकती है पर विराट हमेशा टीम में हैं। गंभीर भी टीम में हैं। हम परिणाम देखते हैं और कुछ नहीं।'

साथ ही कहा कि विराट पर टेस्ट से संन्यास लेने के लिए दबाव नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि कोहली जैसे बड़े खिलाड़ी को कोई भी किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। उनके जैसे खिलाड़ी को कोई भी बदलने या कोई फैसला लेने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। वह भारतीय क्रिकेट के सितारे हैं। जब तक वह स्वयं चाहें, कोई भी उन्हें किसी फैसले के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बोर्ड किसी भी खिलाड़ी के करियर में हस्तपेक्ष नहीं करता है।

विराट और रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके एकदिवसीय करियर को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज के बाद दोनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से लेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। दोनो ने ही काफी अच्छा खेल दिखाकर अपने आलोचकों को शांत करा दिया. साथ ही कहा कि लोग क्या कहते हैं उसपर हम न तो जवाब दे सकते हैं न ही कुछ कर सकते हैं। सैकिया ने कहा कि दोनों के बीच सब कुछ सामान्य है और कोई लड़ाई नहीं हो रही है। सैकिया ने कहा.'मैंने कभी उन्हें लड़ते हुए नहीं देखा। दोनों के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है।'

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली हैट्रिक रोमारियो शेपर्ड के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज रोमारियो शेपर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में इतिहास रचते हुए टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक अपने नाम कर ली। शनिवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में शेपर्ड ने 17वें ओवर में यह बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके इस शानदार स्पेल ने स्कॉटलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखेर दी और वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। रोमारियो शेपर्ड ने बतौर ऑलराउंडर मैच में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए न सिर्फ हैट्रिक ली, बल्कि कुल 5 विकेट झटके। 17वें ओवर में उन्होंने तीन लगातार गेंदों पर मैथ्यू क्रॉस, माइकल लीस्क और ओलिवर डेविडसन को पवेलियन भेजकर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। खास बात यह रही कि इसी ओवर की आखिरी गेंद पर भी उन्होंने एक और विकेट लेकर स्कॉटलैंड पर दबाव को कई गुना बढ़ा दिया। उनके इस स्पेल ने मुकाबले का रुख वेस्टइंडीज की ओर मोड़ दिया, क्योंकि स्कॉटलैंड की टीम लगातार विकेट गंवाकर बड़े स्कोर की ओर बढ़ ही नहीं पाई। शेपर्ड की गेंदबाजी की लाइन और लेंथ इतनी सटीक रही कि स्कॉटलैंड के बल्लेबाज संभलने का कोई मौका ही नहीं पा सके। उनकी हैट्रिक ओवर न केवल तकनीकी रूप से बेहतरीन रहा, बल्कि मानसिक रूप से भी स्कॉटिश खिलाड़ियों पर भारी पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में यह पहली हैट्रिक है और इस उपलब्धि के साथ शेपर्ड टूर्नामेंट के सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी इस शानदार परफॉर्मेंस ने वेस्टइंडीज की गेंदबाजी इकाई का आत्मविश्वास भी बढ़ा दिया है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने भी शेपर्ड की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज को जीत की सबसे मजबूत राह पर ला खड़ा किया है।

सूर्यकुमार ने अमेरिक के खिलाफ मैच में सफलता का श्रेय गंभीर को दिया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम को अंडर–19 विश्वकप के पहले ही मुकाबले में कप्तानी पारी खेलकर जीत दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव ने इसका श्रेय कोच गौतम गंभीर की एक सलाह को दिया है। सूर्या ने कहा कि एक समय जब आधी टीम 77 रनों पर पेवेलियन लौट गयी थी तब उनपर काफी अधिक दबाव था पर ब्रेक्र के दौरान कोच कोच ने उनसे अंत तक टिके रहने को कहा था। कोच का मानना था कि अगर वह अंत तक खेलेंगे तो रन बन जाएंगे। सूर्यकुमार ने इस मैच में 49 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर नाबाद 84 रन बनाए। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाकर 29 रन से जीत हासिल की। सूर्यकुमार ने बताया कि गंभीर ने उनसे कहा था कि वह अंत तक तक बल्लेबाजी करें क्योंकि वह जमने के बाद बड़े शॉट लगा सकते हैं। सूर्यकुमार ने कहा, मुझे बल्लेबाज के समय अंदाजा हो गय था कि इस विकेट पर 140 रन ही काफी हैं। मुझे इस प्रकार के विकेटों पर खेलने आ अनुभव है। इसलिए मेरा मानना था कि मैं यहां बड़ी पारी खेल सकता हूं। सूर्यकुमार छठे ओवर में बल्लेबाजी करने आए थे और शुरुआत में उन्होंने धीमी बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बनाये। बाद में उन्होंने तेजी से खेलते हुए कमी पूरी कर दी। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। अंतिम ओवर में उन्हों चौके, छक्के लगाकर टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान में अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना विश्व कप जीतने से भी बड़ा सपना : राशिद खान

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भले ही दुनिया भर में क्रिकेट खेलकर कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हों, लेकिन अपने देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका सपना आज भी अधूरा है। युद्ध और अस्थिरता से प्रभावित अफगानिस्तान में अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आयोजित नहीं हो सका है। हालात इतने चुनौतीपूर्ण रहे कि टीम को अपने घरेलू मैच विदेशों में खेलने पड़ते हैं। भारत के ग्रेटर नोएडा, देहरादून और लखनऊ से लेकर यूएई के शारजाह और अबूधाबी तक, कई शहर लंबे समय तक अफगानिस्तान टीम के 'घरेलू मैदान' बने रहे। इसके बावजूद राशिद अपने इस सपने को छोड़ने को तैयार नहीं हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 मैच से पहले राशिद भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह हमारे लिए विश्व कप से भी बड़ा सपना है। अगर हम अफगानिस्तान में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच खेल पाते हैं, तो दुनिया देखेगी कि वहां लोग खिलाड़ियों का कितना सम्मान करते हैं और क्रिकेट का कितना आनंद लेते हैं। अपने देश में खेलना किसी सपने से बढ़कर है।' राशिद ने बताया कि दुनिया के हर कोने में, खासकर आईपीएल के दौरान, उन्हें अपार प्यार मिलता है, लेकिन घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव अद्वितीय होगा। उन्होंने कहा, 'भारत में आईपीएल या अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हमें हमेशा लगा कि लोग अपने सितारों को कितना प्यार देते हैं। हमें भी ढेर सारा स्नेह मिला है, खासकर 2023 विश्व कप में। लेकिन अफगानिस्तान में खेलना एक अलग एहसास देगा। तब दुनिया हमारे देश की खूबसूरती भी देखेगी।' राशिद को उम्मीद है कि एक दिन ऐसा माहौल जरूर बनेगा, जब कोई अंतरराष्ट्रीय टीम अफगानिस्तान में सीरीज खेलने पहुंचेगी।

टी20 विश्वकप : सिफर्ट के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

ला नुसिया (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। टिम सिफर्ट के शानदार अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट ग्रुप-डी पहले ही मैच में अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीत पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 182 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को कीवी टीम ने 17.5 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस मैच में कीवी टीम को जीत के लिए खास संघर्ष करना पड़ा। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में मुजीब उर रहमान ने फिन ऐलन को 1 और रचिन रविंद्र को खाता खोले बिन ही लगातार गेंदों पर आउट कर टीम को दबाव में ल दिया। इसके सिफर्ट और फिलिप्स के बीच तीसर विकेट के लिए 74 रन की अहम साझेदारी से टीम संभली। इन दोनों ने दबाव में भी आक्रामक रुख अपनाया । फिलिप्स ने 25 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें सात चौके और एक छक्का शामिल रहा। वहीं सिफर्ट ने 39 गेंदों में अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 गेंदों में 65 रन की पारी खेली, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। वह मोहम्मद नबी का शिकार बने। अंत में डैरिल मिचेल ने 14 गेंदों में 25 रन और कप्तान मिचेल सैंटनर ने 8 गेंद में 17 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम की ओर से बल्लेबाज़ गुलबदिन नायब ने अर्धशतक लगाया। जिससे अफगानिस्तान की टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। इस मेच में कीवी बल्लेबाजों को अपने अनुसार खेलने का अवसर नहीं मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने शुरुआत में ही दो विके खो दिये। सलामी बल्लेबाज़ रहमानुल्लह गुरबाज़ ने 27 रन बनाये पर वह इसके बाद लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसी ओवर में फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान को अंतिम गेंद पर आउट कर दिया। जादरान ने 10 रन बनाये थे। इसके बाद गुलबदिन नायब ने 63 रन और सेदिकुल्लह अटल ने 29 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। गुलबदिन ने 29 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। अंतिम ओवरों में गुलबदिन ने 17 गेंदों में 33 रन बनाकर स्कोर को 150 के ऊपर पहुंचाया। बाद अजमतुल्लह उमरजई ने 14 रन बनाकर फगानिस्तान को 180 रनों के उपर पहुंचाया । न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने 40 रन देकर 2 विकेट लिए। न्यूजीलैंड के लिए लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट जबकि मैट हेनरी, जेकब डफी और रचिन रविंद्र को एक-एक विकेट मिला।

लवलीना और अरुंधति की अगुवाई में भारत ने 9 गोल्ड जीते

ला नुसिया (एजेंसी)। भारत ने आखिरी दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 को बहुत सफल तरीके से खत्म किया, जिसमें ओलंपिक मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन और पूर्व यूथ वर्ल्ड चैंपियन अरुंधति चौधरी ने ला नुसिया, एलिकांटे में शानदार फिनिश करते हुए नौ गोल्ड मेडल जीते। एक खास उपलब्धि यह रही कि शनिवार को भारत ने सात एलीट विमेंस फाइनल में हिस्सा लिया - जिसमें 54किग्रा डिवीजन में एक ऑल-इंडियन टाइटल क्लैश भी शामिल था - और हर एक में गोल्ड मेडल जीता।

ला नुसिया, एलिकांटे में हुए बॉक्सम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से ज़्यादा बॉक्सर्स ने हिस्सा लिया, जिससे सीजन की शुरुआत में ही एक हाई-क्वालिटी इंटरनेशनल टेस्ट मिला। भारत नौ गोल्ड, तीन सिल्वर और सात ब्रॉन्ज मेडल के साथ कॉम्पिटिशन का सबसे सफल देश रहा। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'बॉक्सम एलीट ने ठीक वैसा ही मौका दिया जैसा हम सीजन के इस स्टेज पर ढूंढ रहे थे, जिसमें मजबूत इंटरनेशनल मुकाबले, अलग-अलग वेट कैटेगरी में गहराई और हाई-प्रेशर वाले मुकाबले शामिल थे। स्पेन में परफॉर्मेंस, खासकर फाइनल में कन्वर्ज़न रेट, हमारे प्रोग्राम की प्रोग्रेस को दिखाता है। आने वाला साल मुश्किल होने के साथ, यह टूर्नामेंट हमारे बॉक्सर्स को आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार करने में एक अहम कदम रहा है। पूरे दल को शानदार कैंपेन के लिए बधाई।'

भारत की महिलाओं ने आखिरी दिन बेंचमार्क सेट किया। मंजू रानी (48किग्रा) और नीतू (51) ने स्पेन की माटर लोपेज़ और नोएलिया गुटिरेज़ पर एकमत से ज़बरदस्त जीत के साथ शुरुआत की, इससे पहले पूनम (54) ने कड़े मुकाबले वाले ऑल-इंडियन फाइनल में हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60) और अरुंधति (70) ने यूक्रेनी विरोधियों पर 5–0 से शानदार जीत हासिल की, जबकि लवलीना (75) ने अपना खास कंट्रोल और संयम दिखाते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4:1 से हराया। नैना (80) ने यूक्रेन की रईसा पिस्कुन पर आसान जीत के साथ स्वीप पूरा किया।

महिलाओं के प्रदर्शन पर बात करते हुए, भारतीय महिला टीम के हेड कोच सैंटियागो नीवा ने कहा, 'यह महिलाओं का शानदार प्रदर्शन था, सिर्फ़ मेडल के मामले में ही नहीं, बल्कि जिस तरह से उन्होंने अनुशासन, स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ बॉक्सिंग की। सात फाइनल में पहुँचना और सभी सातों जीतना पूरे सिस्टम में किए जा रहे काम के बारे में बहुत कुछ बताता है। इसका क्रेडिट पूरी भारतीय टीम को भी जाता है, पुरुषों और महिलाओं ने पूरे टूर्नामेंट में एक-दूसरे को आगे बढ़ाया, और यह सामूहिक माहौल लगातार सफलता की कुंजी है।'

पुरुषों के फाइनल में सचिन (60) ने दिन के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक में कनाडा के केओमा-अली अल अहमदीह को 3–2 से हराया, जबकि आकाश (75) ने कज़ाकिस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3–2 से रोमांचक जीत के बाद एक और गोल्ड मेडल जीता। दीपक (70) और अंकुश (80) को क्रमशः कज़ाकिस्तान और यूक्रेन से कड़ी टक्कर मिलने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।

उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

बुद्धि बड़ी या भाग्य

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

लंबे वर्किंग आवर्स पर अर्जुन बिजलानी का खुलासा

टीवी की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार और रंगीन दिखाई देती है, अंदर से उतनी ही दबाव से भरी होती है। दर्शक रोज अपने पसंदीदा कलाकारों को टीवी स्क्रीन पर देखते हैं, लेकिन उनकी मेहनत, थकान और मानसिक तनाव से अनजान रहते हैं। घंटों शूटिंग, लगातार काम का दबाव और निजी जीवन के लिए कम समय, ये सब टीवी कलाकारों की रोजमर्रा जिंदगी का हिस्सा है। इसी मुद्दे पर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। अर्जुन बिजलानी ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, 'कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं।'

अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है।''

जब उनसे पूछा कि क्या टीवी इंडस्ट्री में 8 घंटे की शिफ्ट होनी चाहिए, तो अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''तकनीकी रूप से यह संभव नहीं है। जब कोई शो हफ्ते में सातों दिन टेलीकास्ट होता है, तो इतने कम समय में काम पूरा करना मुश्किल हो जाता है।'' अर्जुन ने कहा, ''अगर काम के घंटे घटाकर 8 कर दिए जाएं, तो शो की गुणवत्ता पर असर पड़ सकता है। दर्शकों तक अच्छी क्वालिटी का कंटेंट पहुंचाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को 12 घंटे तक काम करना पड़ता है। काम और सेहत के बीच संतुलन बनाना बेहद जरूरी है।''

पर्दे पर 'हाउसवाइफ' का किरदार निभाएंगी आलिया भट्ट

राजकुमार राव के साथ बनेगी जोड़ी!

आलिया भट्ट बीते कुछ समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आईं हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'जिगरा' थी, जो अक्तूबर 2024 में रिलीज हुई थी। पूरे 2025 में आलिया की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। इस बीच अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट आगामी फिल्म 'हाउसवाइफ' में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक करेंगे, जिन्होंने इससे पहले 'दृश्यम 2' जैसी हिट फिल्म बनाई थी। अगर आलिया इस फिल्म में काम करती हैं, तो वे एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाएंगी। कहानी घर-परिवार से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगी। यह पहली बार होगा जब आलिया इस तरह के किरदार में नजर आएंगी।

मेल लीड निभाएंगे राजकुमार!

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया के साथ इस फिल्म में राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। अगर ऐसा होता है तो आलिया और राजकुमार पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। अभिषेक पाठक 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी करने के बाद इस फिल्म को शुरू कर सकते हैं।

आलिया-राजकुमार के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

आलिया भट्ट आखिरी बार 'जिगरा' में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्मों में यशराज के स्पाई-यूनिवर्स की एक्शन फिल्म 'अल्फा' है। इसमें उनके साथ में शरवरी वाघ और बॉबी देओल प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा, वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम कर रही हैं। वहीं, राजकुमार राव जल्द ही नेटफ्लिक्स की कॉमेडी फिल्म 'टोस्टर' में दिखाई देंगे। साथ ही वो एक बायोपिक ड्रामा में नजर आएंगे। जिसमें वे पब्लिक प्रॉसिक्यूटर उज्ज्वल निकम का किरदार निभाएंगे।

सात साल बाद अभिनय में वापसी पर क्या बोलीं रिया चक्रवर्ती?

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती अपकमिंग सीरीज 'फैमिली बिजनेस' से स्क्रीन पर सात साल बाद वापसी कर रही हैं। इस प्रोजेक्ट के एलान के बाद एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने अपने काम पर लौटने के लंबे सफर के बारे में बताया। उन्होंने पर्दे पर वापसी के लिए आभार जताया है।

एक्टिंग में दोबारा आने पर बोली रिया?

हाल ही में रिया ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तैयार हो रही हैं। एक्टिंग में दोबारा वापसी करने पर उन्होंने कहा कि उन्होंने आखिरी बार 2019 में 'चेहरे' के लिए शूटिंग की थी। रिया ने कहा, '7 साल। यह सच में बहुत अजीब है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर से एक्टिंग करूंगी। यह अविश्वसनीय है क्योंकि यह एक सपने जैसा है। जब मैं 17 साल की थी, तब यह मेरा सपना था। फिर वह सब हुआ। इसके बाद मुझे काम मिलना बंद हो गया। फिर मैं वापस आ गई। हालांकि अब मैं बहुत बदल गई हूं। अब मेरा एक अलग करियर है। अब कई मायनों में यह मायने नहीं रखता। कई मायनों में यह अभी भी पहले से कहीं ज्यादा मायने रखता है।'

कौन सा सपना लेकर आई थीं रिया?

पोस्ट के कैप्शन में रिया ने लिखा 'सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं। हालांकि मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा।

'फैमिली बिजनेस' की स्टारकास्ट

सीरीज 'फैमिली बिजनेस' में रिया के अलावा विजय वर्मा, अनिल कपूर, ध्रुव सहगल, नेहा धूपिया, राइमा सेन, आकाश खुराना, अपरा मेहता, नंदीश संधू, अनंत नाग, रोहन विनोद मेहरा, टीना देसाई, कंवलजीत सिंह, मधु और इनायत सूद प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

वीर दास ने कंगना को बताया 'पीढ़ी में एक बार आने वाली एक्ट्रेस'

बालीवुड एक्टर और कॉमेडियन वीर दास अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। वे 'लव आज कल', 'बदमाश कंपनी', 'देली बेली' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने कंगना रनौत के साथ भी 'रिवॉल्वर रानी' फिल्म में काम किया है। हाल ही में वीरदास ने एक इंटरव्यू में कंगना के साथ किए काम का अनुभव शेयर किया। फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' से अपनी और कंगना की एक तस्वीर पर रिएक्ट करते हुए वीर दास ने उनके साथ काम करने के अनुभव शेयर किया। वीर दास ने साथ बातचीत में कहा, 'इस फिल्म में हम दोनों ज्यादातर समय एक-दूसरे से लड़ते नजर आते हैं। यह एक डार्क और थोड़ी अलग तरह की ब्लैक कॉमेडी है। कंगना एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो पीढ़ियों में एक बार पैदा होती हैं। उनके साथ काम करके मुझे बहुत मजा आया।

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' के बारे में

फिल्म 'रिवॉल्वर रानी' में कंगना रनौत ने रिवॉल्वर रानी का लीड किरदार निभाया है। वहीं वीर दास ने रोहन मेहरा का रोल किया, जो एक उभरते हुए बॉलीवुड अभिनेता हैं और जिनसे कंगना का किरदार प्यार करने लगता है। कहानी में कुछ लोग रोहन को अगवा कर लेते हैं। इसके बाद उन्हें मारने का प्लान बनाते हैं। तब कंगना बंदूक उठाकर दुश्मनों से भिड़ जाती हैं और उनकी जान बचाती हैं। इस फिल्म का निर्देशन साई कबीर श्रीवास्तव ने किया था। फिल्म में पीयूष मिश्रा, जकिर हुसैन और जेशान कादरी भी अहम रोल में नजर आए थे।

वीर दास के हालिया प्रोजेक्ट्स

वीर दास हाल ही में फिल्म 'हैप्पी पटेल- खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस में बनी थी। इसमें मिथिला पालकर और मोना सिंह भी अहम किरदारों में थीं। वहीं इमरान खान और आमिर खान ने भी इस फिल्म में खास कैमियो किया था। इस फिल्म को क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। अब वीर दास कॉमेडी वर्ल्ड टूर 'हे स्ट्रेंजर' करने वाले हैं। यह टूर 27 फरवरी से शिकागो में शुरू होगा और 23 मई को मलेशिया में खत्म होगा।

हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है

इन दिनों अभिनेत्री मृणाल ठाकुर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ तक को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। पिछले कुछ वक्त से उनका नाम अभिनेता धनुष के साथ जोड़ा जा रहा है। यही नहीं यहां तक कहा जा रहा है कि मृणाल और धनुष वैलेंटाइन डे के मौके पर 14 फरवरी को शादी करने वाले हैं। अब धनुष के साथ शादी की खबरों पर मृणाल ठाकुर की ओर से प्रतिक्रिया आई है।

सोशल मीडिया पर मृणाल ठाकुर का एक लंबा-चौड़ा स्टेटमेंट वायरल हो रहा है। इसको अभिनेत्री के फैन पेज पर शेयर किया गया, इसके बाद ये वायरल है। इस स्टेटमेंट में मृणाल ठाकुर के हवाले से कहा गया है, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरा काम मेरी पहचान बने, न कि गपशप। फिर भी आज मैं खुद को ऐसी कहानियों से जुड़ा हुआ पाती हूं जो मैंने कभी नहीं लिखीं, ऐसी बातचीत जो मैंने कभी नहीं कीं और ऐसे फैसले जो मैंने कभी नहीं लिए। हाल ही में, एक तथाकथित शादी को लेकर कंट्रोवर्सी चर्चा में है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि धनुष हमेशा से मेरे लिए भाई समान रहे हैं। हमारा रिश्ता सिर्फ आपसी सम्मान और प्रोफेशनल है। इससे ज्यादा कुछ नहीं। फिर भी मुझे आश्चर्य होता है कि लोग किसी महिला के निजी जीवन के बारे में कहानियां गढ़ने के लिए इतने उत्सुक क्यों रहते हैं, बजाय इसके कि उसके जीवन के सफर को समझें।'

अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं

अभिनेत्री की ओर से इस स्टेटमेंट में आगे कहा गया, 'मैं चुप रहना इसलिए नहीं चुनती क्योंकि मुझे कुछ छिपाना है। बल्कि इसलिए कि मेरा मानना है कि मेरे निजी जीवन को सार्वजनिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। मैंने ऑडिशन, अस्वीकृति, लंबी रातों और अटूट आत्मविश्वास के दम पर आज इस मुकाम तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है। उस सफर को अफवाह तक सीमित करना गलत है। सोशल मीडिया हर किसी को अपनी बात कहने का मौका देता है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी मांगता है। कुछ क्लिक, लाइक और शेयर भले ही नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन वे ऐसी कहानियां गढ़ते हैं जो असल लोगों को प्रभावित करती हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहती हूं, इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।' सोशल मीडिया पर वायरल मृणाल ठाकुर का ये स्टेटमेंट उनके किसी ऑफिशियल पेज पर नहीं है। न तो इंस्टाग्राम पर मौजूद है और न ही एक्स पर। यही नहीं इस बयान को लेकर मृणाल ठाकुर की टीम की ओर से भी ये स्पष्ट किया गया कि अभिनेत्री ने ऐसा कोई स्टेटमेंट नहीं दिया है। ये पूरी तरह से फेक है। जिससे ये स्पष्ट होता है कि धनुष को भाई बताने वाला मृणाल का ये बयान असली नहीं है, बल्कि सिर्फ फेक है। ये बयान मृणाल या उनकी टीम की ओर से नहीं दिया गया है।

शादी की खबरों को खारिज कर चुकी हैं मृणाल

हालांकि, मृणाल ठाकुर 14 फरवरी को अपनी शादी की खबरों को कई बार खारिज कर चुकी हैं। वो कई बार इन खबरों को सिर्फ अफवाह बता चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में भी जब मृणाल से धनुष के साथ शादी की खबरों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि अरे मुझे तो इनवाइट ही नहीं किया गया। एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया पर वेडिंग डेट भी आ गई है। वो कहती हैं कि आ गई? मुझे किसी ने इनवाइट ही नहीं किया। मुझे भी बुला लेते।

'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी मृणाल

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा मृणाल की पाइपलाइन में 'डकैत' भी है, इसमें उनके साथ आदिवी शेष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

सफारी में मोबाइल ले जाने पर एफआईआर होगी

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। राजस्थान के सबसे बड़े रणथंभौर टाइगर रिजर्व समेत कुल चार टाइगर रिजर्व में रील बनाने, वीडियो शूट करने और सेल्फी लेने जैसी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत उठाया गया है, जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में कोई बाधा न आए। सफारी के टूरिस्ट और गाइड मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए एक आदेश जारी किया है। इसके तहत टाइगर रिजर्व में पोस्टर और फ्लैक्स भी लगा दिए गए हैं। साथ ही गाइड को भी निर्देश दिए है कि वे मोबाइल फोन के रोक संबंधी आदेश के बारे में टूरिस्ट्?स को भी अवगत करा दें। राजस्थान में फिलहाल चार टाइगर रिजर्व है। इनमें रणथंभौर टाइगर रिजर्व, सरिस्का टाइगर रिजर्व (अलवर), मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (कोटा) और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी) शामिल हैं। धौलपुर-करौली और कुंभलगढ़ को भी टाइगर रिजर्व बनाने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन ये अभी पूरी नहीं हो पाई है।

ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन व ट्रेनी घायल

विजयपुरा (एजेंसी)। कर्नाटक के विजयपुरा जिले के बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव में रविवार को रेड बर्ड एविएशन का निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट सवार थे, दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। यह विमान कलबुर्गी से बेलगावी जा रहा था। उड़ान के दौरान इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिससे पायलट कंट्रोल खो बैठे और खेत में क्रैश लैंडिंग हो गई। विमान सीसना 172 मॉडल का दो सीटर ट्रेनिंग प्लेन था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह विमान रेड बर्ड एविएशन कंपनी का था और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। शुरुआती जांच में हादसे की वजह इंजन की तकनीकी खराबी सामने आई है, लेकिन दुर्घटना के सही कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा। प्रशासन और पुलिस ने साफ़ किया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी जरूरी तकनीकी और कानूनी जांच की जा रही है तथा जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी : आप

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बीजेपी सरकार की आलोचना कर राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाकर दावा किया हैं कि हरियाणा में अपराधी खुलेआम व्यापारियों से फिरौती मांग रहे हैं। उन्होंने यमुनानगर की घटना का जिक्र कर आरोप लगाया कि सैनी सरकार ने पूरे प्रदेश को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। दरअसल, यमुनानगर में दो बदमाशों ने रेलवे रोड के पास स्थित मल्टी स्पेशलिटी वरयाम अस्पताल फायरिंग की। बदमाशों ने अस्पताल के रिसेप्शन इलाके में 13 से 14 राउंड फायरिंग की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। आप नेता ढांडा ने पोस्ट में लिखा, नायब सरकार ने पूरे हरियाणा को अपराधियों का खेल का मैदान बना दिया है। यमुनानगर में अपराधी खुलेआम बेखौफ होकर गोलियां बरसा रहे हैं, जगह-जगह व्यापारियों से फिरौती मांगी जा रही है। हर दिन होती ऐसी वारदातें साफ हैं कि बीजेपी की नायब सरकार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर चुकी है। पोस्ट के साथ उन्होंने वीडियो साझा किया है, जिसमें 3 नकाबपोश व्यक्ति एक इमारत के अंदर प्रवेश करते दिखाई दे रहे हैं, जो संभवतः कोई कार्यालय प्रतीत हो रहा है। इसके बाद ये लोग फायरिंग करते हुए वहां से निकल जाते हैं।

मुंबई से 100 नॉटिकल मील दूर बड़ी हलचल, कोस्ट गार्ड ने तीन संदिग्ध जहाजों को पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन कोस्ट गार्ड ने मुंबई के तट से लगभग 100 मील दूर एक बड़ा ऑपरेशन किया। इस ऑपरेशन से काफी हलचल मच गई। दरअसल मुंबई तट के बहुत करीब तीन बड़े जहाजों पर कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। दरअसल कोस्ट गार्ड ने मुंबई से 100 नॉटिकल मील पश्चिम में तीन संदिग्ध जहाजों को देखा। इन जहाजों पर नज़र रखी जा रही थी। इस दौरान, इंडियन कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया और दस्तावेजों की जांच की, जिससे एक बड़ा खुलासा हुआ। जब कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया, तो पता चला कि इन जहाजों के मालिक दूसरे देशों में बसे हुए हैं। बताया गया है कि कोस्ट गार्ड 5 फरवरी से इन जहाजों पर कड़ी नज़र रख रहा था। इसके अलावा, जहाजों पर संदिग्ध गतिविधियां हो रही थीं। फिर कोस्ट गार्ड ने जहाजों का निरीक्षण किया। पूछताछ के दौरान, यह साफ हो गया कि ये जहाज तेल की तस्करी में शामिल थे। पता चला कि ये तीनों जहाज समुद्र में अवैध रूप से तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों को दूसरे जहाजों में ट्रांसफर कर रहे थे। आखिरकार, शनिवार दिनांक 7 फरवरी को कार्रवाई की गई। पूछताछ के बाद, तीनों जहाजों को मुंबई बंदरगाह लाया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, तीनों जहाजों के चालक दल के सदस्य भी भारत की हिरासत में हैं। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि ये जहाज कहां से आए थे और मुंबई तट से कहां जा रहे थे।

सबूतों के अभाव में अदालत ने मुजफ्फरनगर दंगा केस में 22 आरोपियों को बरी किया

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की अदालत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों से जुड़े हत्या, लूट और आगजनी के एक मामले में साक्ष्यों के अभाव में 22 आरोपियों को बरी किया। शासकीय अधिवक्ता ने इसकी जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार ने कहकर आरोपियों को बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में नाकाम रहा। उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने आठ सितंबर 2013 को मोहम्मदपुर रायसिंह गांव में हुई घटनाओं के संबंध में 26 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान चार आरोपियों की मृत्यु हुई। जिसके बाद शेष 22 आरोपियों के खिलाफ अभियोजन कार्रवाई जारी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, हनीफ ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि सैकड़ों दंगाइयों ने गांव में घरों पर हमला किया, संपत्ति लूटी और बाद में घरों में आग लगा दी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा-अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे। इसके अलावा मिक्स डिब्बाबंद सब्जियों को भी भारत में अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादों में भी भारत ने अपनी सीमाएं स्पष्ट कर दी हैं। अमेरिका से लिक्विड दूध, मिल्क पाउडर, क्रीम, योगर्ट, बटरमिल्क, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर और चीज को भारत में प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे भारतीय डेयरी सेक्टर और किसान परिवारों की आजीविका पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

चौहान ने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, जबकि अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में ऐसी कोई रियायत नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। भारत के मसाला निर्यात में 88 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और भारतीय मसाले व मसाला उत्पाद दुनिया के 200 देशों तक पहुंच रहे हैं। 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 4.45 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि देश को झुकने नहीं देंगे और किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में दोनों बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अब तक 9 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो चुके हैं। अमेरिका के अलावा यूएई के 27 देश, ओमान, न्यूजीलैंड और यूके के साथ भारत एफटीए कर चुका है, जबकि अन्य देशों से बातचीत चल रही है। चौहान ने कहा कि इन सभी समझौतों का फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था, किसानों, मजदूरों, गरीबों, निर्यातकों और निर्माताओं को मिलेगा और 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ये मील का पत्थर साबित होंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में भारत का टैरिफ अब प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले काफी कम होकर 18 फीसदी रह गया है। इससे कपास किसानों, टेक्सटाइल निर्माताओं, जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर, ऑटो कंपोनेंट्स, इंजीनियरिंग गुड्स को नई गति मिलेगी, साथ ही महिला स्वयं सहायता समूहों की आजीविका भी इस समझौते से मजबूत होगी।

रील का जुनून : बांदा में फंदा लगाकर वीडियो शूट करते समय महिला की मौत

बांदा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में सोशल मीडिया पर रील बनाने के चक्कर में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है। वायरल होने की चाहत में अपनी जान जोखिम में डालना एक महिला के लिए जानलेवा साबित हुआ। मामला बबेरू कोतवाली कस्बे के करूड्या पुरवा का है, जहां 27 वर्षीय मोहिनी नाम की महिला रील के लिए फांसी का सीन रिकॉर्ड कर रही थी, लेकिन तभी अचानक फंदा कस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मोहिनी को सोशल मीडिया पर रील बनाने का काफी शौक था और वह अक्सर नए-नए तरीकों से वीडियो शूट करती रहती थी। जिस समय यह घटना हुई, महिला का पति जगदीश काम के सिलसिले में घर से बाहर गया हुआ था। अकेलेपन का फायदा उठाकर मोहिनी ने रील बनाने की योजना बनाई। उसने छत के हुक पर रस्सी डालकर फांसी का एक फंदा तैयार किया और सामने मोबाइल कैमरा सेट कर वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। अभिनय के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और गले में पड़ा फंदा वास्तव में कस गया। मोहिनी ने खुद को बचाने की काफी जद्दोजहद की, लेकिन फंदा कसता चला गया और दम घुटने से उसकी जान चली गई। हादसे का पता तब चला जब महिला की 4 वर्षीय बेटी कमरे में पहुंची। अपनी मां को फंदे पर लटका देख वह बुरी तरह डर गई और जोर-जोर से चीखने-चिल्लाने लगी। बच्ची की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और पड़ोसी मौके पर पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में मामला रील बनाने के दौरान हुए हादसे का लग रहा है, क्योंकि मौके पर मोबाइल कैमरा रिकॉर्डिंग मोड में मिला था। हालांकि, पुलिस हत्या और आत्महत्या समेत अन्य सभी पहलुओं पर भी गहनता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

कांग्रेस ने नवजोत कौर को किया निष्कासित, सिद्धू ने राहुल गांधी को कहा पप्पू

-नवजोत कौर का यह बयान उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में पिछले दो महीनों से जारी अनिश्चितता और बयानबाजी के दौर का अंत आखिरकार एक बड़े धमाके के साथ हुआ है। पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया है। इस निष्कासन से पहले ही 31 जनवरी को नवजोत कौर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कांग्रेस आलाकमान के इस कड़े कदम ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी अब सिद्धू परिवार की बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाए जाने के बाद नवजोत कौर के तेवर और भी तीखे हो गए। उन्होंने न केवल इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी, बल्कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

उन्होंने राहुल गांधी को पप्पू कहकर संबोधित किया जो आमतौर पर विपक्षी खेमे द्वारा उनके उपहास के लिए इस्तेमाल किया जाता है। नवजोत कौर का यह बयान कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया है। विवाद की जड़ें पिछले साल दिसंबर में जमीं, जब नवजोत कौर ने कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा वही बनता है जो 500 करोड़ रुपए का सूटकेस देता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि उनके पति नवजोत सिंह सिद्धू सक्रिय राजनीति में तभी लौटेंगे जब उन्हें सीएम पद का चेहरा बनाया जाएगा। उस समय उन्होंने कहा था कि कांग्रेस में इतनी गुटबाजी है कि वे नवजोत सिद्धू को आगे नहीं बढ़ने देंगे। वहां पहले से ही पांच दावेदार सीएम बनने का सपना देख रहे हैं और वे खुद कांग्रेस को हराने पर तुले हुए हैं।

एसआईआर के नाम पर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा: अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से बिहार का चुनाव जीता गया है। अब पश्चिम बंगाल में लगातार यही कोशिश हो रही है। इसकारण बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्ती को बीजेपी की काली करतूत को उजागर करने के लिए काला कोट पहनकर सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा।

प्रेसवार्ता में सपा अध्यक्ष अखिलेश अपने साथ सुल्तानपुर निवासी नंदलाल को भी लेकर आए थे। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी पर आरोप लगाकर कहा कि नंदलाल से बीजेपी ने एसआईआर का फॉर्म 7 भरा लिया। बीजेपी पर हमला बोलकर अखिलेश यादव ने कहा कि द्वापर और त्रेता के नाम वाले लोगों, दशरथ और नंदलाल से हमें बहुत मदद मिल गई। बता दें कि नंदलाल अंगूठा लगाते हैं। इसके बाद बीजेपी ने इनके फर्जी दस्तखत कर फॉर्म भरवा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की तरफ से नंदलाल को 1 लाख रुपये का इनाम दिया गया है। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग फॉर्म 7, जिससे नाम पर आपत्ति दर्ज होती है भरवाना तुरंत बंद करे।

अखिलेश ने कहा कि आयोग को सिर्फ फॉर्म-6 नाम जोड़ने वाले फॉर्म ही भरवाने चाहिए। नंदलाल के नाम पर 26 फॉर्म-7 भरे गए थे। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग द्वारा जानबूझकर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह एसआईआर, नहीं एनआरसी है।

इसके पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि बीजेपी एक समुदाय के कुछ लोगों का इस्तेमाल उसी समुदाय के खिलाफ करती है। वहीं जब विवाद बढ़ जाता है, तब वह दिखावे के लिए नकली कार्रवाई का नाटक करती है। आपको बता दें कि अखिलेश के ये बयान जाहिर तौर पर घूसखोर पंडित नाम की एक फिल्म को लेकर हुए विवाद के बारे में थे। जो एक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है।

मौसम में बड़े बदलाव के संकेत, उत्तर भारत में बारिश-बर्फबारी और कोहरे का अलर्ट

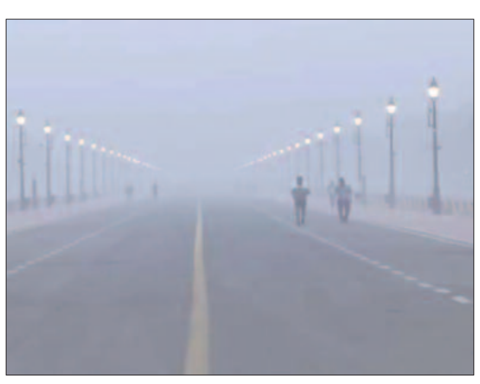

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ, चक्रवाती परिसंचरण और सब-ट्रॉपिकल पश्चिमी जेट स्ट्रीम के सक्रिय होने से देश के कई राज्यों में मौसम की गतिविधियों में बदलाव देखा जाएगा। इसके प्रभाव से कहीं तेज हवाएं चलेंगी, तो कहीं बारिश और बर्फबारी का दौर शुरू होगा।

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो से तीन दिनों तक 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सतही हवाएं चलने की संभावना है। इसके साथ ही पहाड़ी इलाकों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे दृश्यता कम हो सकती है और सड़क व हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 9 से 11 फरवरी के बीच मौसम बिगड़ने के आसार हैं। एक नया पश्चिमी विक्षोभ 8 फरवरी की रात से सक्रिय हो रहा है, जिसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 10 फरवरी को इन राज्यों के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान मौसम विभाग ने गरज-चमक, बिजली गिरने और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका जताई है। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को ऊंचे इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी गई है। उत्तर भारत के कुछ राज्यों में घने कोहरे और कोल्ड डे (ठंडा दिन) जैसी स्थिति बनी रह सकती है। विशेष रूप से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के मैदानी व घाटी वाले इलाकों में सुबह और रात के समय विजिबिलिटी काफी कम रह सकती है। कोहरे के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों और उड़ानों के समय में भी देरी होने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में कैसा रहेगा हाल?

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में फिलहाल मौसम शुष्क रहने की उम्मीद है। रविवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, हालांकि सुबह के समय हल्की धुंध महसूस की जा सकती है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। आने वाले पूरे हफ्ते में दिल्ली-एनसीआर में किसी बड़े मौसमी उलटफेर की संभावना नहीं है, लेकिन सुबह और शाम की ठंड बरकरार रहेगी। न्यूनतम तापमान को लेकर आईएमडी का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों तक पारे में कोई खास गिरावट या बढ़ोतरी नहीं होगी। हालांकि, इसके बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि देखी जा सकती है। मध्य भारत में भी दो दिनों के बाद न्यूनतम तापमान बढ़ने के आसार हैं, जबकि पूर्वी भारत में अगले चार दिनों तक तापमान स्थिर रहने के बाद धीरे-धीरे बढ़ेगा। कुल मिलाकर, फरवरी का दूसरा सप्ताह देश के उत्तर और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों के लिए मिश्रित मौसमी प्रभाव वाला रहने वाला है।

सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

-गिरफ्तारी के समय सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच हुई थी तीखी नोकझोंक

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ बुद्धा कॉलोनी थाना में एक और एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस कार्रवाई में रुकावट को लेकर दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात पुलिस सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची थी, लेकिन उस दौरान उन्होंने गिरफ्तारी देने से इनकार कर दिया। इस दौरान सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी। हालात बिगड़ते देख सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए बाद में पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। जहां से पीएमसीएच शिफ्ट किया गया था। जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव की पटना में आधी रात को हुई गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को पूर्णिया में जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर जाप कार्यकर्ताओं ने शहर में मशाल जुलूस निकाला और पप्पू यादव को अविलम्ब रिहा करने की मांग की। जन अधिकार पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष बबलू भगत ने कहा कि सरकर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती है। सांसद पप्पू यादव लगातार सदन में आम जनता की आवाज उठाते हैं। पीड़ितों को न्याय दिलाते हैं, लेकिन सरकार को यह हजम नहीं होता। सांसद पप्पू यादव पूर्णिया के 25 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहां की जनता इससे बर्दाश्त नहीं करेगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के मामले में कहा कि हर चीज को इतना बड़ा चढ़ा कर पेश करना कि हर चीज में साजिश हो रही है जान से मारने यह नॉर्मल एक प्रक्रिया का हिस्सा है। क्या कोई किसी सांसद को ऐसे ही नहीं गिरफ्तार कर सकता है। यकीनन कहीं ना कहीं कुछ तथ्य सामने आए होंगे। कुछ ऐसे प्रमाण मिले होंगे जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई है। पप्पू यादव के मामले में राहुल गांधी के समर्थन करने पर एनडीए की सरकार में एक बात स्पष्ट है अगर कोई दोषी है तो वह बक्शा नहीं जाएगा। अगर कोई बेगुनाह है तो उसके ऊपर कोई आंच नहीं आएगी।

बता दें पप्पू यादव को 31 साल पुराने केस में बेल टूटने पर गिरफ्तार किया गया। दरअसल, पटना के शास्त्री नगर थाने में साल 1995 केस दर्ज किया गया था। यह केस विनोद बिहारी लाल ने दर्ज कराया था। बार-बार बुलाने के बाद भी पप्पू यादव और दो अन्य अभियुक्त कोर्ट नहीं आ रहे थे। आरोप था कि पप्पू यादव 1994 में जब पहली बार सांसद बने थे। तब इन्होंने पटना में ऑफिस बनाने के लिए एक मकान किराए के लिए लिया था। रहने के नाम पर और उसमें ऑफ़िस बनाया।

वायुसेना की शक्ति में ऐतिहासिक इजाफा: 3.25 लाख करोड़ के राफेल सौदे पर मुहर !

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना अपनी मारक क्षमता को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। अत्याधुनिक राफेल विमानों की सफलता के बाद अब 114 अतिरिक्त राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। रक्षा गलियारों से मिल रही जानकारी के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के आगामी भारत दौरे से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इस बैठक में लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले इस महा-प्रोजेक्ट को अंतिम मंजूरी मिल सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदली हुई परिस्थितियों में भारत अपने रक्षा क्षेत्र को अभूतपूर्व तेजी से मजबूत कर रहा है।

आगामी 18 से 20 फरवरी तक भारत में आयोजित होने वाली एआई समिट में राष्ट्रपति मैक्रों की भागीदारी के दौरान इस सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। प्रस्तावित योजना के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के तहत कुल 114 विमानों में से 18 विमान फ्लाई अवे यानी पूरी तरह तैयार स्थिति में फ्रांस से सीधे भारत आएंगे। वहीं, शेष विमानों का बड़ा हिस्सा मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत में ही निर्मित किया जाएगा। रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 60 से 80 फीसदी विमानों का निर्माण भारतीय धरती पर होगा, जिसमें फ्रांसीसी कंपनी दसॉ और भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियां मिलकर काम करेंगी। इस बेड़े में 88 सिंगल सीटर और 26 ट्विन सीटर विमान शामिल होने की संभावना है। रक्षा खरीद बोर्ड से हरी झंडी मिलने के बाद अब यह मामला अगले स्तर की मंजूरी के करीब है, जिसके बाद तकनीकी और वाणिज्यिक स्तर पर औपचारिक बातचीत का दौर शुरू होगा।

रक्षा क्षेत्र में यह निवेश भारत की दूरगामी रणनीति का हिस्सा है। चालू वित्त वर्ष में रक्षा मंत्रालय के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। यह कुल सकल घरेलू उत्पाद का 1.99 प्रतिशत है। इस बजट में सेनाओं के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों, विशेषकर पड़ोसी देशों के बीच बढ़ती नजदीकियों और सीमा पर उभरते नए समीकरणों को देखते हुए भारत के लिए अपनी वायु शक्ति को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है। इस डील के पूरा होने के बाद भारतीय वायुसेना के पास राफेल विमानों की कुल संख्या 176 हो जाएगी, जो किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान करेगी। सरकार न केवल हथियारों की खरीद पर, बल्कि अनुसंधान और विकास पर भी निवेश बढ़ा रही है। इस बार अनुसंधान के लिए 17,250 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। साथ ही, रक्षा पेंशन के लिए भी बजट बढ़ाकर 1.71 लाख करोड़ रुपये किया गया है। यह निवेश और राफेल जैसा रणनीतिक सौदा यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ-साथ तकनीकी श्रेष्ठता के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों की श्रेणी में अपनी जगह पक्की कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)